# HRA TISIUA The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 18

नई विल्ली, शनिवार, मई 1, 1976 (वैशांख 11, 1898)

No. 18]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 1, 1976 (VAISAKHA 11, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III--खण्ड । PART III--SECTION ।

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक श्रौरप्रशासनिक सुधार विभाग)

प्रवर्तन निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1976

नियक्ति

सं० ए-11/8/76—-श्री के० वाई० राणे को प्रवर्तन निदेशालय के बम्बई क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 3-3-76 (अपराह्म) से अगले आदेशों तक के लिये प्रवर्तन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

न्पेन बक्सी, उप निदेशक

केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक .2 श्रप्रैल 1976

सं० ए-19030/1/76 प्रशा०-5—िनदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा श्री एस० एस० लाल, श्रार० एस० श्री०, पश्चिम रेलवे, बम्बई को दिनांक 22-3-1976 के पूर्वाह्म से श्राले श्रादेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में कान्छ तकनीकी श्रीधकारी (लेखा) के रूप में प्रतिनिय्क्ति पर नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल, प्रशासन अधिकारी (स्था०) केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 2 ग्रप्रैल 1976

सं०पी० एक०/ग्रार० 13-जी — श्री के० ए० रामासुन्नहाण्यम सचिव, केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधि-पति ग्रार० एस० सरकारिया द्वारा संचालित जांच श्रायोग में सचिव के पद के लिये चुने जाने पर 31 मार्च, 1976 के श्रपराह्म से केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग गें पद का कार्यभार छोड़ दिया।

श्रीनिवास, ग्रवर सचिव

्मरी)

**ंदर** प

र ल

त्याग

ED NO DODIETS

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्वपूर्व

नई दिल्ली 110001, दिनांक 5 🐲

सं० श्रो०-II-1041/76 स्थापन बीना बेंजामन ने उनके त्यागपत्र स् कनिष्ठ चिकित्सा श्रधिकारी, ग्रुपा तिवेन्द्रम, के पद का कार्यभार 16 दिया।

1

सं० फ्रो०-II-1036/75-स्थापना— (श्रीमती) एम० ग्ररुणा देवी को केन्द्री

(3569)

कनिष्ठ चिकित्सा ग्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप, में 5-3-76 पूर्वीह्न से 3 महीने की अवस्थ के लिये नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर (श्रीमती) एस० ग्ररुणा देवी को 2 बेस श्रस्पताल, के० रि० पु०दल, हैदराबाद में तैनात किया गया है।

सं० भ्रो०-II-1055/72-स्थापना—-राष्ट्रपति, श्री बी० रामाकृष्णा राव उप पुलिस श्रधीक्षक, 23 बीं बटालियन, के० रि० पु०दल का त्याग पन्न दिनांक 24-11-75 पूर्वाह्न से स्वीकार करते हैं।

> ए० के० बन्द्योपाध्याय, सहायक निदेशक (प्रशासन)

### प्रतिभृति कागज कारखाना

होशंगाबाद,दिनांक 26 मार्च, 1976

सं०7(36)/13145—इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या 7(36)/3834,दिनांक 24-6-75 एवं संख्या 7(36)/10023,दिनांक 23-12-75 के आगे श्री एस० टी० सिरसट को तदर्थ आधार पर 16-6-1976 तक की अवधि के लिये अगिनशमन अधिकारी के पद पर कार्य करने की अनुमति दी जाती है।

रा० विश्वनाथन, महा प्रबन्धक

# भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग भारत के नियन्त्रक तथा महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांकः 5 श्रप्रैलः 1976

सं० 231-सी० ए० 1/8-76--- प्रपर उप नियन्त्रक महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वाणिज्यिक) को सहषं पदोत्नत किया है तथा उन्हें लेखापरीक्षा अधिकारियों (वाणिज्यिक). के रूप में स्थानापन्न करने के लिये नियुक्त किया है और उन्हें प्रत्येक नाम के सामने कालम 3 में दिए गए कार्यालयों में लेखा परीक्षा अधिकारियों (वाणिज्यिक) के रूप में नीचे दिए गए कालम 4 में उल्लिखित तिथियों से प्रगला आदेश मिलने तक तैनात किया है।

श्रनुभाग श्रधिकारी (वाणिज्यिक) ≼ का नाम	पद्गेन्निति से पूर्व जिस कार्यालय में कार्यरत ये	कार्यालय जिस में पदोन्नति पर लेखा परीक्षा ग्रधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में तैनाती की गई	(बाणिज्यिक) के रूप में
. 1	2	3	4
सर्वेश्री :	7		
1. पी० टी० मैथ्यू	महालेखाकार केरल	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशकः विाणिज्यिक लेखा परीक्षा, मदासः ।	23-2-76 (पूर्वाह्म)
2. एच० सी० ग्रग्रवाल .	महालेखाकार, मध्य प्रदेश	महालेखाकार, उड़ीसा	26 <b>-</b> 2-76 (पूर्वाह्न)
3. ए० मुखर्जी	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, कलकत्ता।	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, कलकत्ता।	10-2-76 (पूर्वाह्म)
4. एम०एम० जोशी .	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, नई दिल्ली।	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, कलकत्ता।	27-2-76 (पूर्वाह्न)
5. बीनानाथ .	महालेखाकार, जम्मू तथा काक्ष्मीर ।	महा लेखाकार, जम्मू तथा काश्मीर ।	31-17-6 ( पूर्वाह्न)
<ul><li>छो०ए० जोजे .</li></ul>	महालेखाकार, केरल ।	सवस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वार्णिज्यक लेखा परीक्षा, मद्रास ।	26-2-76 (पूर्वाह्म)
7. वी०वी	सदस्य लेखा परीक्षा बीर्ड एवं पदेन निदेशकः वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, बंगलौर।		29-1-76 (पूर्वाह्न)
<i>\$</i>	महालेखाकार, केरल ।	महालेखाकार-II (तमिलनाडू), मद्रास	24-2-76 (पूर्वाह्र)

एस० डी० भट्टाचार्य उप निदेशक (वाणिज्यिक)

## श्रहमदाबाद, विनांक 2 श्रप्रैल 1976

सं० ऐस्ट (ए)/जी० ग्रो०/2(169)/23—महालेखाकार गुजरात ने ग्रधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री टी० एस० वेंकटरामन को दिनांक 18 मार्च, 1976 के पूर्वाह्म से लेकर ग्रगला ग्रादेश मिलने तक ग्रपर महालेखाकार, गुजरात, राजकोट के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा-ग्रीधकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपाकी है।

## दिनांक 5 अप्रैल 1976

सं० ऐस्ट (II)/जी० श्रां०/2(171)/49—महालेखाकार गुजरात के श्रधीन लेखा सेवा के स्थामी सदस्य श्री पी० वी० रामचन्त्रन को, दिनांक 18 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से लेकर श्रगला श्रादेश मिलने तक महालेखाकार, गुजरात, श्रहमदाबाद के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा श्रिधकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

के० एच० छाया, उप-महालेखाकार (प्रणा०) महालेखाकार गुजरात श्रहमदाबाद, का कार्यालय

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, श्रार्डनेंस फैक्टरियां भारतीय श्रार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा कलकत्ता, दिनांक 15 मार्च 1976

सं० 23/76/जी०—-राष्ट्रपति, निम्नलिखित श्रफसरों को जो 1-1-73 को, एडीशनल डी०जी० श्रो० एफ०/श्रार० डी० श्रो० एफ० के पद पर ६० 2250-125-2500 के संशोधन-पूर्व वेतनक्रम, जो श्रब 1-5-74 से ६० 3000/- (निश्चित) संशोधित हो गया है, में थे ६० 2500-125/2-2750 के वेतनक्रम, जो डी०डी० जी० श्रो० एफ०/जी०एम० (एस०जी०) के स्तर 1 का है, में 30 श्रप्रैल, 1974 तक या सेवा निवृत्ति की तारीख तक, जो भी पहले पड़े, वेतन लेने को प्राधिकृत करते हैं:—-

- 1. श्री एस० गजेन्द्र सिंह,
- 2. डा॰ एस॰ भट्टाचार्या,
- 3. श्री पी० राजागोपालन,
- 4. श्री धार० सी० वर्मा,
- 5. श्री ए० एम० जैकव।

सं० 24/76/जी०—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अफसरों को जो 1-1-73 को रु० 2000-125-2250 के वेतनक्रम में डी०डी०जी०भ्रो०एफ०/जी०एम० (एस० जी०) के पद पर थे, आई० भ्रो०एफ० एस० के डी०डी० जी० भ्रो० एफ०/जी० एम० (एस० जी०) के स्तर 1 पर रु० 2500-125/-2-2750 के वेतनमान में प्रत्येक के नामों के सामने दर्शायी गई तारीखों से नियुक्त करने हैं:---

- श्री सिरी राम, स्थायी डी॰डी॰जी॰ग्रो॰एफ॰/जी॰एम॰ (एस॰ जी॰)--1 जनवरी, 1973।
- 2. श्री श्री०पी० गुष्ता, स्थामी डी०डी०जी०श्रो०एफ०/जी० एम० (एस० जी०)—-1 जनवरी, 1973।

- 3. श्री के॰ एत॰ बजाज, स्थायी डी॰डी॰जी॰श्रो॰एफ॰/ जी॰एम॰(एस॰जी॰)--1 जनवरी, 1973।
- 4. श्री एस० सी० दास गुप्ता, स्थायी डी०डी०जी०म्रो०एफ०/ जी० एम० (एस० जी०)---1 जनवरी, 1973।
- 5. श्री स्नार० एन० दत्ता, स्थायी डी॰डी॰ जी॰स्रो॰एफ॰/ जी॰एम॰ (एस॰ जी॰)--1 जनवरी, 1973।
- 6. श्री सी० माधवन, स्थायी डी०डी०जी० श्रो०एफ०/जी० एम० (एस० जी०)---15 जनवरी, 1973।
- 7. श्री एस० डी० मलहोता, स्थायी डी०डी०जी०श्री०एफ०/ जी०एम० (एस० जी०)—-7 मार्च, 1973।

श्चार० एम० मजुमबार महानिदेशक, श्चार्डनेन्स फैक्टरिमां

# श्रम मंत्रालय खान सुरक्षा महानिदेशालय

धनवाद-826001, दिनांक 2 अप्रैस 1976

सं० 9(1)/76-प्रशासन-1/5287—1. हैदराबाद सह-क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री पी० एन० मेहता, खान सुरक्षा सह-निदेशक, (एम० एस० ई०), धनबाद ने ग्रपने धनबाद स्थित कार्यालय का पद भार 19 जुलाई, 1975, श्रपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा सह-निदेशक, हैदराबाद सह-क्षेत्र कार्यालय का पद भार 1 श्रगस्त, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

- 2. मुख्यालय, धनबाद स्थानान्तरित होने पर, श्री के०पाल, सह-निदेशक, हैदराबाद सहक्षेत्र, हैदराबाद , ने अपने हैदराबाद स्थित कार्यालय का पद भार 2 अगस्त, 1975 अपराह्म को त्याग कर खान सुरक्षा सह-निदेशक (परीक्षा), धनबाद, कार्यालय का पद भार 16 अगस्त, 1975 पूर्वाह्म को ग्रहण किया।
- 3. मुख्यालय, धनबाद स्थित सह-निदेशक, (एस० डी० 1) कार्यालय में स्थानान्तरित होने पर श्री लाल मोहन मिश्र, खान सुरक्षा सहनिदेशक (परीक्षा) ने ग्रपने कार्यालय का पदभार 19 ग्रमस्त, 1975 पूर्वाह्न को त्याग कर उसी समय उसी दिन खान-सुरक्षा सह-निदेशक (एस० डी०-1), कार्यालय का पद भार ग्रहण किया।
- 4. महडौल सह-क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री ए० टथुवा-मूर्ति खान सुरक्षा उप-निदेशक, नागपुर सह-क्षेत्र ने ग्रपने नागपुर स्थित कार्यालय का पद भार 1 श्रक्तूबर, 1975 श्रपराह्म को त्याग कर, उप निदेशक, महडौल सह-क्षेत्र कार्यालय का पदभार 10 श्रक्तूबर, 1975 श्रपराह्म को ग्रहण किया।
- 5. कोडरमा सहक्षेत्र, कोडरमा, स्थानान्तरिस होने पर श्री जे० पी० धर्मा, खान सुरक्षा उप-निदेशक, धनबाद सह-क्षेत्र सं० 3 धनबाद ने श्रपने कार्यालय का पद भार 5 श्रगस्त, 1975, श्रपराह्म को त्याग कर खान सुरक्षा उप-निदेशक, कोडरमा सह-क्षेत्र कार्यालय का पदभार 11 श्रगस्त, 1975 पूर्वाह्म को ग्रहण किया।

\$ . \$v

- 6. चाइब्रासा सहक्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री श्रीनिवास, खान सुरक्षा उप-निदेशक, (मुख्यालय), धनवाद ने श्रपने धनवाद स्थित कार्यालय का पद भार 31 मई, 1975 श्रपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा उप-निदेशक, चाइबासा, सहक्षेत्र कार्यालय का पद भार 12 जून, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।
- 7. बरौदा उप-क्षेत्र बरौदा स्थानान्तरित होने पर, श्री बी० एन० सिंह, खान सुरक्षा उप-निदेशक, चाइबासा सहक्षेत्र ने श्रपने चाइबासा स्थित कार्यालय का पदभार 30 जून 1975 श्रपराह्म को त्याग कर खान सुरक्षा उपनिदेशक बरौदा उपक्षेत्र कार्यालय का पद-भार 8 जुलाई, 1975 पूर्वाह्म को ग्रहण किया।
- 8. रामगढ़, उपक्षेत्र, रामगढ़ स्थानान्तरित होने पर श्री विनय महाजन, खान मुरक्षा उपनिदेशक, धनबाद सहक्षेत्र सं० 3 धनबाद, ग्रपने धनबाद स्थित कार्यालय का पद भार 12 सितम्बर, 1975 श्रपराह्म को त्याग कर खान सुरक्षा उप-निदेशक रामगढ़ उपन्क्षेत्र कार्यालय का पद भार 23 सितम्बर, 1975 पूर्वाह्म को ग्रहण किया।
- 9. परासिया उप क्षेत्र, परासिया स्थानान्तरित होने पर श्री एस० एन० मिश्र खान सुरक्षा उप निदेशक उरगांव सहक्षेत्र, उरगांव ने ग्रपने उरगांव स्थित कार्यालय का पद भार 13 ग्रगस्त, 1975 ग्रपराह्म को त्याग कर खान सुरक्षा उप-निदेशक परासिया उपक्षेत्र कार्यालय का पद भार 26 ग्रगस्त, 1975 पूर्वाह्म को ग्रहण किया।
- 10. उरगांव सहक्षेत्र, उरगांव स्थानान्तरित होने पर श्री एच० के० राय, खान सुरक्षा उप निदेशक, पूर्वीय क्षेत्र, सीतारामपुर ने श्रपने सीतारामपुर स्थित कार्यालय का पदभार 11 जुलाई, 1975 श्रपराह्म को त्याग कर खान सुरक्षा उप-निदेशक उरगांव सहक्षेत्र कार्यालय का पदभार 24 जुलाई, 1975 पूर्वाह्म को ग्रहण किया।
- 11. मध्य प्रदेश, नागपुर स्थानान्तरित होने पर श्री जी० एस० धालीयाल, खान सुरक्षा उप निदेशक, परासिया उप क्षेत्र, परासिया ने श्रपने परासिया स्थित कार्यालय का पदभार 26 ग्रगस्त, 1975 ग्रपराह्म को त्याग कर खान सुरक्षा उपनिदेशक (उथावसायिक प्रशिक्षण) नागपुर कार्यालय का पदभार 4 सितम्बर, 1975 पूर्वाह्म को ग्रहण किया।
- 12. नागपुर, सहक्षेत्र, नागपुर स्थानान्तरित होने पर श्री जे० एन० जोहरी खान सुरक्षा उप निदेशक (मुख्यालय) धनबाद ने श्रपने धनबाद स्थित कार्यालय का पदभार 2 जुलाई, 1975 धपराह्म को त्याग कर खान सुरक्षा उप निदेशक नागपुर सहक्षेत्र कार्यालय का पदभार 14 जुलाई, 1975 पूर्वाह्म को ग्रहण किया।
- 13. धनबाद सहक्षेत्र संख्या 3, धनबाद स्थानान्तरित होने पर श्री पी० के० सिंह, खान सुरक्षा उपनिदेशक, सहडौल सहक्षेत्र, सहडौल ने भ्रपने सहडौल स्थित कार्यालय का पदभार 29 सितम्बर, 1975 श्रपराह्म को त्याग कर खान सुरक्षा उपनिदेशक धनबाद सहक्षेत्र संख्या 3, धनबाद कार्यालय का पदभार 8 श्रक्तूबर, 1975 पूर्वीह्म की ग्रहण किया।

- 14. सहडौल सह-क्षेत्र, सहडौल स्थानान्तरित होने पर श्री श्रार० एस० गुप्ता, खान सुरक्षा उप-निश्चदेक, सीतारामपुर सहक्षेत्र संख्या 1 ने श्रपने सीतारामपुर स्थित कार्यालय का पदभार 1 जुलाई, 1975 ग्रपराह्म को त्याग कर खान सुरक्षा उप निदेशक सहडौल सहक्षेत्र कार्यालय का पदभार 14 जुलाई, 1975 पूर्वाह्म को ग्रहण किया।
- 15. सीतारामपुर सहक्षेत्र संख्या 1 स्थानान्तरित होने पर श्री सीताराम सिन्हा, खान सुरक्षा उप निदेशक धनबाद सहक्षेत्र संख्या 2 ने श्रपने धनबाद स्थित कार्यालय का पदभार 7 श्रगस्त, 1975 श्रपराह्म को त्याग कर खा० सु० उप निदेशक, सीतारामपुर सहक्षेत्र संख्या 1 कार्यालय का पदभार 19 श्रगस्त, 1975 पूर्वाह्म को ग्रहण किया।
- 16. धनबाद सहक्षेत्र संख्या 2 स्थानान्तरित होने पर श्री एस० सी० बतरा, खान सुरक्षा उपनिदेशक, सहडोल सहक्षेत्र सहडौल ने श्रपने सहडौल स्थित कार्यालय का पदभार 30 जुलाई, 1975 श्रपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा उपनिदेशक धनबाद सहक्षेत्र संख्या 2, धनबाद कार्यालय का पदभार 11 श्रगस्त, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।
- 17. उत्तरीय क्षेत्र (ज्यावसायिक प्रशिक्षण) धनबाद स्था-नान्तरित होने पर श्री टी० के० मजूमदार, खान सुरक्षा उप-निदेशक, उत्तरीय क्षेत्र, धनबाद ने श्रपने कार्यालय का पदभार 7 श्रगस्त, 1975 श्रपराह्म को त्यागकरखान सुरक्षा उप निदेशक (ज्यावसायिक प्रशिक्षण) कार्यालय का पदभार उसी दिन उसी समय ग्रहण किया।
- 18. धनबाद सहक्षेत्र संख्या 2 धनबाद स्थानान्तरित होने पर श्री स्नार० एस० मिश्रा खान सुरक्षा उपनिवेशक (व्याव-सायिक प्रशिक्षण) उत्तरीय क्षेत्र धनबाद ने श्रपने कार्यालय का पदभार 7 श्रगस्त, 1975 श्रपराह्म को त्यागकर उसी दिन उसी समय खान सुरक्षा उपनिदेशक, धनबाद सहक्षेत्र, संख्या 2 कार्यालय का पदभार ग्रहण किया।
- 19. मुख्यालय धनबाद स्थानान्तरित होने पर श्री विजय कुमार प्रारण, खान सुरक्षा उप-निदेशक, कोडरमा ने ग्रपने कोडरमा स्थित कार्यालय का पदभार 19 जुलाई 1975 ग्रपराह्न को त्याग कर खान उप निदेशक (एम० डी०) मुख्यालय धनबाद कार्यालय का पदभार 26 जुलाई, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।
- 20. सीतारामपुर सहक्षेत्र, संख्या 1 स्थानान्तरित होने पर श्री सुनील रंजन सरकार खान सुरक्षा उप-निदेशक (एम० डी०) मुख्यालय ने श्रपने धनबाद स्थित कार्यालय का पदभार 23 सिदम्बर, 1975 श्रपराह्म को त्याग कर खान सुरक्षा उप-निदेशक सीताराम पुर सहक्षेत्र संख्या 1 कार्यलय का पदभार 1 जन्वरी, 1976 पूर्वाह्म को ग्रहण किया।
- 21. सीतारामपुर सहस्रोत्न संख्या 3 स्थानान्तरित होने पर श्री पी० के० वर्मा, खान सुरक्षा उप निदेशक सीतारामपुर सह-क्षात्र संख्या । ने अपने सीतारामपुर स्थित कार्यालय का पदभार 1 जनवरी, 1976 पूर्वीह्म को <u>त्याम</u> कर उसी दिन उसी समय

खान सुरक्षाः उप निदेशक सीताराम पुर सहक्षीत्र संख्या 2 कार्यालय कापदभार ग्रहण किया।

- 22 उरगांव सहक्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री वाई० गोपाल कृष्णा, खान सुरक्षा उप निदेशक, चाईबासा सहक्षेत्र ने श्रपने चाईबासा स्थित कार्यालय का पदभार 2 सितम्बर, 1975 श्रपराह्म को त्यागकरखान सुरक्षा उपनिदेशक, उरगांव सहक्षेत्र कार्यालय का पदभार 15 सितम्बर, 1975 पूर्वाह्म को ग्रहण किया।
- 23. धनबाद सहक्षेत्र संख्या 3 स्थानान्तरित होने पर श्री एस० एन० ठक्कर, खान सुरक्षा उप-निदेशक, धनबाद सहक्षेत्र संख्या 2 ने अपने धनबाद स्थित कार्यालय का पदभार 13 अगस्त; 1975 अपराह्म को त्यागकर खान सुरक्षा उप निदेशक धनबाद सह क्षेत्र संख्या 3 कार्यालय का पदभार 14 अगस्त, 1975 पूर्वाह्म को ग्रहण किया।
- 24. दक्षिण पूर्वीय क्षेत्र रांची स्थानान्तरित होने पर श्री ग्रजीत कुमार दे, खान सुरक्षा उप निदेशक, सीतारामपुर, सड़-क्षेत्र संख्या 2 ने अपने सीतारामपुर स्थित कार्यालय का पदभार 22 सितम्बर, 1975 ग्रपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा उप-निदेशक, दक्षिण पूर्वीय क्षेत्र रांची कार्यालय का पदभार 29 सितम्बर, 1975 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।
- 25. धनबाद विद्युत मुख्यालय स्थानान्तरित होने पर श्री समीर कुमार विश्वास (गुप्त), खान सुरक्षा उप निदेशक (बिद्युत्), प्रभारी सीतारामपुर विद्युत सकिल ने प्रपने सीतारामपुर स्थित कार्यालय का पदभार 23 अक्तूबर, 1975 प्रपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा उप निदेशक (बिद्युत्) धनबाद मुख्यालय का पदभार 27 अक्तूबर, 1975 पूर्वाह्न को प्रहण किया।
- 26. पूर्वीय क्षेत्र सीतारामपुर स्थानान्तरित होने पर ी डी० एस० नीमी खान सुरक्षा उप निदेशक (यांत्रिकी) ने स्थान धनबाद स्थित कार्यालय का पदभार 24 स्रक्तूबर, 1975 स्थाराह्म को त्याग कर खान सुरक्षा उप निदेशक (यांत्रिकी) पूर्वीय क्षेत्र सीतारामपुर कार्यालय का पदभार 31 श्रक्तूबर, 1975 को ग्रहण किया।
- 27. कोडरमा सहक्षेत्र, कोडरमा स्थानान्तरित होने पर श्री गनेश प्रसाद गुप्त, खान सुरक्षा सहायक निदेशक, चाईबासा सहक्षेत्र, ने श्रपने चाईबासा स्थित कार्यालय का पदभार 13 जनवरी, 1976 को त्याग कर खान सुरक्षा सहायक निदेशक कोडरमा सहक्षेत्र कार्यालय का पदभार 19 जनवरी, 1976 प्रविद्वि को ग्रहण किया।
- 28. सीतारामपुर सहक्षेत्र संख्या 3 स्थानान्तरित होने पर श्री सुद्द कुमार सामंत, खान सुरक्षा सहायक निदेशक कोडरमा सहक्षेत्र ने श्रपने कोडरमा स्थित कार्यालय का पदभार 20 दिसम्बर, 1975 श्रपराह्म को त्याग कर खान सुरक्षा सहायक निदेशक, सीतारामपुर सहक्षेत्र संख्या 3 कार्यालय का पदभार 29 दिसम्बर, 1975 पूर्वाह्म को ग्रहण किया।

श्याम शिव प्रयाद,
 खान पुरक्षा महानिदेशक

पूर्ति विभाग पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 मार्च 1976

सं० प्र०-1/1(823)—स्थामी स्रवर प्रगति श्रक्षिकारी श्रौर पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कानपुर के कार्यालय में स्थाना-पन्न सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) श्री एस० के० में त्रा, दिनांक 31 जनवरी, 1976 के स्रपराह्म से निवर्तन स्रायु (58वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

## दिनांक 30 मार्च 1976

सं० प्र०-1/1 (1044) — महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्बारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई विल्ली में अवर प्रगति अधिकारी श्री बलबीर सिंह को दिनाक 17 मार्च, 1976 के पूर्वीह्न से तथा ग्रागामी भ्रादेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (पूर्ति) (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ ग्राक्षार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री बलबीर सिंह की सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः श्रस्थायी तथा उच्च न्यायालय दिल्ली में श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारादायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी ।

कें० एल० कोहली, उप निदेशक (प्रणासन), कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

(प्रणासन शाखा-6) नई दिल्ली, दिनांक 1 श्रप्रैल 1976

सं० ए-17011/1/71-प्र०-6--पूर्ति तथा निपटान महा-निदेशालय के अधीन उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली में स्थायी भंडार परीक्षक (वस्त्न) तथा स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्न) श्री भ्रार० एम० राय चौधरी, दिनांक 29-2-76 (अपराह्न) से निवर्तन ग्रायु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

> सूर्य प्रकाण, उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात भ्रौरखान मंत्रालय (खानविभाग)

भारतीयखान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 30 मार्च 1976

सं ए/19011 (133) / 72-स्थापना-ए--हिन्दुस्तान जस्त सीमित में भूषिज्ञानी के पद पर नियुक्ति के लिये चुन लिये जाने पर इस विभाग के कनिष्ठ खनन भूषिज्ञाणी श्री जे० सी० खारे को भारतीय खान ब्यूरो में उनके कर्तव्यों से दिनांक 9 जून, 1975 के श्रपराह्न से मुक्त कर दिया गया है। श्री खारे का भारतीय खान ब्यूरो के किसी पद पर पुनर्यहणाधिकार नहीं रहेगा।

ए० के० राघवाचारी वरिष्ठ प्रशासन स्रधिकारी, कृते नियन्त्रक

# भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय देहरादून, दिनांक 2 श्रप्रैल 1976

सं० ई 1-5063/698-मेंप क्यूरेटर—श्री ए० बी० सरकार, स्थानापन्न श्रधीक्षक, सिंकल कार्यालय, को मेंप क्यूरेटर (सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग 'बी') के पद पर 550-25-750-द० रो०-30-900 रु० के वेतनमान में, पूर्वी सिंकल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, कलकत्ता में स्थानान्तरण प्रतिनियुक्ति पर 11 मार्च, 1976 पूर्वाह्न से तीन साल तक की श्रवधि के लिये स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

#### विनांक 3 अप्रैल 1976

सं० ई 1-5064—श्री टी० थन प्रपन, प्रधिकारी सर्वेक्षक के हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कन्ट्रस्कणन लिमिटेड (भारत सरकार का प्रतिष्ठान) में डिविजनल इंजीनियर (सिविल) के पद परस्थावी रूप से नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप इस विभाग में प्रधिकारी सर्वेक्षक के पद से उनका त्याग पत्न स्वीकार किया जाता है तथा भारतीय सर्वेक्षण विभाग में प्रधिकारी सर्वेक्षक के स्थायी पद पर उनके ग्रहणाधिकार को 20 मार्च, 1976 से समाप्त किया जाता है।

#### दिनांक 5 अप्रैल 1976

सं० ई 1-5065/594-प्रबन्धक---श्री तारापद मुखर्जी, तक्षनीकी सहायक (ओडिनेरी ग्रेड) को मानचित्र प्रकाशन निदेशालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहुरादून, में सहायक प्रबन्धक, मानचित्र पुनरुत्पादन (सा०के० से०श्रेणी 'बी') के पद पर 650/- रु० प्रतिमाह वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में 23 फरवरी, 1976 पूर्वाह्र से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

कर्नल के० एल० खोसला, भारत के महासर्वेक्षक; नियुक्ति प्राधिकारी

# सूचना और प्रसारण मंत्रालय फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 1 श्रप्रैल 1976

सं० ए-31014/2/75-सिब्बन्दी-1--फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माताने श्री टी० ग्रार० मधोक स्थायीवत रेकॉडिस्ट को फिल्म प्रभाग में स्थायी मुख्य रेकॉडिस्ट के पद पर नियुक्त किया है।

> ग्रार० एस० शर्मा, प्रशासकीय ग्रधिकारी, कृते प्रमुख निर्माता

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1976

सं० ए-32013/1/76-एडिमिन-1—परिचर्या श्रिधिकारी के पद पर श्रपने प्रत्यावर्तन के फलस्बरूप श्रीमती श्रार० के० सूद ने 28 फरवरी, 1976 के अपराह्म को स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशालय में उपचर्या सलाहकार के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सूरज प्रकाण जिन्दल, उप-निदेशक प्रशासन

## भाभा परमाणु स्रनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 12 फरवरी 1976

सं० पी० ए०/73(13)/68-प्रार-4(I) → इस प्रनुसंधान केन्द्र के 12 जून, 1974 की प्रिधिसूचना सं० पी० ए०/73 (13)/68-प्रार-4/74-1 के कम में, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक कुमारी कल्पना दत्तावैय खानापूरकर के इस अनुसंधान केन्द्र में अस्थायी रूप से भौतिक चिकित्सक की अंश-कालिक नियुक्ति काल को 1 अप्रैल, 1975 के पूर्वाह्म से 30 सितम्बर, 1976 (अपराह्म) तक बढ़ाते हैं।

सं० पी० ए०/73(13)/68-म्रार-4(II) → -इस म्रतुसंधान केन्द्र की 21 जून, 1974 की श्रिधसूचना सं०पी०ए०/73(13)/68-म्रार०4/-(II) के कम में, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र में ग्रस्थायी रूप से डा० कीर्तिकुमार लक्ष्मीचन्द्र शाह के ई० एन०टी० सर्जन के रूप में ग्रंश-कालिक नियुक्ति काल को 1 श्रप्रैल, 1975 के पूर्वाह्म से 30 सितम्बर, 1976 (ग्रपराह्म) तक बढ़ाते हैं।

सं०पी० ए०/73(13)/68-न्नार-4(III)—इस म्रानुसंधान केन्द्र की 12 जून, 1974 की म्राधिसूचना सं०पी० ए०/73(13)/ 68-म्रार-4/74-III के कम में भाभा परमाणु म्रानुसंधान केन्द्र के निदेशक इस म्रानुसंधान केन्द्र में ग्रस्थाई रूप से श्री रमेशचन्द भगवानदास म्ररोरा के ग्रंश-कालिक नियुक्ति काल को 1 म्रप्रैल, 1975 के पूर्वाह्म से 30 सितम्बर, 1976 (म्रपराह्म) तक बढ़ाते हैं।

> पी० उन्नीकृष्णन्। उप स्थापना श्रक्षिकारी (भ)

# परमाणु ऊर्जानिभाग ऋय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 10 मार्च 1976

सं० डी० पी० एस०/ए/32011/2/75-स्थापना-3673— निदेशक, ऋष एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, इस निदे-शालय, के ट्राम्बे स्थित केन्द्रीय भंडार यूनिट के स्थायी भंडारी श्री मुलियप्पुरथ राजू को, श्री के० चन्द्रशेखरन, सहायक भंडार श्रीधकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 17-3-1976 से 15-5-1976 तक उसी निदेणालय में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार श्रीधकारी नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/2/75-स्थापना-3665--परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं मंडार निदेणक, इस निदेशालय के ट्राम्बे स्थित केन्द्रीय मंडार यूनिट के स्थायी
भंडारी श्री एम० डी० कस्णाकरण नायर को 23-2-1976 से
26-3-1976 तक उसी निदेशालय में श्री टी० सी० जार्ज,
सह्यक भंडार ग्रिधकारी जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई, के
स्थान पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-401000-द० रो०-40-1200 स्पर्य के वेतनमान में स्थानापन्न रूप
से सह्यक भंडार ग्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ, प्रशासन श्रधिकारी

मद्रास पमाणु विद्युत् परियोजना कलपन्कम-603102, दिनांक 27 फरवरी 1976

सं० 18(60)/75-भर्ती—निवेशक, विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, श्रस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' श्री सी० वी० हरिकृष्णमा राजू को 1 फरवरी, 1976 से श्रगले श्रादेश तक इस परियोजना में वैज्ञानिक श्रधिकारी/इंजीनियर ग्रेड-एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० 18(60)/75-भर्ती→निदेशक, विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग निम्नलिखित ग्रस्थायी पर्यवेक्षकों को उनमें से प्रत्येक के नाम के ग्रागे लिखी तारीख से इस परि-योजना में ग्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक ग्रधिकारी/इंजीनियर 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं:--

1. श्री एम० सक्ताराय मोहम्मद 1-2-1976

श्री भ्रो० एम० मोहन राव 1-2-1976

श्री सी० राममूर्ति 2-2-19761

## दिनांक 8 मार्च [1976

सं० 18 (64)/75-भर्ती—निदेशक, विशुत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, ग्रस्थायी पर्यवेक्षक श्री वी० भास्करन को 1 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्म से इस परियोजना में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक ग्रधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

के० बालकृष्णन, प्रशासन श्रधिकारी

# तारापुर परमाणु बिजलीघर

तारापुर, दिनांक 13 मार्च 1976

सं० टी०ए०पी० एस०/प्रशासन-735-ए---परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य श्रधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर के स्थायीवत् वैयक्तिक सहायक, श्री श्रार० बार० बन्दूनी को 8 मार्च, 1976 के पूर्वाह्म से 6 श्रप्रैल, 1976 तक उसी बिजलीयर में तदर्थ श्राधार पर सहायक कार्मिक श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

डी० वी० भरकले, प्रशासन अधिकारी-III

## भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400 008, दिनांक 3 श्रप्रैल 1976

सं० 05000/एस-217/1984→~भारी पानी परियोजनाश्रों के, विशेष कार्य-श्रधिकारी, भाभा परमाणु अनुसंघान केन्द्र के उप-श्रधिकारी श्री पी० एस० सवाई, को भारी पानी परियोजना (त्तोकारिन) में 10 मार्च, 1976 (पूर्वाह्न) से 120 दिन या श्रम्नि श्रधिकारी की नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तक के लिये स्थानापन्न रूप से स्टेशन श्रधिकारी, नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीति, वरिष्ठ प्रशासन ग्रधिकारी

## ूपर्यटन **ग्रो**रनागर**विमान**न मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 2 श्रप्रैल 1976

सं० ई(1) 05485—विधशालाश्रों के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के श्रधीन मौसम कार्यालय नासिक, में व्यावसायिक सहायक श्री एम० डी० कुंद्रा को 15-3-76 के पूर्वाह्म से 30-4-76 तक 47 दिन की श्रवधि के लिये स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषक्र के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री कुंद्रा को वेधशालाओं के महानिदेशक, नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय में स्थानान्तरित कर दिया गया है जहां पर उन्होंने 15-3-76 के पूर्वाह्म से स्थानापन्त सहायक मौसम विशेषज्ञ के के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

> जी० श्रार० गुप्ता, मौसम विशेषज्ञ कृते वेधशालाक्यों के महानिदेशक

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च, 1976

सं०ए 31014/2/75 ई० सी०--महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित श्रीधकारियों को 1 मई, 1975 से नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संठगन में सहायक तकनीकी श्रीधकारी के ग्रेड़|में स्थायी श्रीधार पर नियुक्त किया है।

ऋम सं० और नाम

- 1, श्री एच० एल० धीमन
- 2. श्री वी० सी० रेड्डी
- 3. श्रीबी० कार
- 4. श्री डी० के० शर्मा

- 5. श्री पी० एम० पी० ग्रदियोंदी
- 6. श्री डी०पी० म्रग्निहोत्री
- श्री बी० रामाक्रष्णन
- 8. श्री के० एन० के० पोद्वाल
- 9. श्री वाई० वी० राव
- 10. श्री के०पी० ग्रलध
- 11. श्री एस० ग्रार० वेंकटरमण
- 12. श्री ए० के० टिक्क्
- 13. श्री डी० बी० सूद

## दिनांक 31 मार्च 1976

सं० ए०-38013/1/76 ई० सी०— निवर्तन श्रायु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर नियन्त्रक, संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री हरीणचन्द्र, सहायक तकनीकी श्रीधकारी ने 1-3-1976 (पूर्वाह्म) को श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० ए०-32014/2/75-ई० सी०——महानिदेशक, नागर विमानन ने निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को उन के नामों के सामने दिखाई गई तारीखों से तथा श्रगले श्रादेश होने तक नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में स्थानापन्न रूप में सहायक तकनीकी श्रिधकारी के पद पर नियुक्त किया हैं।

ऋ० नाम सं०	नियुक्ति की तारीख	तैनाती स्टेशन
1. श्री रायचन्द		वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता
2. श्रीसी० एस० पाल	1-3-1976 (पूर्वाह्न)	वैमानिक संचार स्टेशन बंगलूर

सं० ए०-38012/1/75-ई० सी०——ितवर्तन स्रायु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर महा-निदेशक नागर विमानन के कार्यालय के श्री के० ग्रंजैया उप-निदेशक, संचार ने 1 मार्च, 1976 (पूर्वाह्न) को ग्रपने पद का कार्यभार स्थाग दिया है।

> हरबंस लाल कोहली, उपनिदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

## नई दिल्ली, दिनांक 1 श्रप्रैल 1976

सं० ए०-12025/1/75 हिन्दी—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री सूरज पाल शर्मा को 20-3-1976 (अपराह्म) से, तथा श्रगले आदेश होने तक नागर वमानिन विभाग में तदर्थ आधार पर हिन्दी श्रिधकारी के पद पर नियुक्त किया है श्रीर उन्हें क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

हरबंस लाल कोहली, उप निदेशक प्रशासन

🕜 ं विंदेशं संचार सेवा

बम्बई--400001, दिनांक 2 श्रप्रैल 1976

सं 1/82/76-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा स्थिचिंग समूह बम्बई के स्थानापन्न तकनीकी सहायक श्री सी० एन० एन० नायर को प्रत्पकालिक रिक्त स्थान पर 19-1-1976 से लेकर 21-2-1976 (दोनों दिन समेत) तक की प्रविध के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप में सहायक श्रीभयन्ता निथुक्त करते हैं।

सं ० 1/43/76 स्था०—निवर्तन की श्रायु के हो जाने पर पूना गाखा के स्थायी सहायक श्रिभयन्ता श्री श्रार० जी० मनकीकर 29 फरवरी 1976 के श्रपराह्म से सेवा निवृत्त हो गये।

सं० 1/359/76 स्था०—बिदेण संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्वारा स्विचिंग समूह बम्बई के स्थानापन्न तक-नीकी सहायक, श्री बी० एस० एन० मूर्ति को श्रल्पकालिक रिक्त स्थान पर 1-1-76 से लेकर 9-2-76 (दोनों दिन समेत) तक की श्रवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक श्रीभयन्ता नियुक्त करते हैं।

सं 1-98/76-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के स्थानापन्न तकनीकी सहायक, श्री जी० एस० चट्टवाल की अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 1-12-75 से लेकर 6-2-76 (दोनों दिन समेत) तक की प्रविध के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविन्द नायर, उप निदेशक (प्रशा०) कृते महा निदेशक

# रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च. 1976

सं० 75/ई० बी०/1506—एतब्द्वारा सामान्य सूचना के लिये यह ग्राधसूचित किया जाता है कि 1-1-1976 से द्रोणाचलम (सहित) से गुन्तकल्लु (को छोड़कर) खण्ड को दक्षिण मध्य रेलवे के हुबली मण्डल के ग्राधकार क्षेत्र से उस रेलवे के विजयवाड़ा मण्डल में अन्तरित किया गया है। अब विजयवाड़ा मण्डल का ग्राधकार क्षेत्र गुन्तकल्लु (छोड़कर) तक बढ़ जायेगा ग्रौर उसी के ग्रानुरूप हुबली मण्डल का ग्राधकार क्षेत्र क्षेत्र मण्डल का ग्राधकार क्षेत्र क्ष

यह समायोजन इस क्षेत्र की परिचालनिक कुशलता में सुधार के लिये रेल प्रशासन के दिन प्रतिदिन के कार्य के हित में किया गया है।

सं० 75/ई० बी०/1503—सार्वजनिक सूचना के लिये यह श्रिधसूचित किया जाता है कि दक्षिण पूर्व रेलके बाल्टेयर मण्डल के कान्ताबंजी (रहित) रायपुर खण्ड को दिनांक 1-2-1976 से इसी रेलवे के बिलासपुर मण्डल में ग्रन्तियत कर दिया गया है।

> श्चमृत लाल गुप्त, सचिव, रेलवे बोर्ड एवं भारत सरकार के पदेन संयुक्त सचिव

#### उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1976

सं० 7— इस रेलवे के निम्नलिखित चिकित्सकों को सहायक चिकित्सा श्रिधकारी दर्जा II वेसनमान 350-900 (श्रा०वे०) के रूप में इस रेलवे पर 1-1-1966 से श्रनन्तिम रूप से स्थायी कर दिया गया हैं:—

- 1. डा० (श्रीमती) शन्नो देवी श्रग्रवाल
- 2. डा० (श्रीमती) के० खेड़ा।

वी० पी० साहनी, महाप्रबन्धक

कम्पनी कार्य विभाग

(कम्पनी लॉबोर्ड)

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी श्रिधिनियम 1956 दी आइडियल कॉफी एग्निकल्चरल डवॅलपमेंट कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 29 मार्च 1976

सं० 1231 टी० (560) — कम्पनी श्रिधिनयम की धारा 560 उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर दी आइंडियल कॉफी एग्निकल्चरल डवेलपमेंट कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्यत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

स्रो० पी० जैन, कम्पनी रजिस्ट्रार स्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी श्रधिनियम 1956 की धारा 445 (2) के श्रधीन सूचना मैसर्स सौराष्ट्र श्रायरन फाउन्ड्री एण्ड स्टील वर्क्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

ग्रहमदाबाद-380009, दिनांक 1 भ्रप्रैल 1976 सं० /672/लीक्सीडेशन—कम्पनी श्ररजी नं० 66/1975 में श्रहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 27-1-1976 के श्रादेश द्वारा मैसर्स सीराष्ट्र श्रायरन फाउन्ड्री एण्ड स्टील वर्षसं प्राईवेट लिमटेड का परिसमापन का श्रादेश दिया गया है।

> जे० गो० <mark>गाथा,</mark> प्रमंडल पंजीयक, गुजरात

#### ग्रायकर अपील ग्रधिकरण का कार्यालय

बम्बई-20, विनांक 18 मार्चे 1976

सं० एफ० 48-एडी० (एटी०)/76—श्री एस० जयरमण, विरिष्ठ आमुलिपिक, श्रायकर श्रपील, श्रीधकरण, बम्बई न्यायपीठ बम्बई, की श्रायकर श्रपील श्रिधकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में श्री बी० एम० दुरेजा के स्थान पर, श्रस्थायी क्षमता में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक प्रजीकार के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान पर 15मार्च, 1976 (पूर्वाह्म) से 30 श्रप्रैल, 1976 (श्रपराह्म) तक नियुक्त किया जाता है।

सं० एफ ० 48 एडी (एटी) / 76--श्री एस० व्ही० नारायणन, विरुट श्राशुलिपिक, श्रायकर श्रपील, श्रधिकरण हैं बराबाद न्यायपीट, हैं दराबाद को श्रायकर श्रपील श्रधिकरण, कलकत्ता न्यायपीट, कलकत्ता में श्री बी० एन० शुक्ल के स्थान पर श्रस्थायी क्षमता में तर्द्ध श्राधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक पंजीकार के पद पर 650-30-740-35-810-द०-रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान पर 11-3-76 (पूर्वाह्म) से छ: महीने के लिये या तब तक जब तक कि उस पद के लिये संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा नियमित नियुक्ति नहीं हो जाशी है, जो भी शीधतर हो नियुक्त किया जाता है।

2. श्री यू० एन० कृष्णमूर्ति, वरिष्ठ ध्राष्ट्र लिपिक श्रायकर प्रपील श्रधिकरण, हैदराबाद न्यायपीट, हैदराबाद को श्रायकर ध्रपील, श्रधिकरण, जयपुर न्यायपीट, जयपुर में श्री एन० के० चौरसिया के स्थान पर श्रस्थायी क्षमता में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक पंजीकार के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 क० के वेतनमान पर 11-3-1976 (पूर्वाह्म) से छः महीने के लिये या तब तक जब तक कि उस पद के लिये संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा नियमित नियुक्त नहीं हो जाती, जो भी श्रीष्ट्रतर हो, नियुक्त किया जाता है।

हरनाम शंकर, ग्रध्यक्ष

# कार्यालय ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली-5 नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1975

आदेश |
सं० जुरि० दिल्ली/5/75-76/13090—म्प्रायकर म्रायुक्त, दिल्ली-1 नई दिल्ली द्वारा दिनांक 15-2-71 को जारी की गई म्रिधसूचना संख्या ई०/1/जुरि-दिल्ली/70-71/म्रार०-9/14588 में म्रांशिक संशोधन करते हुए तथा म्रायकर म्रिधनियम 1961 (1961 का 43वाँ) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त भ्रन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई म्रनसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट म्रायकर श्रिधकारी उक्त 2—46GI/76

श्रनुसूची के कालम 3 में निर्दिष्ट व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गी, श्राय या श्राय के वर्गी श्रीर मामलों या मामलों के वर्गी के संबंध में श्रपने कार्य करेंगे। इनमें वे व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, श्राय या आय के वर्ग, मामले या मामलों के वर्ग शामिल नहीं होंगे जो उक्त श्रिधिनियम की धारा 127 या 124 की उपधारा (1) के श्रंतर्गत किसी श्रन्य श्रायकर श्रिधकारी को सौंपे गए हों या जो इसके बाद सौंपे जाएँ।

यह म्रादेश 1-9-75 से लागू होगा।

## श्रनुस<del>ूघी</del>

1 2 3 4 (क) ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जो इस श्रनुसूची दिल्ली नगर निगम के वार्ड संख्या 8, 1. ग्रायकर ग्रधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-4(6), एडी-के कालम संख्या 4 में बताए गए किसी 17, 18, 19, 20, 21 श्रीर 22 के शनल, नई दिल्ली भी क्षेत्र में कोई व्यापार करता श्रंतर्गत श्राने वाले क्षेत्र श्रर्थात् दरियागंज, हो या जिसके व्यवसाय या कारोबार मटिया महल, छत्ता लाल, मियां लाल का मुख्य स्थान उक्त क्षेत्र में हो दरवाजा, सूईवालां, कुचा पातीराम तथा कलां मस्जिद । या जो ऐसे किसी क्षेत्र में रहता हो जिसका नाम अंग्रेजी के 'ए' से लेकर 'श्राई' तक (दोनों को मिलाकर) शुक्त होता हो। (ख) उपर्युक्त भद (क) के भंतर्गत आने वाली फर्मों के सांझेदार सभी व्यक्ति । (क) ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जो इस श्रनु-श्रधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-4(2), नई दिल्ली सुची के कालम संख्या 4 में बताए गए किसी भी क्षेत्र में कोई व्यापार करता हो या जिसके व्यवसाय या कारोबार का मुख्य स्थान उक्त क्षेत्र में हो या जो ऐसे किसी क्षेत्र में रहता हो जिसका नाम अंग्रेजी के 'जे', 'के' तथा 'एल' (तीनों को मिलाकर) गुरू होता हो। (ख) उपर्यक्त मद (क) के भ्रंतर्गत भ्राने वाली फर्मों के सांझीदार सभी व्यक्ति । **डिस्ट्रिक्ट-4(3)**, (क) ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जो इस प्रनु-श्रधिकारी, 3. श्रायकर सूची के कालम-4 में बताए गए नई विल्ली किसी भी क्षेत्र में कोई व्यवसाय या कारोबार का मुख्य स्थान उक्त क्षेत्र में हो या जो ऐसे किसी क्षेत्र में रहता हो जिसका नाम अंग्रेजी के 'एम' से लेकर 'क्यू' तक (दोनों को मिलाकर) किसी भी श्रक्षर से शरू होता हो। (ख) उपर्युक्त मद (क) के अंतर्गत भ्राने वाली फर्मों के साझेधार सभी व्यक्ति ।

1 2 3 4

- 4. श्रायकर श्रधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-4(6), नई दिल्ली . . .
- डिस्ट्रिक्ट-4(6), (क) ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जो इस ग्रनु-सूची के कालम सं० 4 में बताए गए किसी भी क्षेप्त में कोई व्यवसाय या कारोबार का मुख्य स्थान उक्त क्षेत्र में हो या ऐसे किसी क्षेत्र में रहता हो जिसका नाम अंग्रेजी के 'ग्रार' से लेकर 'जेड' तक (दोनों को मिलाकर) किसी भी ग्रक्षर से गुरू होता हो।
  - (ख) उपर्युक्त मद (क) के श्रंतर्गत श्राने वाली फर्मों के सांझीदार सभी व्यक्ति।

दिल्ली नगर निगम के बार्ड संख्या 8, 17, 18, 19, 20, 21, तथा 22 के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र ग्रर्थात् दिखागंज, मटिया महल, छेत्ता लाल, मियां लाल दरवाजा, सूई वालां, कूचा पातीराम तथा कलां मस्जिद।

## दिनांक 31 म्रक्तूबर 1975

#### श्रायकर

सं० जुरि०-दिल्ली/XX/5/75-76/18863---श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 को उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गिक्तयों तथा इस संबंध में प्राप्त ग्रन्य सभी गिक्तयों का प्रयोग करते हुए ग्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निर्देण देते हैं कि 1-11-75 से निम्नलिखित नया सर्किल (वृत्त) बनाया जायेगा।

# 1. डिस्ट्रिक्ट-4(8) (श्रतिरिक्त)।

ए० सी० जैन, म्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली- 5 नई दिल्ली

भ्रायकर स्रायुक्त का कार्यालय, श्रान्ध्र प्रवेश I श्रोर II हैदराबाव, दिनांक 6 मार्च 1976

#### श्रायकर

सं० 132 [सा० प्र० सं० 2/76 (न)]—-श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 117 की उप-धारा 2 में दी शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रायकर श्रायुक्त, श्रान्ध्र प्रदेश II, हैवराबाद ने निम्नलिखित श्रायकर निरीक्षक को स्थानापन्न श्रायकर श्रिधकारी, वर्ग II के पद पर समय मान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-

35-880-40-1000-द० -रो०-40-1200 में उनके नाम के सामने लिखी तारीख से अगले आदेश तक नियुक्त किया है :---

المراقب وبالمراقب المراقب المراقب والمراقب والمر			
कमांक उन्नति का नाम	पदस्थापना	कार्यग्रहण तारी <b>ख</b>	
1. श्री सी० वेणुगोपाल	म्रायकर भ्रधिकारी, के वार्ड, विजयवादा	6-1-1976	

#### 2. वे नोट करें :----

- (i) कि उनकी पदोश्नति विशुद्ध श्रस्थाई है;
- (ii) कि खाली जगहों के पुनरीक्षण में यदि पाया गया कि यह पदोन्नति/नियुक्ति मौजूदा जगहों से ज्यादा है तो उनकी पदावनित होगी;
- (iii) कि भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्य विभाग), नई दिल्ली की श्रिधसूचना सं० 63/एफ०-सं० 22/27/59/प्र० VI, ता० 20-11-1963 के नियमानुसार वे दो साल परिवीक्षा में रहेंगे। यदि जरूरी समझा गया तो परिवीक्षा समय आगे भी बढ़ेगा। उपर्युक्त समय में सेवा निस्पादन श्रसन्तोषप्रद होने पर उनकी पदावनति भी हो सकती है।

वे भ्रायकर ग्रधिकारी के पद पर उनके नाम के सामने लिखी तारीख से लिखित कार्यालय में पदस्थापित हैं।

के० रामा राव, श्रायकर श्रायुक्त, श्रांध्र प्रदेश II, हैदराबाद

आयकर आयुक्त का कार्यालय, म्रान्ध्र प्रदेश III. हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1976 .

#### भ्रायकर

सं० 133 [सा० प्र० सं० 2/76 (न) ]——ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 117 की उप-धारा 2 में दी शिक्तियों का प्रयोग करते हुए ग्रायकर श्रायुक्त, श्रान्ध्र प्रवेश III, हैवराबाद ने निम्नलिखित श्रायकर निरीक्षक को स्थानापन्न श्रायकर श्रिधिकारी, वर्ग II के पव पर समय मान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-दरो 40-1200 में उनके नाम के सामने लिखी तारीख से श्रगले श्रादेश तक नियुक्त किया है:——

ऋमांक	उन्नति का नाम	पदस्थापना	कार्यग्रहण तारीख
1. श्री सी० भीमसेन राव		ग्रायकर ग्रधिकारी, ख-वार्ड ,कडप्पा ।	9-12-1975

## 2. वे नोट करें :---

- (i) कि उनकी पदोन्नति विणुद्ध अस्थाई है;
- (ii) कि खाली जगहों के पुनरीक्षण में यदि पाया गया कि यह पदोन्निति/नियुक्ति मौजूदा जगहों से ज्यादा है तो उनकी पदावनित होगी;
- (iii) कि भारत सरकार, वित्त मंद्रालय (राजस्व विभाग), नई दिल्ली की श्रिधिसूचना सं० 63/एफ०-सं० 22/27/59/प्र० VI, ता० 20-11-1963 के नियमानुसार वे दो साल परिकीक्षा में रहेंगे। यदि जरूरी समझा गया तो परिकीक्षा समय श्रागे भी बढ़ेगा। उपर्युक्त समय में सेवा निस्पादन श्रसन्तोषप्रद होने पर उनकी पदावनित भी हो सकती है।

वे ग्रायकर ग्रधिकारी के पद पर उनके नाम के सामने लिखी तारीख से लिखित कार्यालय में पदस्थापित हैं।

एन० सुब्बा राव, आयकर आयुक्त आन्ध्र प्रदेश III, हैदराबाद प्रारूप ग्राई०टी०एन०एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज बिहार, पटना पटना, दिनांक 2 मार्च 1976

निर्देश सं० III-148/श्रर्जन/75-76/2263.--यतः मुझे, श्रजय कुमार सिंहा

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

और जिसकी संवदस्तावेज संव 6656 में है तथा जो पचुग्रा, थाना-बड़िया में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखीसराम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख 12-8-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और यह कि ग्रन्तरक (भ्रन्तरकों)
भीर ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण
लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या घन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात: ---

- श्री राम श्रीतार सिंह बल्द श्री राणो सिंह, सा०-मोहन पुर थाना एवं जिला-बेगुसराय (श्रन्तरक)
- 2. श्री सत्य नारायण सिंह एवं श्री राम मूर्ति सिंह सा०— वोलीपुर, थाना बड़ हिया जिला मुंगेर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की ग्रविध या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
  ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनु सूची

जमीन 15 बीघा 6 कट्ठा 15 धुर जो पथुश्रा धाना बड़हिया जिला--मुंगेर में है जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 6656 दिनांक 12-8-75 में पूर्ण है।

> ग्रजय कुमार सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 2-3-1976

प्रारूप आई० टी० एन० एस० -----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, बिहार, पटना पटना, दिनांक 1 श्रप्रैल 1976

निर्वेण तं० III 149/ग्रर्जन/75-76/2531----यतः, मुझे, अजय कुमार सिंहा ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०-265, प्ली० सं० 264 है तथा जो झरिया में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुंसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय धनवाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 2-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग की उप-धारा (1) के म्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्यात्:—

- ा. श्रीमती पुष्पा देवी जैन जौजे श्री हरचन्द मल जैन झरिया, धनबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्री बनारसी लाल श्राग्रवाल वल्द स्व० भगवान दास अग्रवाल एवं श्री मदन लाल अग्रवाल वल्द श्री रामधान श्रिग्रवाल झरिया, धनवाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसकद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन रकवा 3 कट्ठा 10 छटांक के साथ मकान साकिन झरिया प्लौट सं०-264 दो सं० 265 इत्यादि जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 9929 दिनांक 2-8-75 में पूर्ण है।

> श्चजय कुनार सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 1-4-1976

प्ररूप माई०टी०एन०एस०--

ग्नायकर ग्रिप्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) ंके अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बिहार, पटना पटना, दिनांक । श्वप्रैल 1976

निर्देश सं । III-150/ग्रर्जन/75-76/2530—-यतः, मुझे, अजय कुमार सिंहा, निरीक्षी सहायक र्ग्नायकर ग्रायुक्त, ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० म्यु० हो० सं० 117 श्रीर 118 है, तथा जो देवघर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीध नियम 1908 (1908 का 16) के श्रीम 11-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत 'उक्त ग्रधिनियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी थ्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उम्रत श्रिधिनियम', या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव 'उन्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-म के श्रनुसरण में, में, 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथित्:—-

- 1. श्री सोवेन्द्र लाल दे, श्री देवेन्द्र लाल दे, श्री ब्रजेन्द्र लाल दे, श्री राजेन्द्र लाल दे, श्रीमती पदमा दे, श्रीमती ब्रजोती दे, श्रीमती सुकला दे श्रीर श्रीमती श्रक्षपूर्ण रक्षित, निवासी श्राणु नियोगी लेन हटखौला, चन्दर नगर (श्रन्तरक)
- 2. मो० लक्ष्मी देवी मोदी, सा० गुरगोला, भागलपुर रोड, देवघर शहर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन की श्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन रकवा 16 कट्ठा 6 घूर के साथ दो पक्का मकान जो ''कुमुद कनन एवं री ट्रीट'' कहलाता है हो 0 सं 0.29/3560 (0.50/3) रोहिनी ईस्टेंट का एवं म्य० हो 0.40 सं 0.170 एवं 0.180 वा 0.40 ट है तथा जो देवघर में है 0.181

श्रजय कुमार सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार,पटना

तारीख: 1-4-1976

## प्रारूप आई० टी० **एन०** एस०———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना पटना, दिनांक 1 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 1ध-151/ग्रर्जन/75-76/2529—-यतः, मुझे, ग्रजय कुमार सिंहा

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

और जिसकी सं० हो सं० 35डी (पुराना) 38 (नया) है, तथा जो पटेल बाबू रोड भागलपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 25-8-1975

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देमें के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः श्रव 'उक्त भ्रधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम' की घारा 269-घ की उपघारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

- 1. श्री विष्णु नारायण पुरी (2) श्री राम नारायण पुरी (3) श्री गोविन्द नारायण पुरी विल्दान श्री कन्हैया लाल पुरी, सािकन (1) सोिनेपत हरियाना (2) 147 इन्द्रा बिसुन रोड, कलकत्ता (3) विशाखापटनम, श्रीर्ध्य प्रदेश (इन्तर)
- 2. श्री श्रोम प्रकाश नारनोली, सा०—मुन्दीचक थाना—कोतवाली, जिल—भागलपुरा (भ्रन्तरिती)
  - 3. श्री स्रोम प्रकाश, प्रथम मंजिल में (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रध-नियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन 3 कट्ठा के साथ मकान सा०—पटेल बाबू रोड, भागलपुर में है जिसका हो० सं० 35 डी० (पुराना) 38 (नया) वा० सं० 2, सिकल सं० 3 है तथा जिसका विवरण दस्तावेज सं० I—5001 दिनांक 25-8-75 में पूर्ण है।

> श्रजय कुमार सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 1-4-1976

प्राइ० टी० एन० एस०—— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुवत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक । श्रप्रैल 1976

निर्देश सं० 3-III-152/ग्रर्जन/75-76/2588----यतः मुझे श्रजय कूमार सिंहा निरीक्षी सहायक ग्रायकर श्रायक्त ग्रर्जन परि-क्षेत्र, बिहार पटना ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 भ्रधिनियम' (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृल्य 25,000/- रु० से श्र**धिक है** ग्रौर जिसकी संब्खाता संब 292, 1151 (नया) प्लोबसंब-7387 है तथा जो समिरितिलैया में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिका**री** के कार्यालय हजारी बाग में रजिस्ट्रीकरण 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 26-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमात से ग्रधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (भ्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए सया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

श्रतः ग्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :—
3—46 GI/76

- श्री दिलचन्द राम चरन पहारी मा०—झुमरितिलैया, थाना—कोड्रमा, जिला—हजारी बाग (श्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

जमीन रक्तवा 48 डिसमिल सा०—-सुमरितिलैया, खाता सं० 292 1151 (निया) प्लौट सं०-7347 जिसका वर्णन दस्ता-वेज सं०--17601 दिनांक 26-8-1975 में पूर्ण है ।

> श्रजय कुमार सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 1-4-1976

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, बिहार, पटना पटना, दिनांक 1 श्चर्यंत 1976

निर्देश सं० III-153/म्रर्जन/75-76/2527—यतः मुझे, म्रजय कुमार सिंहा निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त यर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना ग्रायकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कैरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से प्रधिक है

भौर जिसकी स० हो० सं० 296 (पी०), बा० सं० 6 हैं तथा जो सुमरितिलेया में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हजारी बाग में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 22-8-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का, कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रिधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:~

- (क) ग्रन्तरण से हुई किमी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्

- श्रीमती मालती साहा जीजे श्री कृस्टो साहा, गिरीडीह थाना/जिला—गिरीडीह (श्रन्तरक)
- 2. श्री सरदार हरजीत सिंह बल्द सरदार करतार सिंह झुमिरितिलेया, थाना—कोडरमा, जिला--हजारी बाग (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता ह ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सबध में कोई भी ग्राक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी अमित द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के मध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूघी

जमीन सात डिसमिल जो झुमिरितिलैया म्युनिसिपलिटी में है, हो०सं०—296 (पी०), बा०सं०-6 तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 17378 में पूर्ण है ।

> श्रजय कुमार सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीखाः 1-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 1 श्रप्रैल 1976

निर्देश सं० III-154/ग्रर्जन/75-76/2526——यतः मुझे ग्रजय कुमार सिंहा निरीक्षी सहायक ¦ग्रायकर ग्रायुक्त भ्रर्जन रेज, बिहार पटना

**भा**यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं और जिसकी सं० हो० सं०-296 बा० सं०-6 है तथा जो झुमरितील या में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हजारीबाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्ः—

- 1. श्रीमती मालती साहा जौजे श्री कृस्तो कुमार साहा,
   गिरिडीह थाना/जिला—गिरिडीह (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कौशल्या देवी जौजे सरदार करतार सिंह, सा०—- सुमरितिलेया, थाना---कोडरमा, जिला--हजारी बाग (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्बोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसृची

सात डिसमिल जमीन के साथ एक मंजिला मकान जो ज्ञुमरितिलेया म्युनिसिपलिटी में है तथा जिसका हों०-सं०---29 6, वा० सं०-6 तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं०-9636, दिनांक 22-8-1975 में पूर्ण है ।

> श्रजय कुमार सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जर रेंज, बिहार,पटना

तारीख : 1-4-1976

## प्ररूप धाई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 1 श्रप्रैल 1976

निर्देश तं अ III-155/म्रर्जन/75-76—/2525——यतः मुझे म्रजय कुमारसिंहा निरीक्षी सहायक म्रायकरम्रायुक्त म्रर्जनरेंज बिहार, पटना

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लौट सं० 2602 वा० सं० 1 है तथा जो मोकामा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय वाढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 22-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है श्रीर धन्तरक (श्रन्तरकों) भीर धन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबस, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन था अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भ्रब, 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :---

- श्री रघुनन्दन गोप वल्द स्व० ग्यामू गोप सा०-मोकामा मोलदियार टोला, पो०/थाना-मोकामा जिला——पटना (ग्रन्तरक)
- 2. मेसर्स राम सुमिरण सिंह सा०/पो० मोकामा जिला— पटना द्वारा प्रो० श्री राम सुमिरन सिंह (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्नं में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपष्टीकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रषं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अमुस्ची

जमीन 18 कट्ठा के साथ घर जो मोकामा जिला—पटना में है तथा जिसका वार्ड सं० 1 खाता सं०-1289 प्लीट सं० 2602 है श्रोर जिसका वर्णन दस्तावेज दिनांक 22-8-1975 में पूर्ण है।

> श्रजय कुमार सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 1-4-1976

## प्ररूप ग्राई०टी० एन० एस०---

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, विहार, पटना पटना, दिनांक 3 श्रर्प्रैल 1976

निर्देश सं० III-156/म्रर्जन/75-76/23—स्वतः मुझे भ्रजय कुमार सिंहा निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त प्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से ग्रधिक है श्रीर जिसकी सं० दस्तावेज सं० IV 189 है, तथा जो धनवाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय धनवाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 7-8-1975 की

पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पतः श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रधीत् :---

- शीमती भानुमती सी० ठाकेर जोजे श्री चन्द्र कान्त ठाकेर, श्री कपिल सी० ठाकेर (नावालिंग) एवं श्री जुगल सी० ठाकेर निवासी हीरापुर, धनबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्री विश्वनाथ प्रसाद बल्द श्री उत्तिम चन्द,श्री निर्मल कुमार, श्री अभय कुमार, श्री निर्भय कुमार, श्री विभव कुमार एवं श्री राज कुमार बल्दान श्री विश्वनाथ प्रसाद निवासी-हीरापुर, धनबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिष्ठि-नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही स्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुसुची

"रे टाकीज" का एक चौथाई हिस्सा जो धनबाद में है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० IV 189 दिनांक 7-8-1975 में पूर्ण है ।

> श्रजय कुमार सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 3-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना
पटना, दिनांक 3 श्रप्रैल 1976

निर्देश सं० III-158/म्रर्जन/75-76/25—यतः मुझे ग्रजय कुमार सिहा निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, श्रर्जन रेज बिहार, पटना

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भ्रीर जिसकी सं व्लाट सं 4909 रवा वसं 632 है तथा जो रानीपुर चक में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पटना सीटी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय पटना सीटी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी अधिकारी के श्रिधीन तारीख 13-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की

गई है श्रीर मुझे यह विश्वास अपने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्षिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भव, उक्त श्रिष्ठितयम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त श्रिष्ठितयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रिष्ठीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रथीत :---

- श्री निसक लाल सिंह बल्द श्री रामचन्द्र सिंह सा० रानीपुर चक, थाना——चौक पटना सीटी, जिला——पटना । (श्रन्तरक)
- श्रीमती शान्ती देवी जौजे श्री राजेन्द्र महतो सा० वड़ी पटनदेवी थाना—श्रालभगंज, जिला—पटना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविष्ठ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविष्ठ, जो भी धविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रष्ट होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन रकवा 1.54 एकड़ जो रानीपुर चक थाना-चौक पटना सीटी में है श्रौर प्लौट सं०-4901 एवं खाता सं०-632 है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 498 दिनांक 13-8-1975 में पूर्ण है ।

> ग्रजय कुमार सिंहा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 3-4-1976

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बिहार, पटना पटना, दिनांक 3 अप्रैल 1976

निर्देश सं० III-157/म्रर्जन/75-76/24—स्तः मुझे म्रजय कुमार सिंहा निरीक्षी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त म्रर्जन रेंज, बिहार, पटना,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिष्ठक है श्रीर जिसकी सं० हो० सं० 438 (पार्ट) है, तथा जो स्टेशन रोड, पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908

का 16) के ग्रधीन दिनांक 22-8-1975 को
पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
ग्रौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच
ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री मनमोहन कपूर बल्द श्री मदन मोहन कपूर पाटलि-पूजा कोलोनी दिघा, पटना (श्रन्तरक)
- 2. श्री मरदार हरजीत सिंह वर्ल्द सरदार बुढ़ा सिंह सा० सेवक भवन, पो० झाडगंज पटनासीटी, जिला—पटना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किय जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण---इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रौर पदों का, जो उबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक मकान जिसका रकवा 1593 वर्ग फीट, सा० स्टेशन रोड, पटना हो० सं० 438(पार्ट) म्यु० प्लोट सं० 304 (पार्ट), वा० सं० 2 तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 9623 दिनांक 22-8-1975 में पूर्ण हैं।

> श्रजय कुमार सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीखा : 3-4-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना पटना, दिनांक 3 श्रप्रैल 1976

निर्देश सं० III-159/ग्रर्जन/76-77/26—यतः, मुझे, श्रजय कुमार मिहा, निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

आयकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह तिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है श्रौर जिसकी सं० हो० सं० 14, नया 16, सं० सं० 207 है तथा जो मारूफगंज में स्थित है (श्रौर इससे उपलबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 6-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधि-नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सिक्षा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः अव 'उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- 1. श्री नूत बिहारी मंडल, श्री रसिक बिहारी मंडल, श्री मान बिनोद बिहारी मंडल (नाबालिंग) श्री मान ग्रंचल बिहारी मंडल (नाबालिंग) श्री मान चंचल बिहारी मंडल (नाबालिंग), कुमारी शरिमस्ठा मंडल (नाबालिंग), कुमारी पारवती मंडल (नाबालिंग) सभी वित्दान स्व० राण बिहारी मंडल, गाजियन श्रीमती कनक लता मंडल एवं श्रीमती कनक लता मंडल, जीजे स्व० राण बिहारी मंडल सा०—इचापुर याना—नोबापुरा जिला-24, परगना प० बंगाल। (श्रन्तरक)
- श्री पवन कुमार सिंह वत्द श्री श्याम बहादुर सिंह सा०—मारूफ गंज थाना—मालसलामी पटना । (श्रन्तिरिती)
- 3. श्री शिवनाथ भट्टाचार्जी (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग मों संपक्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

जमीन रक्तवा 0.335 एकड़ के साथ, गोदाम रोड घ्रादि जो मारूफगंज, पटना में है तथा जिसका हो र सं र 14, नया 16, सं र सं र 207, म्यु र सं र प्लोट सं र 356 है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं र I-4600 दिनांक 6-8-1975 में पूर्ण है।

> श्रजय कुमार सिंहा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 3-4-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रिधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज, लखनऊं

> > लखनऊ, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्वेश सं० 25-वी०/ग्रर्जन--यतः, मुझे, बिशम्भर नाथ, भागकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसक उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से भ्रधिक है श्रौर जिसकी सं०-- है तथा जो ग्राम गुरली तप्पा जिला गोरखपुर में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय महराजगंज (जि॰ गोरखपुर) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (श्रन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रीवित्यम के ग्रीधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसार में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:——
4—46GI/76

1. श्री हरिहर सिंह व ग्रन्य

(अन्तरक)

2. श्री वीरेन्द्र कुमार व ग्रन्य

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहरताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त ज्ञब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम' के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

कृषि भृमि का आधा भाग जिसका क्षेत्रफल 95-9 हैं। जो कि ग्राम गुरली तप्पा भारतखन्ड परगना तिलरपुर--तह० महराजगंज--जिला गोरखपुर में स्थित है।

> बिशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 4-2-1976

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

ध्रायकर घ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर त्रायुक्त निरीक्षण

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 फरवरी 1976

ानर्देण सं० 113 एस०/प्रर्जन--यतः, मुझे, विशम्भरनाथ, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से प्रधिक श्रीराजिसकी सं० सी० के० 65/425 व ग्रन्य है तथा जो मीं पियरी कला वाराणसी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के क(र्यालप, बाराणसी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 4-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनयम के श्रश्वीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः जब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण म मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रयीत:—— 1. श्री भ्रब्दूल भ्रलीम

(भ्रन्तरक)

2. श्री गाहिद फैजान

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जुज हिस्सा मकान नं० सी० के० 65/425, सी० के० 65/426, फ्रीर सी० के० 65/427, जो कि मो० पियरी कला जि० वाराणसी में स्थित हैं।

बिशम्भर ताथ, मक्षम ऋधिकारी, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 11-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 फरवरी 1976

निर्देण सं० 114 एम०/ग्रर्जन--पतः, मुझे, विशम्भर नाथ प्रायकर ग्रिक्षित्यम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिक्षित्यम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिक्षिक है ग्रीर जिसकी सं०डी० 52/41सी० हैं, तथा जो लक्ष्मी कुन्ड-वाराणसी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में र्राजस्ट्रीकरण ग्रिक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रयीन, तारीख 19-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुग्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से ग्रधिक है श्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर ग्रन्तरित (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उकत अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती बीझर देवी

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुशील कुमार

(भ्रन्तांरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और जो पदों का उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक किता मकान नं० डी 52/41 सी० जिसका क्षेत्रफल 4452 वर्ग फीट हैं।जो कि लक्ष्मी कुन्ड जि० वाराणसी में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 12-2-1976

मोहर

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० 60-ए०/ग्रर्जन—यतः, मुझे, विणम्भर नाथ, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उष्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 640 है, तथा जो ग्राम म्युनिस्पल विठार जिला श्रत्मोड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रत्मोड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27-8-1975

को पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, 'उक्त अधिनियम', की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रयात्:— 1. नबदा जोशी

(ग्रन्तरकः)

2. श्री ग्ररविंन्द कुमार व ग्रन्थ

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं० 640 मय जमीन का श्राधा भाग जो कि ग्राम म्युनिस्पल विठार--पट्टी--खास परजा जिला श्रत्मोड़ा में स्थित है ।

> विधाम्भर नाथ, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 13-2-1976

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

आयकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० 61-ए०/अर्जन--यतः, मुझे, विशामण नाथ, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 640 है, तथा जो ग्राम म्युनिस्पल विठार जि० श्रल्मोड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाब द्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अल्गोड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 27-8-1975

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
  - (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत, उक्त ग्रधिनियम, के ध्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
  - (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ध्रतः ध्रव उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं, उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ध्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ध्रधीत:—— 1. श्रीमती मुन्नी जोशी

(भ्रन्तरकः)

2. श्री घर्यबन्द कुमार व घ्रत्य

(श्रन्तांरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

मकान नं० 640 मय जमीन का द्याधा भाग जो कि ग्राम म्युनिस्पल बिटार, पट्टी——खास परजा जिला श्रल्मोड़ा में स्थित है ।

> बिशम्भर नाथ सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 13-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्नायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनङ, दिनांक 19 फरवरी 1976

निर्देश सं० 22-एल०/अर्जन-स्वतः, मुझे, विशमभर नाथ, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं एस०-19/20 व एस०-10/21 है, तथा जो वस्ना द्विज रोड जिला वाराणसी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है,), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 22-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पनद्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अग्नियम' के अग्नीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भ्रत: श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्निखित व्यक्तियों, श्रम्बात्:— 1. श्री पान्य गीपाल मलिक

(ग्रन्तरक)

3. श्री लक्ष्मन दास वर्मा

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपद्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

एक किता तीन मंजिला मकान नं० एस०-19/20 मय भूमि जिसका नं० एस०-19/21, है । जो कि बच्ना द्विज रोड-- जिला बाराणसी में स्थित है ।

बिशम्भर नाथ, सक्षम प्रधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारोख: 19-2 1976

## प्रकृप ग्राई० टी० एन० एस०----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 23 फरवरी 1976

निर्देश सं० 31-जी०/ग्रर्जन---यतः, मुझे, एक० रहमान, आयकर अधिनियम, 1961

1961 (1961 की 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रिधिक है

स्रोर जिसकी गं० वीं० 21/120 है, तथा जो कमच्छा जि० बाराणसी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बाराणसी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 5-8-1976 को

सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधिकियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (का) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत ा. श्रीमती शांति रानी घोष

(भ्रन्तरक)

2. श्री गोपाल दास खन्ना

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

एक किता मकान नं० बी० 21/120 जो कि **कमच्छा**, जिला वाराणसी में स्थित है।

> एफ० रहमान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख : 23-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 जनवरी 1976

404/प्रर्जन/कानपुर/75-76--थतः, मुझे, निर्देश रां० एफ० जे० बहादूर,

ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका \_\_25,000/- र० से म्रधिक है उचित बाजार मुल्य और जिसकी संब्धनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, तारीख 1-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और श्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के श्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, 'उबत मधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रश्रीत :---

- া. श्री राम मिश्रा 620 सी० फैंशफूल गंज, कानपुर (ग्रन्तरक)
- 2 (1) श्री एम० खरशेद (2) ईकबाल ग्रहमद (3) जमीर श्रहमद (4) रणीद (5) श्रनवर जमाल, 39/11, मस्टन रोड (अन्तरिती) कानप्र

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसीव्यक्तिद्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगें।

स्परटीकरण:--इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो 'उबत अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ग्रचल सम्पत्ति एक पक्का तीन मंजिला मकान नं० 39/11 जो तोपखाना बाजार , मस्टन रोड कानपुर में स्थित है, 70,000 रु० मृत्य में हस्तान्तरित किया गया है।

> एफ० जे० बहादुर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्चर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 30-1-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

द्यायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 श्रप्रैल 1976

निर्देश सं० 868/ग्रर्जन/गाजियाबाद 75-76—यतः, मुझेः विजय भागेवा,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका

उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है श्रीर श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार है, तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 1-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की
गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
ग्रिधक है भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती
(ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उमत प्रधिनियम' के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या,
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम,' या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मे, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीतः— 5—46 GI/76 1. डा॰ मनोहर लाल पुत्र श्री चन्दन लाल नि॰ 19ए० माडल टाउन गाजियाबाद, जिला मेरठ (श्रन्तरक)

2.(1)राज किशोर पुत्र श्री ज्योति प्रसाद (2) श्रीमती राम मूर्ति पत्नी श्री राज किशोर निवासी भाग 273, किशन गंज, तेलीबाड़ा, देहली-6 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यव्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्शकरण: -- इसमें प्रयुवत शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रष्टें होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति रिहाशी मकान तीन मंजिला 1/2 भाग मकान नं 18 क्षेत्रफल 120 वर्ग गज जो जगनीगंज, गाजिया-बाद में स्थित है, 30,000 रू मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है ।

> विजय भार्गवा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); भ्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 869/प्रर्जन/गाजियाबाद/75-76--यतः मुझे, विजय भागंवा ग्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी यष्ट विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य 25,000/−७० से अधिक है श्रौर जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गाजिया-बाद में रजिस्द्रीरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 2-8-1975 को पूर्वोनत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षुग्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)

के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निग्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से

कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्घात :---

- 1. डा॰ मनोहर लाल पुत्र श्री चन्दन लाल निवासी 19ए॰ माउल टाउन गाजियाबाद (श्रन्तरक)
- 2.(1)श्री नानक चन्द (2)श्री लालमन दास पुत्रगण स्व० लाला दीवान चन्द निवासी 18, जगनी गंज, गाजियाबाद (भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिम की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रुधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों, का जो उन्त श्रधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

#### अमुसूची

अचल सम्पत्ति रिहाशी मकान तीन मंजिला 1/2 भाग मकान नं 18 क्षेत्रफल 120 वर्ग गज को जगनी गंज, गाजिया-वाद में स्थित है, 30,000 रु मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

> विजय भार्गवा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 870/ग्रर्जन/गाजियाबाद/75-76---यतः मुझे, विजय भागेवा,

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार स्थित है, (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख, 13-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित भ्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्रीमती छुन्नारो देवी पत्नी श्री डी० एल० गुप्ता निवासी 25 चन्द्रपूरी गाजियाबाद जिला भेरठ। (श्रन्तरक)
- 2. (1)श्रीमती साविती देवी पत्नी सत्य प्रकाण (2) श्री राज कुमार (3) पवन कुमार पुत्रगण सत्य प्रकाण (4) मुनेश कुमार (नाबालिंग) पुत्र सत्य प्रकाश बन्दा बलोया कुदरती श्रीमती सावित्री देवी निवासी 43 केलावालान देहली गेट, गाजियाबाद। (ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति प्लाट नं० 88 क्षेत्रफल 200 वर्ग गज स्थित नवयुग मारकीट, गाजियाबाद, जिला मेरठ में है, 66892 रु० मुल्य में हस्तान्तरित किया गया है ।

> विजय भार्गवा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 5-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरोक्षण)

श्रजीन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 834-ए०/म्रर्जन/म्रागरा/75-76---यतः, मुझे, विजय भागेवा,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार स्थित है (ग्रीर इसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, आगरा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 2-8-1975

ताराख 2-8-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह ठिश्चास वरने का कारण है वि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं विया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और /या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथितः——

- श्री हबूब लाल (2) श्रो छोटे लाल (3) जमुना प्रसाद पुत्रमण स्व० कन्हेया लाल निवासी गोपालदुरा, जिला ग्रागरा । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री परशुराम नगर सहकारी गृह निर्माण समिति, लि० स्नागरा वजरिए सचिव रमेश चन्द शर्मा, 66 सलित कालोनी स्नागरा। (स्नन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

नक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति जमीन क्षेत्रफल 2 बीधा 2 बिस्वा खेत नम्बरी 233 श्रीर 234, खाता रं० 44 जो गोपालपुरा, जिला ग्रागरा में स्थित है, 42,000 रु० मूल्य में हस्तान्त्रित किया गया है ।

> विजय भार्गवा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर,

तारीख: 5-4-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के फ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रोंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 श्रप्रैल 1976

निदेश सं० 835-ए/म्रर्जन/आगरा/75-76:—-/44:---म्रतः, मुझे, विजय भार्गवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

प्रांत जिसकी सं श्रम्भूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रिक्ष है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उवत श्रिधिनयम, के अधीन कर वेने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भ्रब उन्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, 'उन्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :—

- 1 (1)श्री हुंबूब लाल (2) श्री छोटे लाल (3) जमुना प्रसाद पुत्रगण स्व० कन्हेथा लाल, निवासी गोपालपुरा, जिला आगरा। (श्रन्तरक)
- परशुराम नगर सहकारी गृह निर्माण समिति लि० म्नागरा बजरिये सचिव रमेण चन्द शर्मा, 66, साकेत कालोनी, आगरा। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यवितयों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति जमीन क्षेत्रफल 2 बीघा 2 बीस्वा खेत नम्बरी 337, 338 श्रीर 339, खाता नं० 44 जो गोपालपुरा जिला श्रागरा में स्थित है, 48,000 २० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) (प्रर्जन रेंज), कानपुर

तारीखाः 5-4-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 अप्रैल, 1976

निदेश सं० 836-ए०/भ्रर्जन/श्रागरा/75-76/45:—-श्रतः, मुझे, विजय भार्गवा,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार हैतथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 2-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबस, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रधिनियम या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रमीत्:—

- 1. श्री हुबूब लाल (2) श्री छोटे लाल (3) जमुना प्रसाद पुत्रगण स्व० कन्हेया लाल निवासी, गोपालपुरा, जिला श्रागरा। (श्रन्तरक)
- 2. परणुराम नगर, सहकारी गृह निर्माण समिति लि॰ स्रागरा बजरिय सचिव रमेण चन्द्र शर्मा, 66, साकेत, कालोनी, स्रागरा । (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

अचल सम्पत्ति जमीन क्षेत्रफल 1 बीधा 12 बीस्वा खेत नं० 344 खाता नं० 44 जो गोपालपुरा, जिला श्रागरा में स्थित है, 32,000 रु० मूल्य में हस्ताश्रन्तरित किया गया है ।

> विजय भार्गवा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 5-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 6 श्रप्रैल 1976

निदेश सं० 837-ए०/म्रर्जन/म्रागरा/75-76/46:— म्रतः, मुझे, विजय भार्गवा, म्रायकर अधिनियम

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इ० से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: भव, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात्:—

- 1. श्री हुबूब लाल (2) श्री छोटे लाल (3) जमुना प्रसाद पुत्रगण स्व० कन्हेया लाल निवासी, गोपाल पुरा, जिला ग्रागरा। (श्रन्तरक)
- 2. परशुराम नगर, सहकारी गृह निर्माण समिति लि० श्रागरा बजरिये सचिव रमेश चन्द शर्मा, 66, साकेत कालोनी, श्रागरा। (श्राग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ध्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

अवल सम्पत्ति जमीन क्षेत्रफल 2 बीघा 5 बिस्या खेत नम्बरी 320, 335 और 336 खाता नं 44 जो गोपालपुरा, जिला आगरा में स्थित है, 45,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

> विजय भागेवा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), घ्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 6-4-76

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 श्रप्रैल: 1976

निदेश सं० 838-ए०/ग्रर्जन/ग्रागरा/75-76/47:--- ग्रतः, मुस्रे, विजय भार्गवा,

अायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पक्ष्चात उक्त श्रिधिनियम कहा गया है )

की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के ग्रनुसार स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रागरा में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख़ 2-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्या- पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम', या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रमु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथितः——

- श्री हुबूब लाल (2) श्री छोटे लाल (3) जमुना प्रसाद पुत्रगण स्व० कन्हेया लाल निवासी गोपाल पुरा जिला, श्रागरा । (श्रन्तरक)
- परशुराम नगर सहकारी गृह निर्माण समिति लि० श्रागरा बजरिये सचिव रमेश चन्द शर्मा, 66, साकेत कालोनी, श्रागरा । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

श्रवल सम्पत्ति जमीन क्षेत्रफल 2 बीघा 5 बिस्वा खेत नम्बरी 340 श्रौर 341, खाता नम्बर 44 जो गोपालपुरा, जिला श्रागरा में स्थित है, 45,000 रु० मृत्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-4-76

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 म्रप्रैल 1976 निदेश सं० 839-ए०/म्रर्जन/म्रागरा/75-76/48:—म्रतः,

मुझे, विजय भागंवा,

प्रायक्तर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-खं के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, आगरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ध्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रभीत्:—- 6—46GI/76

- भी हुवूब लाल (2) श्री छोटे लाल (3) जमुना प्रसाद पुनगण स्व० कन्हेया लाल निवासी गोपालपुरा, जिला आगरा। (अन्तरक)
- 2 परशुराम नगर, सहकारी गृह निर्माण समिति, लि० श्रागरा, बजरिये सचिव, रमेश चन्द शर्मा, 66, साकेत कालोनी, श्रागरा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो जक्त भ्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रथ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

श्रचल सम्पत्ति जमीन 2 बीघा 4 बिस्वा खेत नम्बरी 342 श्रीर 343 खाता नं० 44 जो गोपाल पुरा जिला श्रागरा में स्थित है, 44,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

> विजय भार्गवा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-4-76

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०———— भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 श्रप्रैल 1976

निदेश सं० 915-ए०/श्रर्जन/मुजफ्फरनगर/75-76/51—⊸ श्रतः, मुक्को, विजय भार्गवा,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है शौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में शौर पूर्ण रूप से विणित), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मुजफफरनगर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,

तारीख 7-8-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिचत
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रदः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्यात् :—

- श्री चन्द्र प्रकाश संगल, पुत्र श्री इन्द्र प्रकाश संगल निवासी मकान नं० 166, मोहल्ला राजपुताना रुड़की, जिला सहारनपुर। (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्स ई० एस० एस० सी० ई० ई-इण्डस्ट्रियल कारपो-रणन बी०-11 इन्डस्ट्रियल एस्टेट मुजक्फरनगर द्वारा श्री सुरेण चन्द गुप्ता पुत्र गोपी चन्द गुप्ता निवासी मकान नं० 82 मोहल्ला नं० 23 जालन्धर (पजाव) हाल निवासी 44 सिविल लाईन• मुजफ्फरनगर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रद्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

श्रचल सम्पत्ति फैक्ट्री बिल्डिंग जो बी०-11 इन्डस्ट्रियल एस्टेट-जी० टी० रोड़-मुजफ्फरनगर में स्थित हैं श्रौर जिस का क्षेत्र-फल 756. 37 वर्ग गज हैं 65:000/- ६० मूल्य में हस्तान्तरित की गई हैं श्रौर मशीनरी पार्टस 18:000/- ६० मूल्य में हस्तान्तरित कियो गये हैं। (कुल योग 83,000/- ६०)।

. विजय भागेंवाः सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) (श्रर्जन रेंजः) कानपुर

तारीख: 7-4-76

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 अप्रैल: 1976

निदेश सं० 867/ग्रर्जन/गाजियाबाद/75-76/39:--- श्रतःः मुझे, विजय भार्गवा

ष्प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है श्रोर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार हिया जो अनुसूची के अनुसार हिया जो अनुसूची के अनुसार हिया है। राजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गाजियाबाद में राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है थ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रौर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातु:—

- 1. श्रीमती पदमा रानी गुष्ता पत्नी श्री श्रणोक गुष्ता निवासी 12 एडमिन सटन रोड़ इलाहाबाद। (श्रन्तरक)
- 2. श्री विनोद प्रकाश श्रग्नवाल पुत्र श्री कुंज बिहारी लाल द्वारा मुख्तार श्राम श्री सुबोध कुमार पुत्न श्री कुंज बिहारी लाल निवासी के० सी०/70 कवि नगर गाजियाबाद । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति प्लाट नं० के०-ए०/29 रकबई 1422.22 वर्ग गज जो कबि नगर गाजियाबाद जिला मेरठ में स्थित हैं, 52,622 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

> विजय भार्गवा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, कानपुर

तारी**ख: 3-4**-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

न्नायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के न्नधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1976

निर्देश सं० ग्राई० 1/1258-1/ग्रगस्त-75--श्रतः मुझे व्ही श्रार० श्रमिन म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है उचित बाजार श्रीर जिसकी सं० सी० एस० ऋ० 790 (पार्ट) 8/788, 790 मलबार हिल डिव्हीजन तथा कंबाला हिल डिव्हीजन हैं, जो वार्डन रोड़, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्भूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्द्रीकर्ता कायलिय बम्बई में राजस्दीकरण **प्राधका**री वे (1908 কা 16) श्रधीन ग्रिधिनियम, 1908 तारीख 1-8-1975

के उचित पूर्वोक्त सम्पत्ति बाजार प्रसिफल के लिए श्रन्तरित से कैम के दुश्यमान यह विश्वास है ग्रौर मुझे कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भ्रोर अन्तरक (अन्तरकों) श्रोर म्रान्तरिती (म्रान्तरितियों) के बीच ऐसे म्रान्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उश्त भ्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त भ्रधिनियम', के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रव 'उनत श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, 'उनत श्रधिनियम' की धारा 269-व की उप-बारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथांतु:-

- रेवा के हिज हाइनेस महाराजा मार्तन्ड सिंहजी । (श्रन्तरक)
- श्री रमणिकलाल तलकसी दोणी श्रीर श्रन्य । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

नगरद्वीप बम्बई जिले एवं राजस्ट्रेशन उपाजले में महालक्ष्मी कंपाऊंड के निकट वार्डन रोड पर स्थित एवं अवस्थित 4233.33 वर्ग मीटर अथवा उसके लगभग (यानी 5063 वर्ग गज या उसके समीपस्थ) प्लाट नं० 'सी०' का वह समूचा भूभाग, भूखंड अथवा भूस्थल उप पर बनी गृहवाटिकाश्रों, कूटीरों और आवासनगृह सहित चालों तथा अन्य संरचनाश्रों समेत जो मलबार और कंबाला हिल डिव्हीजन के भूखंड केडस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 790 (पार्ट) 8/788 श्रौर 790 का अंश अथवा भाग है जिसकी सीमाएं इस प्रकार घरी हुई हैं :—-अर्थात् उत्तर अथवा उत्तर की ओर सब प्लाट नं० बी० और दक्षिण में अथवा दक्षिण की और केडस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 791 की संपत्ति पूर्व में अथवा पूर्व की श्रोर श्रेशतः सब प्लाट नं० बी० और अंशतः सामान्य प्रवेश भाग और पश्चिम में अथवा पश्चिम की श्रोर कंडस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 788 की संपत्ति श्रौर अनलग्नक प्लान में परिसीमित एवं अंकित प्लाट 'सी०'।

व्ही० ग्रार० ग्रमित सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 6-3-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1, बम्बई

वम्बई, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निर्देश सं० अ०ई० 1/1292-1/अगस्त 75:—अतः मुझे व्ही० आर० अमीन आयकर अधिनियम्

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० सी० एस० सं० 1431 भ्रॉफ लोग्नर परेल डिव्हीजन टी० पी० एस० 4 माहिम है जो फायनल प्लाट सं० 490/491 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है)- रांजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16-8-75 को पूर्वीक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रौर यह कि अन्तरक (श्रन्तरको) ग्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर
- (क्ष) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम. या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

्रधतः भव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियरें, धर्थात

- 1. इस्टर्न बुलन मिल्स लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- 2. प्रियदर्शिनी महीला को० हा० सो० लि०। (अन्तरिती)
- 3. किरायेदार

(बह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वड़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा. भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधितियम, के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

टी० पी० एस० 4 का फाइनल प्लाट सं० 490/491 माहिस क्षेत्र बम्बई क्षेत्रफल 6950.73 वर्ग मीटर लोघर परेल डिबीजन की सी० एस० सं० 1431 है।

> ब्ही० श्रार० श्रमीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 7-4-1976

# प्रस्प ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 श्चर्पैल 1976

निर्देश सं० ग्र० ई०/1293-2/ग्रगस्तः 75:—-ग्रतः मुझे व्ही० ग्रार० श्रामीन श्रायकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सृत्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी० एस० 1/57/मलबार श्रीर कंबाला हील डिबीजन ट्रेंक रोड़ है जो प्लाट सं० 1/57/गोबालिया में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-8-75 को पूर्वीक्स

- सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-
  - (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर
  - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

ग्रतः श्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्

- श्री हरीराम केशवदास रोहीन्न श्रीर श्रन्य । (श्रन्तरक)
- न्यू महावीर को० श्रॉ० हा० सो० लि० । (श्रन्तरिती)
- 3. सभासदें।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रार्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के सबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख़ से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

5 मंजिलें श्रीर गैरेज सहित जमीन, प्लाट सं० 1/571; गोवा-लिया टैंक, रोड़, जिसका मलबार तथा कंबाला हिल डिवीजन की सी० एस० सं० 1/571 है।

> स्ही० श्रार० श्रमीन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, बम्बई

सारीख: 7-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रृजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 22 मार्च, 1976

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-- इपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 26-बी० प्लाट नं० 119-बी०-1 है, जो सान्तान्नज (पूर्व) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचीं में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, 29-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्तअधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्:—

- श्री वेद प्रकाश ग्रग्नवाल । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जय बन्साल को० ग्रॉ० हाउ० सोसायटी लि०, (म्रन्तरिती)
- 3. 1. श्रीमती सावित्री देवी के० कुमार, 2. श्री महाबीर प्रसाद धालिमया, 3. श्री बजरंग लाल दालिमया, 4. श्री जुगल किशोर दालिमया, 5. श्रीमती कानुबेन बचुभाई त्रिवेदी, श्री बचुभाई त्रिवेदी, 6. श्रीमती धनलक्ष्मी नटवरलाल महता, श्री नटवरलाल शीवलाल महता, 7. श्रीमती शारदाम्बल हरीहरन, 8. श्री बालकृष्ण मोट्टी शिरूर, 9. श्री झीनभाई कुरजो पोपट, 10. डा० रमणलाल

नाथालाल जोशी, 11. श्री विजयकुमार मुन्द्रा, 12. श्री गिरधारी लाल धरमचंद मल्होता, 13. श्री थिरपुडईमस्टूर पिचुमणी वेंकटनारायण, 14. श्री विश्वस्वरलाल बत्वनचंद गुप्ता, 15. श्री मेवाती ब्रदर्स, 16. श्री व्ही० पी० श्रग्रवाल (गैरेज)। वह व्यक्ति जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसर्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

बृहत्तर बम्बई में बम्बई उपनगर के जिला बान्द्रों के रजिस्ट्रेशन जिले में प्रभात कालोनी, सान्ताकुज (पूर्व में स्थित और श्रवस्थित भूमि श्रथवा मैदान का तमाम भाग ग्रथवा खंड और उस पर बनी गृहवाटिकाओं भौर टेनामेंटसहित वह भाग जिस पर प्लाट सं 119 बी०-1 (नई सं 103-ए०) टी० पी० एस० 5 सांताकुज भंकित है तथा जिस पर सी० टी० सर्वे सं 26 बी० और बम्बई म्युनिसिपल कार्पोरेशन संख्या एच० वे संख्या 6918, स्ट्रीट सं 1, एए० भ्रंकित है तथा जो पैमाइश में 918.81 वर्ग मीटर भ्रथात 1107 वर्ग गज है तथा जिसकी सीमाएं इस प्रकार से घरी हुई कि:—

> एम० जे० माथन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, बस्बई

तारीखः 22 मार्च, 1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 मार्च, 1976

निर्देश सं० ग्र०ई० 5/416-ए०/39/75-76:——ग्रतः, मुझे , जे० एम० मेहरा,

म्रायकर म्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से प्रधिक है श्रौर जिसकी सं० स० नं० 4 हि० नं० 1ए० सं० नं० 5 हि० नं० 2ए०, 3ए० है, जो विलेज मोहल में स्थित है(ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विंगत है), रिजस्ट्रीकर्तां ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 16-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिमात से अधिक है घौर अन्तरक (अन्तरकों) घौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम', या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः ग्रब 'उक्त श्रधिनियम', की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- श्री हिम्मत नगीम भाई खेतानी (2) श्री प्रवीन नगीन भाई खेतानी, केशव काजी स्रोहाड भाई लेन घाटकोपर बम्बई 77। (स्रन्सरक)
- 2. श्री लीनस्डी० सी० झा, 235 व्हीलेज वार्ड जुना कुर्ला बम्बई-701

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त मध्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जभीन श्रथवा मैदान का वह तमाम भाग श्रथवा खंड जो की, पैमाइश में 5830 वर्ग गज श्रथांत् 4874. 46 वर्ग मीटर या उसके लनभग है, जो कि रिजस्ट्रेशन उपजिला श्रौर बम्बई उपनगर जिला के जिला साउथ सालसेट ग्राम मोहल साकी बिहार रोड में स्थित एवं ग्रवस्थित है, जिसका सर्वेक्षण सं० 4 हिस्सा सं० 1 ए०, सर्वेक्षण सं० 5 हिस्सा सं० 2 ए श्रौर 3 ए है, श्रौर जो इस प्रकार से घिरा हुग्रा है, पूर्व में वह जमीन है जिसका सर्वेक्षण सं० 4 हिल्सा सं० 2 है जो रितलल साही एण्ड कं० की है, पश्चिम में अंशतः हिन्दुस्तान श्राइल मिल्स की प्रापर्टी है, जिसका सर्वेक्षण सं० 4 हिस्सा सं० 1 है, श्रौर श्रंशतः गयादीन श्रलगु मेटल रीफानरीज की जमीन है, जिसका सर्वेक्षण सं० 4 हिस्सा सं० 4 है, उत्तर में जनभाई पावलू मिसकीटा की जमीन है जिसका सर्वेक्षण सं० 6 है, श्रौर दक्षिण में 4 फूट लंबी सड़क है।

जे० एम० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज 5, बम्बई

तारीख: 26-3-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० --

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज -1, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 26 फरवरी 1976

निदेश सं ० ए० सी० क्यू० 23-1-688 (276)/16-6/75-76:—-म्राप्त:, मुझे, जे० क्यूरिया,

श्रायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रविनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रविक है

भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 119/1 तथा 119/2 प्लाट नं० 22 तथा 23, है जो जीवा रैया प्लाट, लाठी प्लाट के साथ, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भिष्ठीन, 16-8-75

को पूर्वोभ्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वक्ने में सुविधा के लिए; और
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अत: अब, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधीतः --- 7—46 GI/76

- (1) श्री हीरालाल श्रमृत्तलाल परीख, मगल भुवन, करन परा, राजकोट। (श्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स श्री राम ट्रेडर्स, लाठी प्लाट, कुपड़वा रोड़, राजकोट। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यबाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक खुली जमीन का प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 2474 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे सं० 119/1 तथा 119/2 है ग्रीर प्लाट नं० 22 तथा 23 है तथा जो जीवा रैगा प्लाट, लाठी प्लाट के साथ वाले प्लाट, राजकोट में स्थित है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 26-2-1976

# प्ररूप भाई०टी०एन०एस०-

भायकर भिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-1, भ्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 5 मार्च 197**6** 

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-683(281)/10-1/ 75-76:--यतः, मुझे, जे० कथूरिया, आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ब्रौर जिसकी सं० सीटी सर्वे नं० 37-एफ०-4, है जो, बेडी रोड़, सोलेरियम के सामने, जामनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याक्षय, जामनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन, श्रगस्त, 1975 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्र्यात् :→- (1) श्री मनुभाई जीवणलाल खामर, 26, नरसी नगर सोसायटी, नाराणपुरा, भ्रहमदाबाद-13 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वसंतराए भगवानजी, मारफत णिक्त श्राईल मिल्स, मनमोहन मारकेट, जामनगर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजेंन के संबन्ध में कोई भी धारोप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वी का, जो 'उक्त श्रिधिनियम' के भ्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक दो मंजिल वाली श्रचल सम्पत्ति जो 426 वर्ग मीटर भूमि पर स्थित है तथा जिसका सिटी सर्वे सं० 37-एफ-4 है तथा जो बड़ी रोड़ पर सोलेरियम के सामने, जामनगर में स्थित है।

> जे० कथूरिया; सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-3-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 मार्चे 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू०23-1-680 (282)/5-1/75-76:—-यस:, मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 947-बी०, है, जो गीता चौक के पास, डॉन एरिया, क्वष्णा नगर, भावनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भावनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 28-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्स ग्रिधिनियम' के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम', या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

श्रतः श्रव 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, 'उक्त श्रिधिनियम' की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) पटेल नगीनदास उकाभाई, 115, एम० म्राई० जी०, शास्त्री नगर, भावनगर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री विरोन्द्र रतीलाल बोरा, (2) श्री देवेन्द्र रतीलाल बोरा, तथा (3) श्री हसमुखलाल रतीलाल बोरा, पांजरा पोल, दूसरी गली, लक्ष्मी निवास, दूसरी मंजिल, बम्बई-4 । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक दो मंजिल वाला बंगला जो 528.83 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका प्लाट नं० 947-बी० है तथा जो गीता चौक के पास, डॉन एरिया, इंडणा नगर, भावनगर में स्थित है।

जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 5 मार्च, 1976

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-681 (295)/1-1/75-76:—यत:, मुझे, जे० कथूरिया,

प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रिधितियम कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सनन्द नं० 6296, नया सिटी सर्वे वार्ड नं० 3 है, जो महालक्ष्मी मंदिर के पास, बोरा बाजार, भावनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, भावनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 25-8-75 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक्ष है धौर यह कि अन्तरक (ध्रन्तरकों) धौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उनत श्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठनियम, या धनकर श्रिष्ठनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रधीत्:—

- (1) श्री हर्ष कुमार विरेन्द्र राए डेसाई, श्रटाभाई रोड़, प्लाट नं० 153, कृष्णा नगर, भावनगर। (श्रन्तरक)
- (2) किरण कारपोरेशन, वोरा बाजार, भावनगर, की श्रोर से थागीदार:
  - (1) गुणवंतभाई कान्जीभाई शाह,
  - (2) वासंतीबेन हरश्यचन्द शेठ,
  - (3) प्रतिभाबेन रसिकलाल भाह तथा
  - (4) हर्षभाई विरेन्द्रराए डेसाई । (म्रन्तरिती)
  - (3) (1) मंगल भारती होटेल,
    - (2) बाबुभाईटेलर,
    - (3) प्रभुदास सोनी,
    - (4) रसिकलाल के० शाह।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उन्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अ**नुसू**ची

एक अचल सम्पत्ति जो "िकरण विध्या-श्राश्रम" के नाम से प्रख्यात है तथा जिसका नया सिटी सर्वे वार्ड नं० 3, सनन्द नं० 6296 है तथा जो महालक्ष्मी मंदिर के पास वोरा बाजार, भावनगर में स्थित है।

> जे० कथ्रिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 12 मार्च, 1976।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज- । भ्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 20 फरवरी 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-763 (273)/1-1/75-76:—-यतः, मुझे, जे० कथूरिया, आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से प्रधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 198, फायनल लाट नं० 143, टी० पी० एस० नं० 14, है जो शाहीबाग, श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विश्वत है), रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 22-8-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाधत, उक्त अधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्ष्मने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या म्रान्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम, या धन-कर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः म्रब उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं; उक्त मधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित अ्यक्तियों, भ्रर्थात्:-

- 1. (1) श्रीमती विनोदाबेन हर्षदराए श्रध्यारू,
  - (2) श्री पार्थिव हर्षदराए ग्रध्यारू,
- (3) कुमारी श्रुंगारी हर्षदराए श्रध्यारू, "कुम-कुम" पचवटी, सी० जी० रोड़, नं० 1, एल्सिक्रज, ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

2. डा० जगदीश रामनाथ जाजू, 13, सुभाष नगर, गिरधर नगर के पास, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसृची

एक खुली जमीन का प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 709 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे सं० नं० 198, फायनल प्लाट नं० 143, टी० पी० एस० नं० 14 है तथा जो शाहीबाग श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 22-8-75 वाले दस्तावेज नं० 12347 में दिया गया है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 20-2-76

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०--

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-J, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 20 फरवरी 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-763 (274)/1-1/75-76:—यत:, मुझे, जे० कथूरिया, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसक उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 198, फायनल प्लाट नं० 143, टीं० पी० एस० नं० 14, है, जो श्रहमदाबाद शाहीबाग, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1961 (1908 का 16) के श्रधीन, 22-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
धिष्ठक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत उक्स ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उपत ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथीत्ः—-

- (1) श्रीमती विनोदाबेन हर्षदराए ग्रध्यारू,
- (2) श्री पार्थिव हर्षदराए भ्रध्यारू,
- (3) कुमारी श्रुंगारी हर्षदराए ग्रध्यारू, "कुम-कुम" पंचवटी सी० जी० रोड़ नं० 1, एल्सि ब्रिज, ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती चित्राबेन जगदीश जाजू, 13, सुभाष नगर,
 गिरधर नगर के पास, श्रहमदाबाद।
 (श्रन्तरिती)

को यहसूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक खुली जमीन का प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 709 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 198, फायनल प्लाट नं० 143, टी० पी० एस० नं० 14 है तथा जो शाहीबाग, श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 22-8-75 वाले दस्तावेज में दिया गया है।

> जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 20-2-76

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०------

# भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 20 मार्च 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-743 (305)/1-1/ 75-76:--यतः, मुझे, जे० कथुरिया, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि 🗸 स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-व० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 197 तथा 199/2/बी०, टी० पी० एस० नं 19 है, जो मेमनगर, श्रष्टमवाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 20-8-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह मधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) ग्रीर प्रतिशत **भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय** पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिवित्यम', के ग्रिवीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कमी क्षरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर घिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम', या घन-कर प्रिचित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपामें में सुविधा के लिए।

म्रतः अब 'उक्त मिधिनियम', की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, 'उक्त मिधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभ्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्री रोहिन्टन डुंगजी दारूवाला, रूम नं० 5, ग्रांड होटेल बिल्डिंग, लाल दरवाजा, श्रहमदाबाद । (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स प्रक्ति बिल्डर्स, 174, नई क्लाथ मारकेट, रायपुर-गेट, स्रहमदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 2794 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 197 तथा 199/2/बी०, टी० पी० एस०, नं० 19 है तथा जो मेमनगर, श्रहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 16-3-1976

# प्रसप धाई० टी० एन० एस०---

# ग्रायकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 20 मार्च 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-754(306)/1-1/75-76---यत:, मुझे, जे० कथूरिया,

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० सर्वे नं० 54, 57 तथा 58(भाग) है, जो सहिज-पुर—बोधा, स्रहमदाबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध सनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय स्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 17-8-75

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र ह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम' के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खा) ऐसी किसी भाग या किसी धन या ग्रन्थ ध्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिष्ठिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित स्यक्तियों, श्रर्थात्ः —

- 1. (1) श्री चिमन लाल कुबेर दास मोदी,
- (2) श्रीमती कमलाबेन मावजीभाई, कुबेर-निवास, राए खड़, श्रहमदाबाद । (श्रन्तरक)
- नव दुर्गा टेनामेन्ट्स एसोसियेशन, एस० टी० सेन्ट्रल वर्कशाप के सामने, नरोड़ा-रोड़, पाटीया, डाक-खाना, सहिजपुर— बोधा, ग्रहमवाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 6659 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 54, 57 तथा 58 (भाग) है तथा जो सहिजपुर बोधा, भ्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद ।

तारीख: 20-3-1976

मोहर : 🛊

प्ररूप आई० टो० एन० एस०----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-घ (1) के अभ्रीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रोज-I, भ्रहमदाबाद

श्रमदाबाद, दिनांक 1 श्रप्रैल 1976

निवेश सं० ए० सी० ध्यू० 23-I-689(307)/1-1/ 75-76---यतः, मुझे, जे० कथूरिया, धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें म्रधिनियम' कहा गया पश्चात 'उफ्त की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 25,000/-- **र**० से अधिक है उचित बाजार श्रौर जिसकी स० सर्वे नं० 215, प्लाट नं० 1071-73 है, जो दी म्रजी इन्डस्ट्रीयल एरीया, राजकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रन सूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 22-8-75 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अक्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और∤या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 8----46GI/76

- (1) कोमसेल्स इन्जिनीयरिंग वर्कस, राजकोट । मालिक:—श्री दामोदर मोहनलाल सोनी, 80 फीट, रोड़, ''ईंग्वर-श्राषीण,'' राजकोट । (ग्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स वेको इलेक्ट्रोप्लेट्स, राजकोट की छोर से मुख्य भागीदार, श्री लॉलजी भाई किरमणीभाई वेकरिया, भक्ती नगर, स्टेणन गोडाऊन रोड़, राजकोट । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'सक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक भ्रचल सम्पत्ति जो 1500 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 215 प्लाट नं० 1071-73 है तथा जो भ्रजी इण्डस्ट्रीयल एरीया, राजकोट में स्थित है।

> जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, महमदाबाद ।

तारी**ख**: 1 ग्रप्रैल, 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—— भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 7 श्रप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-765 (317)/1-1/75-76 म्म्यतः मुझो, जे० कथूरिया *भा*यकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिस की सं० फायनल प्लाट नं० 26, सब प्लाट नं० 18, टी० पी० एस० न० 4 है, जो गनेश गली, मनीनगर चार रस्ता, ग्रहमदा-बाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्दीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रगस्त 1975 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति

का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे

दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और

अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच

ऐसें अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव उन्त अधिनियम, की घारा 269-ग के श्रमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :--- (1) हीरालक्ष्मी सुपुत्नी मोहनलाल, पून्जीराम मोदी, मणीनगर चार रास्ता, ग्रहमदाबाद।

(भ्रम्तरक)

- (2) (1) श्री ग्रम्बालाल विट्ठल दास,
  - (2) विमलाबेन श्रम्बालाल, मणीनगर चार रास्ता, श्रहमदाबाद-8 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक श्रचल सम्पत्ति जो 486 वर्ग गज भूमि पर स्थित हैं तथा जिसका फायनल प्लाट नं० 126, सब प्लाट नं० 18, टी० पी० एस० नं० 4, है तथा जो गणेश गली, मनीनगर, चार रास्ता, श्रहमदाबाद में स्थित हैं।

> जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-I, म्रहमदाबाद

दिनांक 7 श्रप्रैल 1976 मोहर: प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०---

श्रायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 9 म्रप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू०:— 23-I—691(319)/16-6/75-76— यत:, मुझे, जे० कथूरिया श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिस की सं० सर्घें नं० 608-ए, है, जो परदमन-नगर, राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 8-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिष्ठात स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त घिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: भ्रब, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:——

- (1) बिपिन कुमार गजानन जोशी,
- (2) श्री शिरीशचन्द्र गजानन जोशी, मोटी टैंकी के पास, राजकोट। (ग्रम्तरक)
- (2) मैंसर्स : श्रार० पी० शाह सन्स, (रजिस्ट्रेंड फर्म) दाणा पीठ, राजकोट। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उषत सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 विन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हपट्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक प्रचल सम्पत्ति (जिसे गिरा दिया गया है) जो 776-2-3 वर्ग गज भूमि सहित है तथा जिसका सर्वे नं० 608-ए है तथा जो मोटी टैंकी के पास, परदुमन नगर, राजकोट में स्थित है।

जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, म्रहसदाबाद

दिनांक : 9 भ्रप्रैल 1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजीन रेंज-11, भ्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1976

निदेश सं० 314/ए० सी० नयु० 23-534/19-7/75-76-यत:, मुझे, पी० एन० मित्तल भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गिया है), 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० से अधिक ग्रीर जिस की सं० सर्वे नं० 389-ए हिस्सा नं० 1, 2 ग्रीर 3 पैकी है, तथा जो कनार गाम, ग्रस्थनीकुमार रोड, सूरत में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 20 8-1975 को वर्चोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (मन्सरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में निम्मलिखित बास्तिषिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भ्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :--- (1) श्री फुलचन्दभाई जैकिसनदास वखारिया, नथापुरा, करवा रोड, सूरत

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्रकान्त नाथुभाई शाह 9/441, स्टोर शेरी, वाडी फालिया, सूरत

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 ् दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

खुली जमीन जिस का सर्वे नं० 389/ए हिस्सा नं० 1, 2 श्रौर 3 पैकी फाईनल प्लाट नं 793 कुल माप 4213 वर्ग गज (थायर फेंसिंग सहित) श्रश्वभीकुमार रोड, कतार गांव, सूरत में स्थित हैं जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सूरत के श्रगस्त 1975 के रजिट्रीकृत विसेख नं० 3819 में प्रदर्शित हैं

पी० एन० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 29-3-76

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमवाबाद, दिनांक 29 मार्च 1976

निवेश नं० 315/ए० सी० क्यू० 23-594/19-7/75-76---भ्रतः, मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम शिधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है और जिस की सं॰ नोंध नं॰ 196 वार्ड नं॰ 9, है, जो जो पगिथया गेरी, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12 श्रगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर प्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:—

- (1) श्री बलवंतराय जयिकसनदास, एच० यू० एफ० के कर्ता श्रौर ग्रन्य जगिथया गोरी, वाडी फालियां, सूरत (भ्रन्तरक)
- (2) श्री भ्रंबालाल बलवंतराय, जसवंत लाल बलवंतराय नवीनभाई, बलवंतराय, श्ररविंदलाल बलवंतराय, जितेन्द्र बलवंतराय, पगथिया शेरी, वांडी फालिया, सूरत (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## **भनुसूची**

पुराने रोड सहित खुली जमीन जिसका नोंध नं० 196 बार्ड नं० 9 कुल माप 281 वर्ग गज है तथा जो पगिषया शेरी, बाडी फालिया, सूसत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी सूरत के अगस्त 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2067 में प्रदिश्ति है।

> पी० एन० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 29-3-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-V, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 11 मार्च 1976

निदेश सं० ए० सी० 51/ग्रर्जन रेंज-V/कल०/75-76-श्रतः, मुझे, एस० एस० इनामदार श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 কা (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जयत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है ग्रौर जिस की सं० 107 है तथा जो ने० सुभाष चन्द्र बोस रोड पी० एस० टौलीगंज स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 20 ग्रगस्त 75 को पूर्वोषत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्सरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त प्रन्तरण शिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रिध-नियम' के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रम, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रंधिनियम', की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथित्ः—

- (1) मैं जयपुर इन्वेस्टमेन्ट कम्पनी लिमिटेड ( भ्रन्तरक)
- (2) श्री श्रीपाल बहादुर सिंह (श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क्रता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर सकत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त ग्रब्दों घौर पदों को, जो 'उक्स अधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

1 बीघा 13 छटाक 15 स्क्वे० फी० भूमि एवं 2 मन्जला मकान 107 ने० सुभाष चन्द्र बोस रोड, पी० एस० टौलीगंज, कलकत्ता स्थित एवं डीज सं० 4927 ता० 20-8-1975 से रजिस्ट्रीकृत

> एस० एस० इनामदारं सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज V, कलकत्ता 54, रफी श्रहमद किदवाई रोड, कलकक्षा-16

दिनांक: 11 मार्च 1976

PART III—SEC. 1]

प्ररूप म्राई० टी० एम० एस०----

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्प्रर्जन रेंज-V, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 1 श्रप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी० 1/ग्र० रे०-5/कल०/76-77—श्रत:, मुझे, एस० एस० ईनामदार म्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है ग्रौर जिस की सं० 2 तथा 2/9 है तथा जो नेताजी सुभाष रोड, थाना- बालि, जिला-हावड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 20 ग्रगस्त 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रौर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त 'अधि-नियम' के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रधिनियम', या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धत: अब, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की घारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधातु:--

(1) मैसर्स मनिकान्त प्रा० लि०, 15, मैथ्यू रोड, फोर्ट

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्स गान्ति नगर हाउसिंग सोसाइटी प्रा० लि० 50, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :- -

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त भ्रधिनियम', के प्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही भ्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 11 बीघा 7 कट्ठा 3 छ० है जो 2 तथा 2/9, नेताजी सुभाष रोड, हावड़ा (थाना—बालि) में स्थित है। दलील सं० 1-4922 ता०, 20-8-75, रजिस्ट्री कार्यालय कल-कत्ता ।

> एस० एस० ईनामदार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, $\mathbf{V}$ , कलकत्ता 54, रफी श्रहमद किदवाई रोड़, कलकत्ता-16

दिनांक: 1 ग्रप्रैल 1976

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-V, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 1 श्रप्रैल 1976

मुझे, एस० एस० ईनामदार ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्रधिक है भ्रौर जिस की सं० 2 तथा 2/9 है तथा जो नेताजी सुभाष रोड, थाना-बालि जिला~ हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 20 प्रगस्त 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त ग्रधिनियम' के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

ग्रतः अब, 'उक्त ग्रधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में, में 'उक्त अधिनियम,' की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्ः— (1) मेसर्स मनिकान्त प्रा० लि०, 15 मैथ्यू रोड, फोर्ट बम्बई

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स भान्ति नगर हाउसिंग सोसाइटी प्रा॰ लि॰ 50, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के श्रिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:~-

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से-30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधितियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 15 क० 14 छ० 40 वर्ग फीट है जो 2 तथा 2/9, नेताजी सुभाष रोड, थाना—बालि, जिला हावड़ा में स्थित है।

दलील सं० -I-4924 दिनांक 20 ग्रगस्त 1975 रजिस्ट्री कार्यालय---कलकत्ता

> एस० एस० ईनामदार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-V, कलकत्ता 54, रफी भ्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 1 ग्राप्रैल 1976

प्ररूप माई०टी०एन०एस०--

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 ना 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 भ्रप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी०-3/ग्र० रे०-5/कल०/76-77---भ्रतः मझे, एस० एस० ईनामदार **धायक**र (1961 年 143) म्रधिनियम, 1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिमियम' कहा गया है), की घारा 2.69-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विगवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैं भ्रौर जिसकी सं० 15 है तथा जो दम-दम रोड़, थाना चित्रपुर-24 परगना स्थित है (ग्रीर इससे उपावद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 11 ग्रगस्त 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत - ध्रधिक है ग्रीर श्रन्तरक (ब्रन्तरकों) भौर ब्रन्तरिती (ब्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ब्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निभ्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्यं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: श्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उबत श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:—— 9—46 GI/76

- (1) श्रीमती राजलक्ष्मी मिल्लिक पत्नी श्री भुवनेश्वर मिल्लिक बड़ा बाजार, चितपुर, जिला —हुगली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रनिल कुमार मित्रा, 14/सी/1ए दम-दम रोड, कलकत्ता-30

(ग्रन्तरिती)

को वह भूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 3 बीघा 12 क०, इमारत सहित, जो 15, दम-दम रोड़, थाना चितपुर, जिला-24 परगना पर स्थित है। दलील सं० I-4686 दिनांक 11 प्रगस्त 1975 रजिस्ट्री कार्यालय-कलकत्ता

एस० एस० ईनामदार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 5, कलकत्ता 54, रफी ग्रहमद किदवाई रोड़, कलकत्ता-16

दिनांक 3 भ्रप्रैल 1976 मोहर: प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269~षं(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 श्रप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी०-4/प्र० रे० 5/कल०/76-77— प्रतः मुझे, एस० एस० ईनामदार प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है प्रौर जिसकी मं० दाग सं० 9761, ख० –1849 है तथा जो मौजा चातरा, थाना -श्रीरामपुर जिला हुगली स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 18 श्रगस्त 1975

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधां के लिए;

म्रतः अब 'उक्त म्रिधिनियम' की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के म्रिधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती ज्योत्सना चटर्जी, 141, लेक रोड, कलकत्ता-29

(भ्रन्तरक)

(2) श्री परितोष मजुमदार तथा श्रीमती सुषमा मजुमदार श्रार० के०-I/332, सीन्दरी, जिला—धनबाद । (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 0.0132 एकड़, जिसके साथ दो तल्ला इमारत है जो दाग सं० 9761, खनी ग्रान सं०-1849 मौजा-चातरा, थाना--श्रीरामपुर जिला--हुगली में स्थित है।

> एस० एस० ईनामदार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 5, कलकत्ता 54, रफी ग्रहमद किदवाई रोड़, कलकत्ता-16

दिनांक 3 म्रप्रैल 1976 मोहर : प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 श्रप्रैल 1976

मुझे, एस० एस० ईनामदार भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख़्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्रह्म 25,000/- रु० से **ग्र**धिक हैं। ग्रीर जिस की सं० दाग सं० 2686 ख० सं० 825 है तथा जो मौजा--बेलूड़, थाना--बालि, जिला--हावड़ा में स्थिति है (ग्रौर इससे उपाबक्क अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्री-कर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13 अगस्त 1975को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भ्रमुसार भ्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित **उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं** किया गया है:--

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत उक्त म्रधिनियम के म्रधीन कर देने के म्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत: श्रब उनत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थाव :--- (1) श्रीमती (1) शान्ति देवी (2) सर्व श्री हेमन्त कुमार गनेड़ीवाला (3) सुशील कुमर गनेड़ीवाला (4) सरद कुमार गनेड़ीवाला

(भ्रन्तरक)

(2) (1) श्री सूरज मल गुप्ता (2) राम कृंवर सिंह (3) नवल किशोर गुप्ता (4) श्रीमती मालती देवी गुप्ता (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के संबंध में कोई भी म्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अमुसुची

भूमि का क्षेत्रफल 2 बीघा 19 क० तथा 3 छ०, बनावट सिहत, जो 15 तथा 15/2, बेलूड़ रोड़, दाग सं० 2686 खली-प्रान सं० 425, मौजा बेलूड़ थाना—बालि, जिला-स्वावड़ा में स्थित है।

दलील सं० 3203 दिनांक 13 ग्रगस्त 1975

एस० एस० ईनामदार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5, कलकत्ता

कलकत्ता–16

दिनांक 3 श्रप्रैल 1976 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 ग्रप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी० 6/ग्र० रें०-5/कल० /76-77—ग्रत: मझे एस० एस० ईनामदार भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से भ्रधिक है ग्रौर जिस की सं० मौजा बैरकपुर है तथा जो थाना— बालि. जिला हावड़ा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्या-लय. हावडा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 14 श्रगस्त 1975 को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-**गत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)** अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्थात्:— (1) श्री पंचानन राय

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कालि प्रसाद गुप्ता

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

तालाब सहित भूमि क्षेत्र फल 5 बीघा 15 क० 10 छ० 8 वर्ग फीट का 3/4 वां हिंस्सा, जो दाग सं० 2996, 2997, 2999, 3000 खती० सं० 1053 मौजा बैरकपुर, थाना-बालि, जिला हावड़ा में स्थित है।

> एस० एस० ईनामदार ंसक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन-रेंज 5, कलकत्ता

दिनांक 6 अप्रैल 1976 मोह्रः प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 ग्रप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी०-6/ ग्र० रे०-5/कल०/76-77—ग्रतः, मुझे, एस० एस० ईनामदार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/— रुपये से ग्रधिक है और जिस की सं० मौजा बैरकपुर है तथा जो थाना—बालि जिला—हावड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय हावड़ा में रजिट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 14 ग्रगस्त 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के ग्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके

कृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-शत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक

रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियंम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) चितरंजन राय

(भ्रन्तरक)

(2) श्री काली प्रसाद गुप्ता

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

तालाब सहित भूमि का क्षेत्रफल 5 बीघा, 15 क० 10 छ० का 1/4 वां हिस्सा, जिसका दाग सं० 2996, 2997, तथा 3000, खती० स० 1053, मौजा—बैरकपुर, थाना—बालि — जिला—हाबड़ा में स्थित है।

दलील सं० 3223, दिनांक 14 प्रगस्त 1975

एस० एस० ईनामदार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन-रेंज 5, कलकत्ता

दिनांक 6 म्रप्रैल 1976 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण),

श्रर्जन रेंज-5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 स्रप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी० 8/ग्रं० रे०-5/कल०/76-77----ग्रतः, मुक्के, एस० एस० ईनामदार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उभ्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० मौजा—वैरकपुर है तथा जो थाना—वालि जिला हावड़ा में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन; दिनांक 12 अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब 'उक्त मधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पंचानन राय

(भ्रन्तरक)

(2) (1) श्री मोहत लाल टिकमानी, (2) कृष्ण कुमार गर्ग (3) भगवति प्रसाद (4) शम्भु चरण कानोड़िया (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारी खासे 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हपट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त अधि-नियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

तालाब सहित भूमि के क्षेत्रफल 5 बीघा 18 क० 9 छ० 6 बर्ग फी० का 3/4वां हिस्सा जो दाग सं० 2993, 2994, 1996, 2997 खती नं० 927 तथा 1053, मौजा—बैरक पुर, थाना बालि, जिला—हावड़ा में स्थित है।

एस० एस० ईनामदार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-5, कलकत्ता

दिनांक 6 स्रप्रैल 1976 मोहर: प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०---

वरूप श्राइवटाव्युनव्युसव——

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

श्रर्जन रेंज 5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 ग्रप्नेल 1976

निदेश सं० ए० सी०-10/म्रं० रे०-5/कल०/76-77—म्मतः, मम्रो, एस० एस० ईनामदार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मौजाबैरकपुर है तथा जो थाना—बालि, जिला हावड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, हावड़ा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 13 अगस्त 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— 1. श्री पंचांनन राय

(भ्रन्तरक)

2. श्री भवानी चरण नन्दी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

तालाब सहित भूमि का क्षेत्रफल 4 बीघा 16 क० 5 छ० 3 वर्ग फी० हैं जो दाग सं० 2995, खती नं० 1097 में स्थित है। मौजा—बैरकपुर, थाना—बालि, जिला—हावड़ा।

> एस० एस० ईनामदार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5, कलकत्ता 54, रफी अहमद किदबाई रोड़, कलकत्ता-16

दिनांक: 6 ग्रप्नैल 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 श्रप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी० 9/ग्र० रै०-5/कल०/76-77----ग्रत:,, मुझे, एस० एस० ईनामदार, आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारीको यह विश्वासकरनेका कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० मौजा--बैरकपुर है तथा जो थाना--बालि, जिला--हावड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 12 श्रगस्त 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त

सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित च्बत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गयाहै:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (स्त्र) ऐसी किसी आय या किसी धनया अन्य आस्तियों जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' अधिनियम, धनकर 1957 के प्रयोजनार्य अन्तरिती 27) प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अत: अब 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उत्तत अधिनियम, की घारा 269-च की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री चितरंजन राय

(भ्रन्तरक)

2. (1) श्री मोहन लाल टिकमानी (2) कृष्ण कुमार गुप्ता (3) भगवति प्रसाद कानोड़िया (4) शम्भु चरण कानोडिया (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

तालाब सहित भूमि के क्षेत्रफल 5 बीधा 18 क० 9 छ० 7 वर्ग फीट का 🖢 वां हिस्सा जो दाग सं० 2993, 2994, 2996, 2997, खती॰ 927 तथा 1053, मौजा--बैरकपुर, थाना---बालि, जिला---हावड़ा ।

> एस० एस० ईनामदार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्चर्जन रेंज-5, 54, रफी श्रहमद किदवाई रोड़

कलकत्ता-16

दिनांक: 6 श्रप्रैल 1976

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 मार्च 1976

मुझे, एल० के० बलसूत्रमनियन, षायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से प्रधिक है श्रौर जिसकी सं0145 है तथा जो नेता जी सुभाष चन्द्र बोस रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक, 12 ग्रगस्त 1975 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुभ्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और ग्रन्तरक (मन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त श्रिधिनयम' के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

ग्रतः भव उक्त म्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. ग्रथीत् :---10---46GI/76

- श्री क्याम सुन्दर गोयेंका 9 खडन स्ट्रीट, कलकत्ता (भ्रन्तरक)
- 2. पुष्प काजारिया 9 बनफील्ड लेन, कलकत्ता (भ्रन्तरिती)
- 4. (1) सुशीला काजारिया
  - (2) सकुन काजारिया
  - (3) प्रभावती काजारिया

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्त्रबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ब्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रष्टिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

# अनुसूची

करीब 1 बीधा 19 कट्ठा 13 छटाक 14 स्को फुट जमीन साथ उसपर बनाया दो तल्ला मकान का प्रविभाजित  $\frac{1}{4}$ हिस्सा जो 145, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड़, थाना — यादब-पुर, 24 परगना पर श्रवस्थित और जो रजिस्ट्रार ग्राफ एसुरेन्सस कलकत्ता, द्वारा रजिस्ट्रीकृत दिलल सं० 4720/ 1975 का श्रनुसार हैं।

> एल० के० बालसुब्रमनियन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III 54, रफी ग्रहमद किदवाई रोड़, कलकत्ता-16

दिनांक: 18 मार्च 1976

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०----

अ। यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायक्त श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 मार्च 1976

निदेश सं० 324/एक्रे JII/75-76/ कल०— यत: मुझे, एल० के० बालसूब्रमनियन, भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000√- रु० से ग्रधिक है श्रीर जिस की सं० 145 है तथा जो नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, दिनांक 12 अगस्त 1975 पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृण्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1952 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए थां, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः भव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मुधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :----

- (1) श्री ण्याम मुन्दर गोयेंका 9 खंडन स्ट्रीट, कलकता (ध्रस्तरक)
- (2) श्रीमती सुशीला काजारिया, 9 बन फील्ड लेन, कलकत्ता (श्रन्तरिती)
- (3) 1 पुष्प काजारिया
  - 2 सकुन काजारिया
  - 3. प्रभावती काजारिया (वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पत्ति में हिलवदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में पिश्भाषित है, वहीं धर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

करीब 1 बीघा 19 कट्ठा 13 छटाक 14 स्क्वे० फुट जमीन साथ उसपर बनाया दोतल्ला मकान का ग्रविभाजित 1/4 हिस्सा जो 145, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड़, थाना—यादवपुर, 24 परगना पर ग्रवस्थित ग्रौर जो रजिस्ट्रार ग्राफ एसुरेन्सेस कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलील सं० 4716/1975 का ग्रनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमिनमन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-III 54, रफी भ्रहमद किदबाई रोड़, कलकत्ता-16

दिनांक: 18 मार्च 1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---- (1) श्री ग्याम भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना (2) श्रीमती सनु

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 मार्च 1976

निदेश सं० 325/एकुरे 111/75-76/कलकत्ता--यतः मुझे, एल० के० बालसुन्नमनियन, भायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से श्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 145 है तथा जो नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड़, कलकत्ता, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 12 भ्रगस्त 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रिष्ठिनियम', के श्रिष्ठीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम'. की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :---

- (1) श्री श्याम सुन्दर गोयेंका 9, खडन स्ट्रीट कलकत्ता (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सकुन काजारिया 9 बन फील्ड लेन, अलकत्ता (ग्रन्तरिती)
- (4) 1 सुशीला करजारिया
  - 2. पुष्प काजारिया
  - प्रभावती काजारिया
     (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी

जानता है वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रीर पद्यों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के भ्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस म्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

करोत्रं 1 बीघा 19 कट्ठा 13 छटाक 14 स्क्वे० फुट जमीन साथ उसपर बनाया दो तल्ला मकान का प्रविभाजित 1/4 हिस्सा जो 145 नेतजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, थाना —पादबपुर, 24 परगना पर अवस्थित श्रीर जो रिजस्ट्रार श्राफ एसुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रिजस्ट्रीकृत दलील सं० 4717/1975 का श्रनुसार है।

> एल ० के० बालसुन्नमनियन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-III 54, रफी ग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 18 मार्च 1976

प्रकप धाई० टी० एन० एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, III कलकत्ता कलकत्ता, दिनीक 18 मार्च 1976

निदेश सं० 326/एकुरे०-III/75-76/कल०—स्रतः मुझे, एल० के० बाल सुत्रमनियन

श्रायकर ग्रधिनियम,1961 (1961 का

43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 145 है तथा जो नेता जीं सुभाष चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 12-8-1975

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान ग्रन्तरित के सिए है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे का उचित प्रतिशत से श्रधिक प्रतिफल का पन्द्रह दश्यमान म्रन्तरिती भ्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम' के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी थाय या किसी धन या थ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: अब, 'उन्त अधिनियम', की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, 'उन्त श्रिधिनयम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात्:— श्री श्याम सुन्दर गोयेंका ,
 6,खडन, स्ट्रीट, कलकत्ता ।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती प्रभावती काजारिया,
 १ बनफील्ड लेन, कलकत्ता ।

(ग्रन्तरिती)

- 3. (1) श्री मती सुशीला काजारिया
  - (2) पुष्प काजारिया
  - (3) सकुन काजारिया

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रत्ति में हितबड़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों थीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

करीब 1 बीघा 19 कट्ठा 13 छटांक 14 स्क्वे॰ फुट जमीन साय उस पर बनाया दोतल्ला मकान का ग्रविभाजित 1/4 हिस्सा जो 145, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, थाना यादबपुर, 24 परगना पर ग्रवस्थित श्रीर जो रजिस्ट्रार श्राफ एस्युरेसेन्स, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दिल्ल सं॰ 4716/1975 का श्रनुसार है।

> एल० के० बाल सुन्नमनियन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 18-3-1976

# प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस०-

भायकर भिधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-III, कलक ा-16
कलकत्ता, दिनांक 22 मार्च, 1976

निदेश सं० एकुरे॰ III / 75-76 / कल० -- यतः मुझे, एल० के० बाल सुब्रमनियन, आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु० से प्रधिक है भौर जिसकी सं० 40/17/की है तथा जो मुरएमिन्यु, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रालिपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (भ्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मधिनियम, के ग्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायक्षर भ्रक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

घतः धव, 'उक्त प्रधिनियम' की घारा 269-ग के घनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधात :-- श्रीमती सिंबता पाठक
 80/17 बी, मुर एमिन्यु, कलकत्ता-40

(भ्रन्तरक)

श्री समीर कुमार पांजा
 27/40/1-के० एम० नस्कर, रोड, कलकत्ता - 40

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

करीब 3 कट्ठा 7 छटांक 11 स्क्बे ० फुट जमीन साथ पर उस पर बनाया दोतल्ला मकान जो पौर सं० 40/17,बी, मुर एमिन्यु, थाना यादबपुर, कलकत्ता पर प्रवस्थित घौर जो 75 साल का 4267 नं० डिड में भ्रालिपुर 24-परगना सबरिजस्ट्री-कर्ता के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण हुम्रा है।

एल० के० बाल सुन्नमितयन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, 54, रफीग्रहमद किदबाई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 22-3-1976

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 मार्च 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रश्लीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री शेख शराफत हुसैन, बोलपुर (निचुपति),पो० बोलपुर,जिला बिरभुम । (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री ग्राणिष गृहराय, 314,पर्नेश्री पल्ली थाना बेहाला, 24 परगना।
  - (2) श्रीमती कृष्णा राय,67/1, एस० एन० राय रोड, कलकत्ता-38
  - (3) श्रीमती सुक्ला चौधुरी, 25 इस्ट रोड, कलकत्ता-32

(श्रन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

करीब 5 कट्ठा 3 छटांक 21 स्क्बे० फुट जमीन जो सं० 1 गरियाहाट रोड, कलकत्ता पर अवस्थित और उसका अंश विशेष है जो सब-रजिस्ट्रार श्रालिपुर कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दिलल सं० 4274/1975 के अनुसार है।

एल० के० बाल सुन्नमिनयन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-111, 54,रफी ग्रहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 26-3-1976

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 मार्च 1976

निदेश सं० 330/एक् रे-III/75-76/कलकत्ता--यतः मुझे एल० के० वाल सुब्रमनियन, म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रौर जिसकी संख्या 26/6 है तथा जो हिन्द्स्तान पार्क, कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता श्रधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्री-करण म्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन 4-8-1975 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त

(क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या

भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

(ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या भ्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिगाने में सुविधा के लिए;

म्रत: म्रब, उक्त म्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त म्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के म्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों म्रथित:—

- श्रीमती देवारित घोष
   14, हेमचन्द स्ट्रीट, कलकत्ता-14
   (भ्रन्तरक)
- गणेश श्रोझा,
   26/6,हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता-29
   (श्रन्तरिती)
- 3. (1) ''श्यामसंस'' (क्लाथ सोप)
  - (2) "ड्रेस को" ( ,, )
  - (3) इभा ल्यान्ड टेलरस (,, )
  - (4) श्री एस० सी० जैन,
  - (5) यूनियन बैंक
  - (6) श्री चौबे

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो जक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं स्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

करीब 2.5 कट्टा जमीन साथ उस पर बनाया तीन तस्ला मकान जो सं० 26/6, हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता का दक्षिण भाग है, श्रौर जो रजिस्ट्रार श्राफ एस्युरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 4549/1975 के श्रनुसार है।

> एल० के० बालसुब्रमनियन सक्षम प्राधिकारी ' सहायक आयंकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-III, 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख:30-3-1976

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्यारा 269-च (1) के म्रद्यीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता -16

कलकत्ता-16 दिनांक 30 मार्च 1976

निवेण सं० 331/एकुरे-III/75-76/कल०—श्रतः, मुझे, ल० क० वाल सुत्रमनियन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू०

से श्रधिक है **ग्रौर** जिसकी सं० 26/6 है तथा जो हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता में स्थित है ( ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 4-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार के मुख्य से कम के दुश्यमान प्रक्षिफल के लिए अन्सरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि ग्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (का) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घर्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का) 11 या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब उक्त मिधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मिधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों मर्पात्ः~ श्रीमती देबारित घोष
 14, हेमचन्द्र स्ट्रीट, कलकत्ता-14

(श्रन्तरक)

श्री देवदीप सिंह
 26/6, हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता 29

(अन्तरिती)

- 3. (1) श्रीकयन कुमार साहा
  - (2) श्री प्रीतम सि
  - (3) रजनी एम० सादवानी
  - (4) श्री नागिना राम शर्मा
  - (5)युनि**यन बैं**क
  - (6) श्रीमती गायत्री देवी

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्घ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

करीब 2.5 कट्टा जमीन साय उस पर बनाया तीन तल्ला मकान जो सं० 26/6, हिन्दुस्तान पार्क, कलककसा का उत्तर भाग है श्रीर जो रजिस्ट्रीर श्राफएस्युरेन्सस, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 4550/1975 के श्रनुसार है।

ल० क० बाल सुक्रमनियन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद किदवाई रोढ, कलकत्ता-16

तारीख: 30-3-1976

प्ररूप प्राई• टी० एन० एस०-

भायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 श्रप्रैल 1976

निदेश सं० टी॰ प्रार०-127/सी-126/कल०-1/75-76—यतः, मुझे, एस० के० चत्रवर्ती प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० 5 है, तथा जो प्रफुल्ल सरकार स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में प्रगैर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय 5, गम प्लेस नार्थ, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय 5, गम प्लेस नार्थ, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 7-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रधिनियम', के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11), या 'उक्त श्रधिनियम', या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम'की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिखित व्यक्तियों, ग्रवीत :---

11-46 GI/76

1. श्री सुनीत कुमार लाहिड़ी

(भ्रन्तरक)

2. श्री अभोक कुमार पोड्डार,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकश्ण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उन्त अधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

10 कट्ठा 15 छटांक जमीन का 1/12 हिस्सा जो 5, प्रफुल्ल सरकार स्ट्रीट, (पहले 16 बेन्टीक स्ट्रीट, ग्रीर 35, सुतारकीन स्ट्रीट) पर श्रवस्थित है।

एस० के० चऋवती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, 54 रफी अहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 6-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, विनांक 9 मप्रेल 1976

निदेश सं० टी०ग्रार०-128/सी-125/कल०-1/75-76---**ग्रतः,** मुझे, एस० के० <del>चक्र</del>वर्ती श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का सम्पत्ति, जिसका नि स्याधर कारण है। से अधिक है 25,000/-₹० मुल्य भौर जिसकी संख्या 5 है तथा जो प्रफुल्ल सरकार स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उबाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय 5 गम० प्लेस नार्थ, कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 6-8-1975 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

लिखित में बास्तदिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:— 1. श्रीमती गौरी चौधुरी,

(भ्रन्तरक)

2. श्री भ्रशोक कुमार पोड्डार,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अ**भुसूची**

10 कट्टा 15 छटांक जमीन का 1/12 हिस्सा जो 5,प्रफुल्ल सरकार स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित है।

> एस० के० चन्नवर्सी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज-I, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख । 9-4-1976 मोहर: प्ररूप० म्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16 दिनांक 8 प्रप्रैल 1976

निदेण सं० ए०सी०-1/ग्रार०-II/कल०/76-77—ग्रतः, मुझे, ग्रार० बी० लालमोया

म्रायकर म्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से म्रधिक है और

जिसकी सं बसरा नं 8, 202, 162, 8346 और दाग सं 234, 234/388, 234/389, 331/368, 331/474, 8228 है तथा जो मौजा रामपुर, परगना मागूरा पुलिस थाना, मईसतला, भ्रालिपुर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय रिजस्ट्रार श्राफ एस्युरेन्स कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 29-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधि∸ नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथितः—

- 1. चन्दुर सिबदीस श्रादबानि सुपुत्र श्री एल० सिवदास श्रादबानि।
  - (2) साम्रिज्ञी चादवानि, फ्लैट नं० 24-20/4, एलगिन रोड, कलकत्ता । (म्रन्तरक)
- 2. (1) श्री नुरू दियन ग्रवयास भाई
  - (2) साजाद ग्रवधास भाई
  - (3) जेकब, ग्रवयास भाई 27, ग्रोएसढन स्ट्रीट, कलकत्ता-23

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पर्वो का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन 4 ए० सुकर मौजा रामपुर परगना मगुरा, पी० एम० मरइसतला, श्रालिपुर खितयान-22, दाग 234, 234/388, 234/389, खितयान नं० 262, दाग नं० 332/368, 332/474-346-दाग नं० 228 है।

ग्रार० बी० लालमोया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, 54 रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारी**ख**: 8-4-76

# प्रक्रप आई० टी• एन• एस•---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण भ्रजन रेंज-II, कलकत्ता-16 कलकत्ता-16, दिनांक 8 श्रप्रैल 1976

निदेश सं० ए०सी०-2/आर-11/कल०/76-77—यतः, मुझे, आर० बी० लालमोयाः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है और जिसकी सं० 92-E है तथा जो भेलिपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है),

रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार ग्राफ एस्युरेन्स, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 8-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी क्षाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात :-- श्री ताराचन्द मोहाँका,
 39, एजका स्ट्रीट, कलकत्ता

(ग्रन्तरक)

ढफनी इलैक्ट्रिक प्राईवेट लिमिटेड,
 पि० 46-ए, राधा बाजार लेन, कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उ.त स्थाव क्यां हिनवा के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए ज सकेंगे।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस भाष्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन 11 काठा 7 छटांक 5 स्क्वायर फीट 92-E, भ्रालिपुर रोड, कलकत्ता ।

> त्र र० वि० लालमोया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, 54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता

तारीख: 8-4-76

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 फरवरी 1976

निर्देश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/315--यतः, सी० एस० जैन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० नोहरा नं० 12 है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18 अगस्त, 1975 को पूर्वोक्त सभ्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान लिए अन्तरित की गई है और मुझे प्रतिफल के यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे ५ ग्रयमान प्रातफल के पनप्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप रे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई । सा आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. सर्वश्री:
  - (1) सन्त लाल
  - (2) रामदयाल
  - (3) हुकमचन्द
  - (4) तारा चन्द
  - (5) मदनलाल पुत्रान श्री रामसुखदास उर्फ राम स्वरुप दास श्रग्रवाल निवासी श्रीगंगानगर ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री ग्रमरलाल पुत्न करमचन्द ग्ररोड़ा निवासी श्रीगंगानगर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

नोहरा संख्या 12, क्षेत्रफल 22' 90', इन्डस्ट्रीयल ऐरिया, श्रीगंगानगर जोकि उपपंजीयक, श्रीगंगानगर द्वारा 18-8-75 की पंजीबद्ध विक्रय पत्र में श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> सी० एस० जैन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 10-2-76

# प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्राधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 10 फरवरी 1976

राज । / सहा ० श्रा ० / श्रर्जन / ३१६ --- यतः मुझे , निर्देश सं० सी० एस० जैन. म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), 269-ব के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है श्रौर जिसकी सं० नोहरा नं० 12 है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्दीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 5 सितम्बर, 75 सम्पत्ति के उचित बाजार को पूर्वोक्त मध्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्रायकी बाबत 'उक्त भ्रधि-नियम,' के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर / या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम,' या धन कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

म्रत: म्रब 'उक्त म्रधिनियम' की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं, उक्त म्रधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथातु:—

- 1. सर्वश्री :
  - (1) सन्तलाल
  - (2) रामदयाल
  - (3) हुकमचन्द
  - (4) तारा चन्द
  - (5) मदनलाल पुत्रान रामसुखदास उर्फ रामस्वरुपदास श्रग्रवाल निवासी श्रीगंगानगर।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती शीला देवी पत्नी श्री श्रमरलाल अरोड़ा निवासी श्रीगंगानगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिद्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम,' के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

नोहरा संख्या 12, क्षेत्रफल 207' $\times$  90', इन्डस्ट्रीयल ऐरिया, श्रीगंगानगर, जोकि उप पंजीयक, श्री गंगानगर, द्वारा 5-9-75 को पंजीबद्ध विक्रय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

सी० एस० जैन सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 10-2-76

प्रारूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास दिनांक 2 श्रप्रैल, 1976

निदेश सं० X/1/63(ग्रगस्त)/75-76—यतः मुक्षे, जी० रामनाथन,

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 1 बी है, जो नुयुनत्तम रोड, मदुर्र में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मदुरे (पन्न सं० 2657/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकर ण ग्रिधिनियम 1908 (1908 गका 16) के ग्रिधीन ग्रगस्त, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त श्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सें हुई किसी भाग की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 26**9-प** की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्र**र्या**त्ः— 1. श्री के० पदमनाबन, मदुरै,

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस॰ ई॰ वस्सें मोहम्मद राउतर, मदुरै, (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

मदुरै, नुयुनत्तम रोड, डोर सं० 1 बी, (टी० एस० सं० 4471/10), में 18 सेन्ट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 2-4-1976

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०-

धायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घ्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), मद्रास, श्रर्जन रेंज, मद्रास

> > मद्रास, दिनांक 6 श्रप्रैल 1976

निदेश सं० X / 10/7(श्रग०)/75-76---यतः मुझे, जी० रामनाथन,

भावकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से भ्रधिक है

और जिसकी सं० 4 है, जो वेस्ट वेली स्ट्रीट मदुरे में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मदुरें (पत्न सं० 1492/75) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16 के श्रधीन 14-8-1975

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के

उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भौर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्रायकी बाबत 'उक्त ग्रधि-नियम' के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या ध्रन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय घ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ध्रिधिनियम', या धनकर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रंब 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रमु-सरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम' की घारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :--- 1. श्री भ्रान जेत सहमद, तिरुचि ।

(ग्रन्तरक)

 वीनसन्टश्रौर को० (प्रा०) लि०, तिरुचि।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी ध्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम' के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मदुरै , वेस्ट वेली स्ट्रीट, डोर सं० 4 (सरवे सं० 468) में 1202 स्क्वायर फीट की भूमि भ्रौर मकान में 2/3 भाग में 1/3 भाग ।

जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 6-4-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 श्रप्रैल, 1976

निदेश सं० X/10/8(श्रग०)/75-76—-यतः मुझे, जी० रामनाथन,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधि-नियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है शौर जिसकी संख्या 4 है जो वेस्ट वेली स्ट्रीट, मदुरै में स्थित है (शौर इसके उपावक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मदुरै, (पन्न सं० 1493/75) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

धतः अब उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रमुसरण मैं, उक्त श्रीधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--12—46GI/76

1. श्री सफार ग्रहमद, नेमवेली ।

(श्रन्तरक)

 विन्सेन्ट भ्रौर को० (प्रा०) लिमिटेड, तिरुचि।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ६स सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  सिखित में किये जा सकेंगे।

स्पटिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

मदुरै, वेस्ट वेली स्ट्रीट, डोर सं० 4 (सरवे सं० 468) में 1202 स्क्वायर फीट की भूमि श्रौर मकान में 2/3 भाग में . 1/3 भाग ।

जी० रामनाथन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्वास

तारीख: 6-4-76

# प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर ध्रिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायलिय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्वास

मद्रास, दिनांक 6 श्रप्रेंल 1976

निदेश सं० X/10/96/(सित०)/ 75-76—यत: जी० रामनाथन, भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मुल्य 25,000/- ₹◊ से श्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 4 है, जो वेस्ट वेली स्ट्रीट, मदुरै में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबड अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मट्टरै (पत्न सं० 1671/75) में भारतीय रजिस्द्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन सितम्बर, 1975 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से

> (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या

कियत नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातः --- 1. श्री णाकेंट ग्रहमद, हैदराबात

(भ्रन्तरक)

2. विनसेन्ट भ्रौर को० (प्रा०) लिमिटेड,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मदुरै, वेस्ट वेली स्ट्रीट, डोर सं० 4 (सरवे सं० 468) में 1202 स्क्वायर फीट की भूमि ग्रौर मकान में 2/3 भाग में 1/3 भाग।

जी० रामनाथन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 6-4-1976

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक 6 श्रप्रैल, 1976

निदेश सं० XVI/1/20(ग्रग०)/75-76--यतः मुझे जी० रामनाथन, भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त भ्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ४० से प्रधिक है  $\mathbf{z}$ ौर जिसकी सं० 12/350 है, जो राजाजी रोड, सेलम, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्णा रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सेलम (पत्न सं० 3337/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन श्रगस्त, 1975 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल के पन्ब्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनयम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: प्रय उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:—

- श्रीमती विजयलक्ष्मी, चन्तेकशणपुरम, तेलम (अन्तरक)
- सर्वश्री ए० एस० मिन, ए० एस० वेंकटरामन, ए० एन० राजामिन, एम० नेनजुल्डन, ए० बी० सुन्दरेसन, श्रीर श्रादि।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रष्ट होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसृष्वी

सेलम सिवसामिपुदम एक्स्टन्शन राजाजी रोड डोर सं० 12/350 (टी॰ एस॰ सं० 5, ब्लाक 17, वार्ड सी), में 33464 स्क्वायर फीट की भूमि, (मकान के साथ)।

> जी० रामनाथन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 6-4-76

प्ररूप आई• टी॰ एन॰ एस०~~

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, मद्रास

दिनांक 6 श्रप्रैल, 1976

निदेश रां० XVII/2/11/(ग्रग०)/75-76—यत: मुझे, जी० रामनाथन

प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25000/- रु० से श्रिधिक है

भीर जिसकी सं० है जो पोट्टी रड्डीपट्टी गांव, नामक्कल में स्थित है (इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एक्मेपट्टी (पत्न सं० 726/75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 7-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनयम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, इक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्रीमती सलीमा बी० श्रम्माल श्रीर ग्रादि ।



(ग्रन्तरक)

 श्रीमती कुप्पु० लक्ष्मी, नामचकल वेरा कुरिचि, नामचकल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबञ्च किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुवत गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

एस० सं० 304/1 भीर 304/2—3 एकड 72 सन्ट एस० सं० 305/1—4 एकड़ 94 सन्ट एस० सं० 304/3 क 4 —21सन्ट एस० सं० 305/2—2 एकड़ भीर 86 सन्ट

> जी० रामनाथन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 6-4-1976

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मदास

मद्रास, दिनांक 7 श्रप्रैल 1976

निदेश सं० V/15/72(अग०)/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन, ध्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिष्ठिक है भीर जिसकी सर्वेसं० 209/2 है, जो बहुरप्पमपट्टी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है (रिजट्टी-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भारूर (पक्ष सं० 695/75) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उद्दत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;और/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 ( 1922 का 11 ) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः शब, उम्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की खारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री पुट्टन (मारी गऊन्डर) ग्रौर चिन्नसामि गऊन्डर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बी० श्रीनिवासन बहुरप्पमपट्टी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकामन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वर्ग्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दरमपुरि जिला, आरूर तालुक, बहुरप्पमपट्टी गांव सर्वे सं० 209/2 में 19 एकड़ की भूमि।

> जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 7-4-1976

## प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 श्रप्रैल 1976

निदेश सं वी अVII/3/69 (AUG.)/75-76---यतः, मुझे, जी० रामनाथन, मधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भौर जिसकी सं० भार० एस० 636/13 है, जो भ्ररसिरमनि गांव में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, ईडप्पाडी (पत्र सं० 1172/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 29-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर कि यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उदत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रक्षिनियम, के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रक्ट महीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मत: मन, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त घिष्ठितयम की घारा 269-व की उपधारा (1) के मधीम निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- (1) श्रीमती बीरायम्माल ग्रीर श्रादि (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नाग्प चेट्टीयार ग्रौर ग्रादि /(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यवितयों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

नामक्कल, घ्ररिसरामिन गांव धार० एस० सं० 636/13 में 5 एकर 17 सेन्ट की भूमि में 3.30 भाग।

जी० रामानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 7-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस•-----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 श्रप्रैल, 1976

निदेश सं० XXII/1/55/(अग०)/75-76--ग्रतः, मुझे, जी० रामनातन, भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है, भ्रौर जिसकी सं० 152/1 है, जो पीरानूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची म ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तेनकासी (पत्न सं० 763/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 30-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अस, उस्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री हीरालाल नंदा भ्रौर भ्रादि, कोयम्बतूर (श्रन्तरक)
- (2) मैं० सक्ती आटोमाटिक सा० मिल, पीरानूर । (श्वन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

## अनुसू ची

तनकासी, पीरानूर गांव सर्वे सं० 152/1 में 1 एकर 15 सेन्टच की भूमि (मकान के साथ)।

> जी० रामनातन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 7-4-1976

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०----

(1) श्री रनबीर कुमार नन्दा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्राबजी सामजी श्रादि

(ग्रन्तरिती)

न्नायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास-1, दिनांक 7 अप्रैल 1976

निदेश सं० XXII/1/56 (अग०)/75-76--ग्रतः मुझे, जी० रामनातन ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' नहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ध्पये से अधिक है भीर जिसकी सं० 152/2 है, जो पीरानूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद भ्रमसूची में भीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, तनकासी (पत्न सं० 764/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 30-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने या कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अक्तरण लिखित में बारतिवन रूप से विश्व नहीं विद्या गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्राधि-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविद्वा के लिए;

धतः ग्रव उपत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :--- को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हपथ्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

तेनकासी, पीरानूर गांव सर्वे सं० 152/2 में 1 एकर श्रौर 10 सेन्ट की भूमि।

> जी० रामनाथन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 7-4-1976

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्वन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 ग्रप्रैल 1976

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है जो, संगगिरि ग्रीर कस्तूरीपट्टी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, संगगिरि (पत्न सं० 636/ 75) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन 26-8-1985
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरिती अने सम्पत्ति को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धन कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः: अब उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों प्रधीत्:—
13—46GI/76

- (1) श्री ई० नेसमिन सुलोचना संगगिरि नामक्कल (ग्रन्तरक)
- (2) श्री टी० भ्रलगप्पन, मंगगिरि (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य थ्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-कः में यथा-परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ा संगगिर गांव—खेती की भूमि 2 कस्तूरी पट्टी गांव सर्वे सं० 172/1-0.71 एकर एस सं० 6/14-0.26 एकर , 172/2-0.69 , 6/2-0.22 3/4 ,,

172/4-0.37

,, 172/5--0.12

,, 216/1--1-12 3/4 ,,

,, 216/2-0.75 1/2 ,,

 $\frac{1}{4}$ ,  $\frac{216}{4}$   $\frac{4}{10}$   $\frac{1}{4}$   $\frac{4}{10}$ 

जी० रामनातन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 7-4-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

म्रायकर अघिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 श्रप्रैल 1976

निदेश सं० XVII/13/71(अग०)/75-76--श्रतः, मुझे, जी० रामनातन
श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह त्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी श्रौर जिसकी सं० 367/9 श्रौर 369/3 ए है, जो तेनूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कुमारपालयम (पत्न सं० 1241/75) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न- लिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- (1) श्री चिन्नतम्बी श्रौर पेरियसामि पतुपालयम (श्रन्तरक)
- (2) श्री पी० सक्कुराज पतुपालयम (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

हपध्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

तेनूर सर्वे सं० 367/9 फ्रौर 368/3 ए में 2.56 एकर की भूमि में श्रादा भाग्।

> जी० रामनातन, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारी**ख: 7~4**—1976

मोहर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1

भ्वनेश्वर, दिनांक 27 फरवरी 1976

निदेश सं० 23/75-76/आई० ए० सी० (ए०/आर०)/बी०

बी० एस० ग्रार०-यतः, मुझे, जि० बि० चान्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक हैं श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 116-बी है, जो सूर्यनगर भुवनेश्वर) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय, भुवनेश्वर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 13-8-1975 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिस्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान

प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त मिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात्:——

- श्रीमती कमलेश कुमारी देवी, पिता श्री क्षेस प्रताप सिंह देव (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कमा देवी

(भ्रन्तरिती)

3. श्री स्वामी राँम कुमार राम

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक महला मकान भुबनेश्वर का सूर्य नगर में स्थित है, जिसकी प्लाट नं 116-बी है। वह मकान 13-8-75 टारिस में भुव-नेश्वर सब रजिस्ट्रार ग्राफिस में रजिस्टर हुग्रा, जिसकी डाक्यूमेंट नं 5112 है।

> जि० बि० चान्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भुवनेण्यर

तारीख: 27-2-1976

मोहरः

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-----

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, काकीनाडा

कार्कानाडा, दिनांक 19 फरवरी 1976

यतः मुझे, बि० वि० सुब्बाराव म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उषत श्रधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्राधिक है भ्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० के० 69/1 भ्रौर 69/2 है, जो पेद श्रभिरम गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बिसवराम में भारतीय रजिस्दीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)के ग्राधीन 3−8−1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर भ्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त श्रधिनियम,' के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम,' या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :—

- 1. श्री वेगेमिना रामाङ्गष्णराज् नरासिहंपुरम (श्रन्तरक)
- 2. श्री उद्यराजा पस्वनावस्तुनम विमवरड (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम,' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

बिमयरंम रिजस्ट्री श्रधिकारी से 31-8-75 पाक्षिक श्रंत में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1677/75 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> वि० वि सुड्बाराय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 19-2-1976

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 27 फरवरी 1976

संब्धारवएव सीव एक्यूव 323/जेव नंव 129/केव भ्रार०--म्रत: मुझे बि० वि० सुब्बाराव,

आयकर अधिनियम, ी 961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 /- रु० से म्रधिक है भ्रौर जिसकी संब्डेंह संब् 103/ नया संब् 104 मैलवरम है जो, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मैलवरम में भारतीय रजि-स्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 15-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत श्रधिक है श्रौर ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :--

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त अधि-नियम' के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या प्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः प्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण, में, मैं, 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रर्थात् :---

- 1. श्री जे० वि० वि० रंगरामानुजम पु० स्वर्गीय जी० जी० कृष्णमूर्ति, विजयवाडा (ग्रन्तरक)
  - 2. श्री डी० रंगाराव पुत्र स्वर्गीय गरावय्या मैन्नवरय (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी ब्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मेलवरम रजिस्ट्री श्रधिकारी से 15-8-75 पाक्षिक श्रंत में पंजीकृत दस्तावेज नं० 882/75 में निगमित ग्रनुसूची संपत्ति ।

> बि० वि० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 27-2-1976

## प्ररूप आई० टी० एन• एस•----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रधीन सूधना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 16 मार्च 1976

सं आर ए० सी । एक्यू० सं ० 327 जे ० नं ० 316 एम० ई०/75-76--यतः मुझे, बि० वि० सुब्बाराव भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से ग्रधिक है भौर जिसकी सं० डोर नं० 60 वार्ड 5 कुचमन्यिवारी गली, श्रमला-पुरम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप में र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलापुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 15-8-1975 पूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरितो (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त

> (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया यथा है--

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रत: ग्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

- া. श्री पोडूरि नरसिमहमूर्ति वरंगल (श्रन्तरक)
- 2. डा० वि० किष्णमराजु भ्रमलापुरम (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्रारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

श्रमलापुरमे रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-8-75 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2959/75 में निगमत श्रनुसूची संपत्ति।

> बि० वि० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीखा: 16-3-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) त्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 2 श्रप्रैल 1976

सं**॰ प्रार० ए० सी० एक्यु० 328 नं० नं० 190/75**-76---यतः मुझे, बि० वि० सुब्बाराव **आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे** इसमें इसके पश्चात् 'उनत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 2.69-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000√- रुपये से अधिक हैं ग्रौर जिसकी सं० र० यस० नं० 407 कन्नवारि तोटा नगरमपालिम है, जो गुंटुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 15-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अग्सरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अिंघ नियम', के अधीन कर देने के अन्सरफ के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (खा) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव 'उम्त मधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, 'उम्त मधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :—

- 1. कार्यपालक श्रधिकारी श्री लक्ष्मी नरसिंहस्वामी देवस्ता-नम, गुंटूर (श्रन्तरक)
  - 2. मैं० भ्राई० एल० टी० डी० कंपनी गुंटूर (भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

गुंटूर रिजस्ट्री श्रधिकारी से 15-8-75 पाक्षिक श्रंत में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4472/15 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> वि० वि० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 2-4-1976

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०-

श्रायकर श्रिप्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**थ**(1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III दिल्ली-1 4/14 क, आसफअली मार्ग नई दिल्ली।

नई दिल्ली-1, दिनांक 30 मार्च 1976

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/III/एस० म्रार०-III/ श्रमत्बर/433(1)/75-76--श्रतः मुझे, एस० सी० परीजा आयकरी श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० श्रार० 18 है तथा जो मस्जीद मीठ साउथ एक्सटेंशन पार्ट-II, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 18-10-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रसिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रधिनियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का. 11) या 'उक्त प्रिधिनियम', या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भात: भाव 'उनत श्रिधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात :--

- 1. श्री कौशल कुमार बक्शी, सुपुत्र स्वर्गीय श्री रतन लाल, निवासी  $\hat{\xi}-110/1$ , नारायना कालोनी, न $\hat{\xi}$  दिल्ली-1 (श्रन्तरक)
- 2. श्री कृपाल मोहन बिरमानी, सुपुत्र फतेह चन्द विरमानी, निवासी ए०-73, मालवीया नगर, नई दिल्ली-1 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उयत सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति, द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही शर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 377.8 वर्ग गज है, श्रौर नं० श्रार० 18 है, मस्जीद मोठ गांव, साउथ एक्सटेंशन पार्ट-II, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:--

पूर्व: रोड़ 36' पश्चिम: सर्विस लेन

उत्तर: प्लाट नं० ग्रार-29

दक्षिण: प्लाट नं० भ्रार० --17

एस० सी० परीजा सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) इ.र्जन २ज~, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-3-1976

प्ररूप प्राई० टी०एन०एस०---

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

> 4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली दिल्ली-1, दिनांक 2 श्रप्रैल 1976

निदेश सं० ध्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० भ्रार०—III/ 598/75—76——यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भ्रधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 178 है तथा जो जोर बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधियनम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 20-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की वाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी द्याय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धत:, अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—
14-46GI/76

- 1. श्री हरीण चन्द्र शंकरभाई श्रमीन, सुपुत्र श्री शंकरभाई जोराभाई श्रमीन तथा श्रीमती हरीण चन्द्रा श्रमीन, पत्नी श्री हरीण चन्द्रा शंकरभाई श्रमीन, निवासी ए-22, ग्रैण्ड परादी, ग्रगस्त कान्ति मार्ग, बम्बई-36। (श्रन्तरक)
- 2. श्री दुर्गा दास बहल सुपुत्र श्री हर नारायण बहल तथा दवीन्द्र नाथ बहल, सुपुत्र श्री दुर्गा दास बहल, निवासी 178 जोर बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्वविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्दीकरण—हसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक दुमंजिला निवासी बिल्डिंग जिसमें बरसाती भी है, का क्षेत्र-फल 372 वर्ग गज है, और नं० 178, ब्लाक नं० 172 है, जोर बाग, नई दिल्ली, दिल्ली की नई राजधानी में है। यह बिल्डिंग निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व: 100' चौड़ी मुख्य सड़क

पश्चिम: 20' चौड़ी सर्विस लेन

उत्तर: प्लाट सं० 177, ब्लाक नं० 172 पर बिल्डिंग दक्षिण: प्लाट नं० 179, ब्लाक नं० 172 पर बिल्डिंग

> चं० वि० गुप्ते सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली/नई दिल्ली-1

तारीख: 2 अप्रैल, 1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  $\pi$  श्र्यंन रेंज $-\Pi$ , दिल्ली-1 4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली दिल्ली-1, दिनांक 1 मार्च 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1102/75—76—-- श्रतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 255 है तथा जो श्राजाद मार्किट, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त, 1975

## को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है थीर धन्तरक (भ्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से दुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः मब उक्त म्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त मिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)के मधीन निम्निखिखित व्यक्तियों, मर्थात् :---

- 1. श्री ग्रमर नाथ सुपुत्र श्री हरी राम, (2) श्रीमती श्रमर कौर, पत्नी स्वर्गीय श्री सुखजीत सिंह, स्वयं तथा ग्रपने नाबालिग बच्चों के लिए प्राकृतिक संरक्षण श्री सतवन्त सिंह, गुरचरण सिंह, बलविन्द्र कौर तथा प्रकाश सिंह, निवासी 327, बाग केरे खाल दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- श्री बसन्त कुमार सुपुत्र श्री जय चन्द, निवासी 131, पुरानी गीता कालोनी, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकींगे।

स्पथ्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक सरकारी बनी दुकान जिसका नं० 255 है, 22.5 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बनी हुई है, ग्राजाद मार्किट, दिल्ली में हैं। यह दुकान निम्न प्रकार से स्थित हैं:---

पूर्व: दुकान नं० 256

पश्चिम: दुकान नं० 254

उत्तर: लाइक्रेरी रोड़ दक्षिण: रोड़

> एस० एन० एल० श्रम्र**वा**ल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, दिल्ली/नई दिल्ली–1

तारीख: 1-3-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

धायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्स (निरीक्षण) धर्जन रेंज II, दिल्ली-1 4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी, 1976

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/1103/2334/ 75-76--- ग्रतः मझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है

 $\mathbf{z}$ ीर जिसकी सं० 6454 का 1/2 भाग है, तथा जो कटरा बरयान गली पीपल बाली, दिल्ली-6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्-सुची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्या-लय दिल्ली में भारतीय रजिस्दीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक ग्रक्तूबर, 1975

पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-सिखित उद्देश्य से उनत ग्रन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरितीद्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:-

- 1. श्री नवीन चन्द, सुपुत्र श्री श्रोम प्रकाश, निवासी मकान नं ० 6454, कटरा बरयान, दिल्ली-6 (ग्रन्तरक)
  - 2. श्रीमती सियानवती, पत्नी श्री वेद प्रकाश (2) श्री सुरेश चन्द्र सुपूत्र श्री श्रीराम निवासी 6454, कटरा बरयान, गली पीपल वाली, दिल्ली-1 (ग्रन्तरिती)

को यहसूचनाजारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की सामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहरताक्षरी के पास सिखित में किए जासकोंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20 वः में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

एक दुमंजिला मकान का 1/2 भाग जोकि 192 वर्ग गज क्षेत्र-फल की भूमि पर बना हुम्रा है, जिसका नं० 6/6454 है, कटरा बरयान, गली पीपल वाली, दिल्ली-6 में है।

> एस० एन० एल० ग्रग्रवाल सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II दिल्ली-1

धारी**ख: 27--2-19**76

## 

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-1 4/14 क, ग्रासफअली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली-1, दिनांक 1 मार्च 1976

निर्देश सं० श्राई० ए० सीं०/एक्यु०/11/1104/75-76---श्रतः मुझे एस० एन० एक० श्रग्रवाल

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० डी०-18 है तथा जो सत्यावती नगर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में बिणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्रीमती करण देवी पत्नी श्री हरी राम निवासी मकान नं० 7351 प्रेम नगर सब्जी मण्डी दिल्ली-1। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री श्रोम प्रकाश गुष्ता सुपुत्त श्री शिव नारायण गुष्ता निवासी 682 बारा टूंटी सदर वाजार दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 150 वर्ग गज है जिसका नं० 18 ब्लाक नं० 'डी' है सत्यावती नगर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्वः प्लाट सं० डी-19 पश्चिमः प्लाट सं० 17-डी

उत्तरः सर्विस लेन दक्षिणः सड्क

> एस० एन० एल० स्रम्रवाल सक्षम श्रिधिकारी सहायक प्रायकर ऋायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली—1

तारीख: 1-3-1976

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के सधीन गुचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

श्चर्णन रेंज-11 दिल्ली-1 4/14क, श्रासप्रअली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली-1, दिनांक 1 मार्च -1976

निदेश सं श्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/1105/75-76--ग्रतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल
आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधक है
ग्रीर जिसकी सं० 1/150-152 है तथा जी विश्वास नगर शाहदरा
दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप
में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ला ग्राधिकारी के शार्यालय (दल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन,

दिनांक ध्रगस्त, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियस, 1922 (1922 का 11 या 'उक्त श्रिधिनियम' या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्

- 1. श्री काणमीर सिंह, सुपुत्र श्री गंडा सिंह, जरनल एटारनी श्री बुद्ध प्रकाश के द्वारा, सुपुत्र श्री कुन्दन लाल गोयल, नियासी 1/150/152, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती सोभा रानी, पत्नी श्री बुद्य प्रकाश गोयल निवासी 1/150-152, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली-32

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दो दूकानों के प्लाट जिसका नं० 150 तथा 152 है, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज है (कुल क्षेत्रफल दोनों प्लाटों का 100 वर्ग गज है), विशवास नगर की ब्रावादी, शाहदरा, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व: रोड 30 फुट

पश्चिम: प्लाट नं० 1/149~151

उत्तर: प्लाट न० 1/148

दक्षिण: सङ्क

एस० एन० एल० अग्रवाल मक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, दिल्ली/नई दिल्ली-1

तारीख: 1-9-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-11, दिल्ली-1 4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1976

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/1106/75-76---श्रतः, मुझे, एस० एन० एल० श्रग्नवाल

भायकर प्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

क्रीर जिसकी सं० सी०-30 है तथा जो बंगलों रोड़, श्रादर्श नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में क्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त, 1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक्तों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कचित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अव उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नित्यित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री राम नाथ सुपुत प० लाल चन्द्र, निवासी 9/2, विजय नगर, दिल्ली—9, श्री श्रीम प्रकाश के द्वारा, सुपुत्र श्री राम देव, निवासी 41, पृथ्वी राज रोड़, श्रादर्श नगर, दिल्ली—33।
- श्रीमती प्रेमवर्ता, पत्नी श्री ग्रोम प्रकाश, निवासी 41, पृथ्वी राज रोड़, ग्रादर्श नगर, दिल्ली-33 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक प्लाट का दक्षिणी भाग जिसका क्षेत्रफल 177.7 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 400 वर्ग गज) है श्रीर नं० सी-30 है श्रादर्श नगर बंगलों रोड़ दिल्ली में है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व: प्लाट नं० 32-सी० पण्चिम: प्लाट नं० 28-सी० उत्तर: बाकी बचा भागै। दक्षिण: जो रोड़

> एस० एन० एल० श्रप्रवाल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11 दिल्ली/नई दिल्ली-1

नारी**ख**: 1-3-1976

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

म्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-11, दिल्ली-1 4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली-1, दिनांक 1 मार्च 1976

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/1107/75-76--श्रतः मझे एस० एन० एल० श्रग्रवाल आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, िरुका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर (जसकी सं० 3 सी/39 है तथा जो न्यू रोहतक रोड़ करोल वाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्व श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय राजस्दीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रगस्त 1975 सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफूल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिस्ति उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में नारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई विसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री श्रष्टण कृष्ण मुखर्जी सुपुत्र श्री ए० सी० मुखर्जी कुमारी रेनुका मुखर्जी के हारा सुपुत्री श्री ए० सी० मुखर्जी निवासी 3-सी०/43 न्यू रोहनक रोड़ नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती लीला भटाचार्य पत्नी श्री बृज माधवा भटाचार्य ानवासी 3-सी/39 न्यू राहतक रोड़ नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

त्राधा पक्का बना एक मंजिला मकान जिसका क्षेत्रफल 286.34 वर्ग गज है और नं० 3 सी-39 है रोहतक रोड़ करोल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:--

पूर्व: सर्विस रोड़

पश्चिम: खुला सरकारी मैदान

उत्तर: प्लाट नं० 40

दक्षिण: सड़क

एस० एन० एल० श्रम्रवाल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज−11 दिल्ली/नई दिल्लीं−1

तारी**ख**ः 1—3—1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

3680

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-11 दिल्ली-1 4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1976

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/1108/2349/ 75-76--श्रतः मुझे एस० एन० एल० श्रग्रवाल 1961 (1961 अधिनियम, (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), अधीन 2.69-ध के सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-- रु० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० 4076 4077 तथा 4078 (नया) है तथा जो नया बाजार वर्न बैस्टन रोड़ दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) राजस्ट्रीकर्त अधि-कारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1975 को पूर्वोत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के अद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचनें में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क्षर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रतुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात:--

1. श्रीमती शान्ती देवी. पत्नी श्री सुमेर चन्द्र, निवासी 1822, क्चा चेलान, खारी बायली, दिल्ली। (ग्रन्तरक)

- 2. 1. श्रीमती ुष्णा देवी, पत्नी श्री पन्ना लाल
- श्री सुरिन्द्र कुमार, मुपुत्र श्री पन्ना लाल, निवासी 2228 कूचा चेलान दरिया गंज दिल्ली।
- 3. श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी श्री किशन दास, निवासी बी०-4/20, माङल टाउन, दिल्ली।
  - श्री श्रोचन्द सुपुत्र श्री हनुमान प्रसाद।
- श्रीमती माया देवी, पत्नी श्री जगन्न प्रशाद, निवासी 1052 फ(टक मुक्ती वालान, तिराहा बैहरम खान, दिल्ली।
- 6. श्री सुभाष चन्द, सुपुत्र श्री किदार नाथ निवासी 3204 कुचा तारा चन्द, दरिया गंज, दिल्ली।
  - 7. श्रीमती कमला देवी, पत्नी श्री शिस्रो चन्द राय
- 8. श्रीमती गीता देवी, पत्नी श्री जगदीश प्रशाद, निवासी 833 चांदनी महल दिल्ली। (ग्रन्ति रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की धामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष दोगा, जो उस घ्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक तीन मंजिला बिल्डिंग का 1/3 श्रविभाजित भागाजसका मुन्यूसिपल नं० 1913 (पुराना) तथा 4076 4077 तथा 4078 (नया) है 130 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर नया बाजार बर्न वैस्टन रोड़ दिल्ली में है यह बिल्डिंग निम्न प्रकार से स्थित है :---

पूर्व: मुख्य सडक नया बाजार

पश्चिम: गली तराम वालो

उत्तर: श्री केसरी चन्द मोहन लाल की जायदाद दक्षिण : मै० चन्द्र भान राज कुमार की दुकान

> एस० एन० एल० भ्रम्भवाल सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज-11 दिल्ली/नई दिल्ली-1

तारीख: 1-3-1976

मोहर:

#### SUPREME COURT OF INDIA

### New Delhi, the 31st March 1976

No. F.6/76-SCA(1).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri Manohar Lal (at present officiating Section Officer) to officiate as Court Master with effect from 1 April, 1976 to 30 April, 1976 vice Shri Brij Mohan Sharma, Court Master granted leave.

No. F. 6/76-SCA(I).—In continuance of this Registry's Notification No. F.6/75-SCA(I) dated 1 October, 1975, the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to continue Shri Syed Qaiser Karim as officiating Section Officer, until further orders.

R, SUBBA RAO, Dy. Registrar (Admn.) Supreme Court of India

#### CABINET SECRETARIAT

### DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRA-TIVE REFORMS ENFORCEMENT DIRECTORATE

New Delhi, the 27th March 1976

### APPOINTMENT

F. No. A.11/8/76.—Shri K. Y. Rane, is appointed as Enforcement Officer in the Bombay Zonal Office of this Directorate with effect from 3-3-1976 A.N. and until further orders.

NRIPEN BAKSHI, Deputy Director

### CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION New Delhi, the 2nd April 1976

No. A-19030/1/76-AD-V.—The Director, C.B.I. and IGP/S.P.E. appoints Shri S. S. Lall, R.S.O., Western Railway, Bombay, as Junior Technical Officer (Accounts) in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 22-3-1976, on deputation until further orders.

G. L. AGARWAL, Administrative Officer C.B.I.

### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 2nd April 1976

No. PF/R/13-G.—Consequent on his selection for appointment as Secretary to the Commission of Inquiry headed by Shri Justice R. S. Sarkatia of the Supreme Gourt, Shri K A. Ramasubramaniam, Secretary, Central Vigilance Commission, relinquished charge of the post in the Central Vigilance Commission with effect from the afternoon of 31st March, 1976.

SHRI NIVAS, Under Secretary

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DIRECTORATE GENERAL, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110001, the 5th April 1976

No. O-II-1041/76-Estt.—Consequent on the acceptance of her resignation. Dr. (Miss) Veena Benjaman, J.M.O., Group Centre, CRPF Trivandrum relinquished charge of her post on the forenoon of 16th February 1976.

No. O-II-1036/75-Estt.—The Director General, C.R.P.F., is pleased to appoint Dr. (Mrs.) S. Aruna Devi, as J.M.O. in the C.R.P. Force on ad hoc basis for a period of 3 months only w.e.f. the forenoon of 5th March 1976.

2. Dr. (Mrs.) S. Aruna Devi is posted to 2nd Base Hospital. C.R.P.F., Hyderabad.

No. O-II-1055/72-Estt.—The President is pleased to accept the resignation of Shri V. Rama Krishna Rao, Dy. S. P. 23rd Bn., C.R.P.F., w.e.f. the forenoon of 24-11-75.

A. K. BANDYOPADHYAY, Asstt. Dir. (Adm.)

# MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 26th March 1976

No. PF.7(36)/13145.—Further to this office notification No. 7(36)/3834, dated 24th June 1975, & No. 7(36)/10023, dated 23rd December 1975, Shri S. T. Shirsat, is allowed to continue in the post of Fire Officer on an ad-hoc basis for a further period upto 16-6-1976.

R. VISWANATHAN, General Manager

### INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT

### OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 5th April, 1976

No. 231-CA 1/8-76.—The Addl. Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officer's (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in Col. 3 with effect from the dates mentioned in Col. 4 below until further orders;—

S1.	Sl. No. Name of the S.O's (Comm.)				ı.)		Office where working before promotion	Office where posted on promotion as A.O. (C)	Date of posting as offi- ciating as AO. (Comm.)
	S/Shti								
1.	P. T. Mathew	٠	٠				A. G. Kerala	MAB & Eo, DCA, Madras	23-2-1976 (F.N.)
2.	H. C. Aggarwal						A.G., M.P.	A. G. Orlssa	26-2-1976 (F. N)
3.	A. Mukherjce	•	•	٠	•	•	MAB & Eo, DCA, Calcutta	MAB & Eo, DCA, Calcutta	10-2-1976 (F. N)
4.	M. M. Joshi						MAB & Eo, DCA, New Delhi	MAB & Eo, DCA, Calcutta	27-2-1976 (F. N)
5.	Dina Nath .						A. G. J & K.	A. G. J & K.	31-1-1976 (F. N)
6.	O. A. Joseph					٠	A. G. Kerala	MAB & Eo, DCA, Madras	26-2-1976 (F. N)
7.	V. V. Rama Rao	•		•			MAB & Eo, DCA, Bangalore	MAB & Eo, DCA, Bangalore	29-1-1976 (F. N)
8.	V. Gopinathan N	air	· ,-				A. G. Kerala	A. GII (T. N) Madras	24-2-1976 (F. N)

S. D. BHATTACHARYA
Deputy Director (Commercial)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, GUJARAT

Ahmedabad, the 2nd April 1976

No. Estt.(A)GO/2(169)/23.—The Accountant General, Gujarat Ahmedabad is pleased to appoint Shri T. S. VENKA-TARAMAN permanent member of the Subordinate Accounts Service; to officiate as Accounts Officer in the office of the Additional Accountant General, Gujarat, Rajkot with effect from 18th March 1976 Forenoon until further orders.

### The 3rd April 1976

No. Estt. (A)/GO/2(171)/49.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint Shri P. V. RAMA-CHANDRAN permanent member of the Subordinate Accounts Service; to officiate as Accounts Officer in the office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from the forenoon of 18th March 1976 until further orders,

K. H. CHHAYA, Dy. Accountant Genl. (Admn.)

### MINISTRY OF DEFENCE

# DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 15th March 1976

No. 23/76/.G.—The President is pleased to authorise the under-mentione d officers who on 1-1-73 were holding the post of Addl. DGOF/RDOF in the pre-revised scale of Rs. 2250—125—2500 since revised to Rs. 3000/- (fixed) with effect from 125-74 to draw pay in the scale of Rs. 2500—125/2—2750 being Level I of DDGOF/GM(SG) till 30th April, 1974 or the date of retirement, whichever is earlier:—

- 1. Shri S. Gajondra Singh.
- 2. Dr. S. Bhattacharya.
- 3. Shri P. Rajagupalan.
- 4. Shri R. C. Venua.
- 5. Shri A. M. Jacob.

No. 24/76/G.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers who were holding the post of DDGOF/GM (SG) on 1-1-73 in the pay scale of Rs. 2000—125—2250 to the Level I of DDGOF/GM (SG) of the IOFS in the scale of Rs. 2500—125/2—2750 with effect from dates shown against their names:—

- 1. Shri Siri Ram, Permt. DDGOF/GM(SG), 1st January 1973.
- Shri O. P. Gupta, Permt. DDGOF/GM(SG), 1st Jamuary 1973.
- Shri K. L. Bajaj, Permt. DDGOF/GM(SG), 1st January 1973.
- 4. Shri S. C. Das Gupta, Permt. DDGOF/GM(SG), 1st January 1973.
- Shri R. N. Datta, Permt. DDGOF/GM(SG), 1st January 1973.
- Shri C. Madhavan, Permt. DDGOF/GM(SG), 15th January 1973.
- Shri S. D. Malhotra, Permt. DDGOF/GM(SG), 7th March 1973.

R. M. MAZUMDAR. Director General, Ordnance Factories

### MINISTRY OF LABOUR

### DIRECTORATE-GENERAL OF MINES SAFETY

Dhanbad-826001, the 2nd April 1976

No. 9(1)76-Adm.I/5287.—1. On his transfer to Hyderabad Region, Hyderabad Shri P. N. Mehta, Joint Director of Mines Safety (MSE) Dhanbad relinquished charge and his office in the afternoon of 19th July. 1975 and assumed charge of the office of the J.D.M.S., Hyderabad Region, Hyderabad in the forenoon of the 1st August, 1975.

2. On his transfer to Dhanbad Head Quarters Shri K. Paul. Joint Director of Mines Safety, Hyderabad Region, Hyderabad relinquished charge of his office in the afternoon of 2nd August, 1975 and assumed of the office of the Joint Director Mines Safety (Examinations) Dhanbad, Head Quarters in of the 16th August, 1975.

3. On his transfer as Joint Director of Mines Safety (SD-I) at Dhanbad Head Quarters, Shri L. M. Missra, Joint Director of Mines Safety (Examinations) relinquished charge of his office in the forenoon of the 19th August, 1975 and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety (S.I.D.-I) Dhanbad Head Quarters on the same date and time.

- 4. On his transfer to Shahdol Region, Shahdol Shri A. Tathuvamurthy Dy. Director of Mines Safety, Nagpur Region relinquished charge of his office in the afternoon of the 1st October, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety. Shahdol Region, in the afternoon of the 10th October, 1975.
- 5. On his transfer to Kodarma Region, Kodarma, Shri J. P. Sharma Dy. Director of Mines Safety, No. 3 Region Dhanbad, relinquished charge of his office in the afternoon of the 5th August, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Kodarma Region in the forenoon of the 11th August, 1975.
- 6. On his transfer to Chaibasa Region, Chaibasa, Shri Srinivas, Dy. Director of Mines Safety (Hqs). Dhanbad, relinquished charge of his office at Dhanbad in the afternoon of the 31st May, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Chaibasa Region, Chaibasa in the forenoon of the 12th June, 1975.
- 7. On his transfer to Baroda Sub-Region, Baroda, Shri B. N. Singh. Dy. Director of Mines Safety, Chaibasa Region, relinquished charge of his office at Chaibasa in the afternoon of the 30th June, 1975, and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Baroda Sub-Region in the forenoon of the 8th July, 1975.
- 8. On his transfer to Ramgarh Sub-Region Ramgarh Shrl V. Mahajan, Dy. Director of Mines Safety, No. 3 Region. Dhambad relinquished charge of his office in the afternoon of the 12th September, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Ramgarh Sub-Region in the forenoon of the 23rd September, 1975.
- 9. On his transfer to Parasia Sub-Region, Parasia, Shri S. N. Mitra, Dy. Director of Mines Safety, Oorgaum Region, Oorgaum, relinquished charge of his office in the afternoon of the 13th August, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Parasia Sub-Region, Parasia, in the forenoon of the 26th August, 1975.
- 10. On his transfer to Oorgaum Region, Oorgaum, Shri H. K. Roy, Dy. Director of Mines Safety. Eastern Zone, Sitarampur, relinquished charge of his office in the afternoon of the 11th July, 1975, and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety Oorgaum Region, Oorgaum in the forenoon of 24th July, 1975.
- 11. On his transfer to Central Zone, Nagpur, Shri G. S. Dhaliwal, Dy. Director of Mines Safety, Parasia Sub-Region, relinquished charge of his office in the afternoon of the 26th August, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety (V.T.), Nagpur in the forenoon of the 4th September, 1975.
- 12. On his transfer to Nagpur Region, Nagpur, Shri J. N. Johari, Dv. Director of Mines Safety (HQ), Dhanbad relinquished charge of his office in the afternoon of the 2nd July, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Nagpur Region, in the forenoon of 14th July, 1975.
- 13. On his transfer to No. 3 Region, Dhanbad, Shri P. K. Singh, Dv. Director of Mines Safety, Shahdol Region, relinquished rharge of his office in the afternoon of the 2nd July, September, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, No. 3 Region, Dhanbad in the forenoon of the 8th October, 1975.
- 14. On his transfer to Shahdol Region, Shahdol, Shri R. S. Gupta. Dv. Director of Mines Safetv. No. 1 Region Sitarampur. Plinquished charge of his office in the afternoon of the 1st July. 1975 and assumed charge of the office of the Dv Director of Mines Safety, Shahdol Region in the forenoon of the 14th July. 1975.
- 15. On his transfer to No. 1 Region, Sitarampur, Shri S. R. Sinha. Dv. Director of Mines Safety No. 2 Region, Dhanhad relinquished charge of his office in the afternoon of the 7th August. 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety. No. 1 Region, Sitarampur in the forenoon of 19th August, 1975.

- 16. On his transfer to No. 2 Region, Dhanbad, Shri S. C. Batra, Dy. Director of Mines Satety, Shahdol Region, relinquished charge of his office in the afternoon of the 30th July, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, No. 2 Region, Dhanbad in the forenoon of 11th August, 1975.
- 17. On his transfer to Northern Zone, V. T. Dhanbad Shri T. K. Majumdar, Dy. Director of Mines Safety, Northern Zone Dhanbad relinquished charge of his office in the afternoon of the 7th August, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety (V.T.), Northern Zone, Dhanbad on the same date and time.
- 18. On his transfer to No. 2 Region, Dhanbad Shri R. S. Mishra, Dy. Director of Mines Safety (V.T.). Northern Zone, Dhanbad relinquished charge of his office in the afternoon of the 7th August, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, No. 2 Region, Dhanbad on the same date and time.
- 19. On his transfer to Dhanbad Head Quarters Shri B. K. Sharan, Dy. Director of Mines Safety, Kodarma Region, relinquished charge of his office in the afternoon of the 19th July, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety (M.D.) Dhanbad Head Quarters in the forenoon of the 26th July, 1975.
- 20. On his transfer to No. 1 Region, Sitarampur, Shri S. R. Sarkar, Dy. Director of Mines Safety (MD) Dhanbad Head Quarters, relinquished charge of his office in the afternoon of the 23rd December, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety No. I-Region, Sitarampur in the forenoon of the 1st January, 1976.
- 21. On his transfer to No. II Region, Sitarampur Shri P. K. Verma, Dy. Director of Mines Safety, No. 1 Region, Sitarampur relinquished charge of his office in the forenoon of the 1st January, 1976 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety No. II Region, Sitarampur at the same date and time.
- 22. On his transfer to Oorgaum Region, Oorgaum, Shri Y. Gopal Krishna, Dy. Director of Mines Safety, Chaibasa Region, Chaibara relinquished charge of his office in the afternoon of the 2nd September, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Oorgaum Region in the forenoon of the 15th September, 1975.
- 23. On his transfer to No. III Region, Dhanbad, Shri S. N. Thakar, Dy. Director of Mines Safety, No. II Region, Dhanbad relinquished charge of his office in the afternoon of the 13th August, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Region No. III, Dhanbad in the forenoon of the 14th August, 1975.
- 24. On his transfer to South Eastern Zone, Ranchi Shri A. K. Dey, Dy. Director of Mines Safety, No. It Region, Sitarampur relinquished charge of his office in the afternoon of the 22nd September, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, South Eastern Zone, Ranchi in the forenoon of the 29th September, 1975.
- 25. On his transfer to Dhanbad (HQ) Shri S. K. Biswas (Gupta), Dy. Director of Mines Safety (Electrical), Incharge, Sitarampur Electrical Circle, relinquished charge of his office in the afternoon of the 23rd October, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety (Electrical) Head Quarters, Dhanbad in the forenoon of the 27th October, 1975.
- 26. On his transfer to Eastern Zone, Sitarampur, Shri D. S. Nimi, Dy. Director of Mines Safety (Mechanical), Dhanbad, relinquished charge of his office in the afternoon of the 24th October, 1975 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety (Mechanical), Eastern Zone, Sitarampur in the forenoon of 31st October, 1975.
- 27. On his transfer to Kodarma Region, Kodarma, Shri G. P. Gupta, Asstt. Director of Mines Safety, Chalbasa Region, relinquished charge of his office in the afternoon of the 13th January, 1976 and assumed charge of the office of the Asstt. Director of Mines Safety, Kodarma Region, Kodarma, in the forenoon of 19th January, 1976.
- 28. On his transfer to No. III Region, Sitarampur, Shri S. K. Samanta, Asstt. Director of Mines Safety, Kodarma Region, relinquished charge of his office in the afternoon of

the 20th December 1975 and assumed charge of the office of the Assit. Director of Mines Safety No. III Region, Sitarampur, in the forenoon of the 29th December 1975.

SHYAM SHIV PRASAD, Director-General of Mines Safety

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (DEPARTMENT OF SUPPLY)

### (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 26th March 1976

No. A-1/1(823).—Shri S. K. Maitra permanent Junior Progress Officer and officialing as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Kanpur retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1976 on attaining the age of superannuation (58 years).

#### The 30th March 1976

No. A-1/1(1044).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri Balbir Singh, Junior Progress Officer in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on ad hoc basis as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 17th March, 1976 and until further orders.

2. The appointment of Shri Balbir Singh as Assistant Director of Supplies (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

K. L. KOHLI,
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

### (ADMINISTRATION SECTION A.6)

New Delhi, the 1st April 1976

No. A-17011/1/71-16.—Shri R. M. Roy Choudhury, permanent Examiner of Stores (Tex.) and officiating Asstt. Inspecting Officer (Tex.) in the N. I. Circle, New Delhi under Directorate General of Supplies and Disposals retired from Government service with effect from 29-2-76 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

SURYA PRAKASH,
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

### MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 30th March 1976

No. A19011(133)/72-Estt.A.—On his selection in the Hindustan Zinc Ltd., for appointment to the post of Geologist, Shri J. C. Khare, Junior Mining Geologist of this department has been relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 9th June, 1975. Shri Khare will have no lien on any post in the Indian Bureau of Mines.

A. K. RAGHAVACHARY, Sr. Administrative Officer for Controller

### SURVEY OF INDIA

### Dehra Dun, the 2nd April 1976

No. E1-5063/698-Map Curator,—Shri A. B. Sarkar, Officiating Superintendent, Circle Office is appointed to officiate as Map Curator (G.C.S. Group 'B') on transfer on deputation, in Eastern Circle Office, Survey of India, Calcutta in the scale of pay of Rs. 550-25-750-EB-30-900, with effect from the forenoon of 11th March, 1976 for the period not exceeding three years.

#### The 3rd April 1976

No. E1-5064.—Consequent upon the permanent absorption in the Hindustan Steelworks Construction Limited (A Govt. of India Undertaking) as Divisional Engineer (Civil) the resignation tendered by Shri T. Thankappan, Officer Surveyor is herby accepted and the lien held by him in the pirmanent post of Officer Surveyor in the Survey of India is terminated with effect from 20th March, 1976.

### The 5th April 1976

No. E1-5065/594-Managers.—Shri Tara Pada Mukherjee, Technical Assistant (Ordinary Grade) is appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction, (G.C.S. Group 'B') in the Map Publication Directorate, Survey of India, Dehra Dun on a pay of Rs. 650/- p.m. in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 23rd February, 1976.

K. L. KHOSLA, Colonel, Surveyor General of India (Appointing Authority)

# MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING (FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 1st April 1976

No. A-31014/2/75-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, Bombay, hereby appoints Shri T. R. Madhok, Quasi Permanent Recordist and Offg, Chief Recordist to the post of Chief Recordist in a substantive capacity with effect from the 1st November, 1973,

R. S. SHARMA, Administrative Officer for Chief Producer

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 30th March 1976

No. A.32013/1/76-Admu-I.—Consequent on her reversion to the post of Nursing Officer, Smt. R. K. Sood relinquished charge of the post of Nursing Adviser in the Dtc. of G.H.S. on the afternoon of the 28th February, 1976.

S. P. JINDAL, Deputy Director (Admn.) (O&M)

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 12th February 1976

No. PA/73(13)/68-R-IV(I).—In continuation of this Research Centre's Notification No. PA/73(13)/68-R-IV/74-I dated June 21, 1974, the Director, Bhabha Atomic Research Centre, extends the period of appointment of Kum. Kalpana Dattatraya Khanapurkar as Physiotherapist on part-time basis in a temporary capacity in this Research Centre from the forenoon of April 1, 1975 to September 30, 1976 (A.N.).

No: PA/73(13)/68-R-IV(II).—In continuation of this Research Centre's Notification No. PA/73(13)/68-R-IV(II) dated June 21, 1974, the Director, Bhabha Atomic Research Centre, extends the period of appointment of Dr. Kirtikumar Laxmichand Shah as ENT Surgeon on part-time basis in a temporary capacity in this Research Centre from the forenoon of April 1, 1975 to September, 30, 1976 (A.N.).

No. PA/73(13)/68-R-IV(III)—In continuation of this Research Centre's Notification No. PA/73(13)68-R-IV/74-III dated June 21, 1974, the Director, Bhabha Atomic Research Centre, extends the period of appointment of Shri Rameshchandra Bhagwandas Arora as Physiotherapist on part-time basis in a temporary capacity in this Research Centre from the forenoon of April 1, 1975 to September 30, 1976 (A.N.).

P. UNNIKRISHNAN, Dy. Establishment Officer (R)

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 10th March 1976

No. DPS/A/32011/2/75/Est.3673.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Muliyappurath Raju, a permanent Storekeeper in the Central Stores Unit of this Directorate at Trombay to officiate as an Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810/EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from 17-3-1976 to 15-5-1976, vice Shri K. Chandrasckharan, Assistant Stores Officer, granted leave.

No. DPS/A/32011/2/75/Est.3665.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri M. O. Karunakaran Nair, a permanent Storekeeper in the Central Stores Unit of this Directorate at Trombay to officiate as an Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from 23-2-1976 to 26-3-1976, vice Shri T. C. George, Assistant Stores Officer, granted leave

K. P. JOSEPH. Administrative Officer

### MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakam-603102, the 27th February 1976

No. 18(60)/75-Rectt.—Director, Power Projects Engineering Division appoints Shri C. V. Harikrishnama Raju, temporary Scientific Assistant 'C' as Scientific Officer/Engineer 'SB' in this Project in a temporary capacity with effect from February 1, 1976 until further orders.

No. 18(60)/75-Rectt.—Director, Power Projects Engineering Division appoints the following temporary Supervisors as Scientific Officer/Engineers 'SB' in this Project in a temporary capacity with effect from the date indicated against each until further orders:—

- Shri M. Sakkarai Mohamed—1-2-1976.
- 2. Shri O. M. Mohan Rao-1.2-1976.
- 3. Shri C. Ramamoorthy-2-2-1976.

### The 8th March 1976

No. 18(64)/75-Rectt.—Director, Power Projects Engineering Division appoints Shri V. Bhaskaran, temporary Supervisor as Scientific Officer/Engineer Grade SB in this Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1976.

K. BALAKRISHNAN, Administrative Officer

### TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Bombay, the 13th March 1976

No. TAPS/Adm/735-A.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, DAE appoints Shri R. R. Bandooni, a quasi-permanent Personal Assistant in the Tarapur Atomic Power Station as Assistant Personnel Officer in the same Power Station on ad hoc basis with effect from the forenoon of March 8, 1976 and upto April 6, 1976.

D. V. MARKALE, Administrative Officer-III

### HEAVY WATER PROJECTS Bombay-400008, the 3rd April 1976

No. 05000/S-217/1984.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri P.M. Sawai, a Sub-Officer of Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Station Officer in Heavy Water Project (Tuticorin) for a period of 120 days with effect from March 10, 1976 (FN) or until a Fire Officer is appointed there, whichever is earlier.

T. C. SATHYAKEERTHY, Sr. Adm. Officer.

--:----

### MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 2nd April 1976

No. E(1) 05485.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri M. D. Kundra, Professional Assistant, Meteorological office, NASIK, under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Eombay as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of 47 days with effect from the forenoon of 15-3-76 to 30-4-76.

Shri M. D. Kundra has been transferred to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi where he has assumed charge as officiating Assistant Meteorologist with effect from the Forenoon of 15-3-76.

> G. R. GUPTA, Meteorologist, for Director General of Observatories.

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi-110022, the 19th March 1976

No. A.31014/2/75-EC&.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following officers in a substantive capacity in the grade of Assistant Technical Officer in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department with effect from the 1st May, 1975 :-

Serial No. Name

- 1. Shri H. L. Dhiman
- 2. Shri V. C. Reddy
- 3, Shri B. Kar
- 4. Shri D. K. Sharma 5. Shri P. M. P. Adiyodi
- Shri D. P. Agnihotri
- Shri B. Ramakrishnan

- 8. Shri K. N. K. Poduval 9. Shri Y. V. Rao 10. Shri K. P. Alagh 11. Shri S. R. Venkataraman
- Shri Λ. K. Tikoo
- 13, Shri D. B. Sud

### The 31st March 1976

No. A. 38013/1/76-EC.—Shri Hatish Chandra, Assistant Technical Officer in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, New Delhi re-linquished charge of his office on the 1-3-76 (FN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

No. A. 32014/2/75-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Assistant Technical Officer in an officiating capacity and until further orders with effect from the date shown against each :-

S. No.	Name		Station to which
		appointed	posted

27-2-1976 (F/N) A.C.S. Calcutta. 1. Shri Rai Chand 2. Shri C. S. Paul 1-3-1976 (/N) A.C.S. Bangalore.

No. A. 38012/1/75-EC.—Shri K. Anjaiah, Deputy Director of Communication in the office of the Director General of Civil Aviation relinquished charge of his office on the 1st March, 1976 (F.N.) on retirement from Government service attaining the age of superannuation.

> H. L. KOHLI, Dy. Director (Admn.) for Director General of Civil Aviation

### New Delhi, the 1st April 1976

No. A. 12025/1/75-Hindi.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Suraj Pal Sharma as Hindi Officer in the Civil Aviation Department w.e.f. 20-3-1976 (A.N.) on ad-hoc basis and until further orders, and post him in the office of the Regional Director, Delhi.

H. L. KOHLI, Dy. Director Adm.

### OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 2nd April 1976

No. 1/82/76-Est.—The Director General, O.C.S., hereby appoints Shri C. N. N. Nair, officiating Technical Assistant, Switching Complex, Bombay as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch for the period from 19-1-1976 to 21-2-1976 (both days inclusive), against a shortterm vacancy.

No. 1/43/76-Est.—On attaining the age of superannuation, Shri R. G. Mankeekar, Perm. Assistant Engineer, Poona Branch refired from service with effect from the afternoon of

the 29th February, 1976.

No. 1/359/76-Est.—The Director General, O.C.S., hereby appoints Shri V.S.N. Murty, Officiating Technical Assistant, Switching Complex, Bombay as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch for the period from 1-1-76 to 9-2-76 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

No. 1/98/76-Est.—The Director General, O.C.S., hereby appoints Shri G. S. Chattwal, Offg. Technical Assistant, New Delhi Branch as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch for the period from the 1-12-75 to 6-2-76 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

> P. K. G. NAYAR, Dv. Director (Admn.) for Director General.

### MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi-110001, the 30th March 1976

No. 75/EB/1506.—It is hereby notified for general informatiin that Dronachellam (inclusive) to Guntakal (exclusive) Section has been transferred from the jurisdiction of Hubli Division of the South Central Railway to the Vijayawada Division of that Railway with effect from 1-1-1976. The jurisdiction of Vijayawada Division will now extend upto Guntakal (exclusive) with corresponding reduction in the jurisdiction of

The adjustment has been made in the interest of the Railway's day-to-day administration for improving the operational efficiency in the area.

No. 75/EB/1503.—It is hereby notified for general information that Kantabanji (exclusive)—Raipur Section has been transferred from the Waltair Division of the South Eastern Railway to the Bilaspur Division of the same Railway with effect from 1-2-1976.

A. L. GUPTA, Secy. Railway Board & ex. Officio Jt. Secy.

### NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 23rd March 1976

No. 7.—The following doctors of this Railway are provisionally confirmed as Assistant Medical Officers, Class II Scale Rs, 350-900 (AS) on this Railway from 1-1-1966:-

- 1. Dr. (Mrs.) Shanno Devi Agarwal,
- 2. Dr. (Mrs.) K. Khera.

V. P. SAWHNEY, General Manager.

### DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD)

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Hyderabad-1, the 29th March 1976

In the matter of the Companies Act, 1956 and of THE IDEAL COFFEE AGRICULTURAL DEVELOPMENT COM-PANY PRIVATE LIMITED.

No. 1231/(560)(3).—Notice is hereby given pursuant sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of The Ideal Coffee Agricultural Development Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

O. P. JAIN, Registrar of Companies,

#### NOTICE UNDER SECTION 445(2)

### Ahmedabad-380009, the 1st April 1976

In the matter of the Companies Act 1956 M/S Saurashtra Iron Foundry & Steel Works Private, Limited.

No. 672/Liquidation.—By an order dated 27-1-76 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No. 66 of 1975, it has been ordered to wind-up M/S Saurashtra Iron Foundry & Steel Works Pvt. Ltd.,

J. G. GATHA, Registrar of Companies. Gujarat.

### OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

### Bombay-20, the 18th March 1976

No. F. 48-Ad(AT)/76.—Shri S. Jayaraman, Senior Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay is appointed to officiate as Assistant Registrar, Incometax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad-hoc basis in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740—35—810—EB —35—880—40—1000— EB —40—1200 with effect from the forenoon of 15th March 1976 upto 30th April, 1976 (Afternoon) vice Sri B. M. Dureja.

No. F.48-Ad(AT)/76.—1. Sri S. V. Narayanan, Senior Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad Benches, Hyderabad is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Calcutta Benches, Calcutta on ad-hoc basis in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months with effect from 11th March, 1976 (Forenoon) vice Sri B. N. Shukla or till the post is filled up on regular basis by appointment of a nominee of the UPSC, whichever is earlier.

2. Sri U. N. Krishnamurthy, Senior Stenographer, Incometax Appellate Tribunal, Hyderabad Benches, Hyderabad is appointed to officiate as Assistant Registrar, Incometax Appellate Tribunal, Jaipur Bench, Jaipur on ad-hoc basis in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months with effect from 11th March, 1976 (Forenoon) vice Sri N. K. Chaurasia or till the post is filled up on regular basis by the appointment of a nominee of the UPSC, whichever is earlier.

HARNAM SHANKAR, President.

## OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX DELHI-V

New Delhi, the 11th September, 1975

### ORDER

No. JUR-DLI/V/75-76/13090—In partial modification of notification No. Est./1/JUR-DLI/70-71/R-IX/14588 dated the 15-2-71 issued by the CIT-I New Delhi and in exercise of the powers conferred by Sub-section (I) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the Income-tax Officers mentioned in column II of the Schedule appended hereto shall perform their functions in respect of persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases specified in column III of the said schedule other than person or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases which have been or may here after be assigned under sub-section (1) of Section 124 or Section 127 of the said Act to any other Income-tax Officer.

This order shall have effect from the 1-9-1975.

		SCHEDULE	
]	II	111	IV
1.	Income-tax Officer Distt, IV-(6) Addl. New Dclhi.	or profession in any of the	waza Suiwalan,
	•	(b) All persons being partners of the firms falling in items (a) above.	
2.	Income-tax, officer, Distt. IV-(2), New Delhi.	(a) Every person, carrying on a business or profession or having the principal place of his business or profession in any of the areas specified in column IV of this schedule or residing in any such areas, whose name commences with any one of the alphabets from J, K & U (Both inclusive).	Do.
		(b) All persons being partners of the Afrims falling in item (a) above.	
3.	Income tax Officer Distt. IV-(3), New Delhi.	(a) Every person carrying on a business or profession or having the principal place of his business or profession in any of the areas specified in column IV of the Schedule or residing in any such areas, whose name c o m m e n c e s with any one of the alphabets from M to Q (both inclusive.)	Do.
		(b) All persons being partners of the hirms falling in item (a) above.	

I	П	III	IV
O Dis	rome-tax fficer, sttIV-(6), w Delhi.	(a) Every person carrying on a business or profession or having the principal place of his business or profession in any of the areas specified in column IV of this schedule or residing in any such areas, whose name commences with any one of the alphabets from R to Z (both inclusive).  (b) All persons being partners of the firm falling in item (a) above.	The area comprised in Municipal ward Nos. 8, 17, 18, 19, 20, 21 & 22, viz. Darya Ganj, Matia Mahal Chatta Lal Mian Lal Darwaza Suiwalan, Kucha patti Ram & Kalan Masjid.

# The 31st October 1975 INCOME-TAX

No. JUR-DLI/V/75-76/18863.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 124 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circle shall be created with effect from 1st November 1975.

1. Distt, IV(8), (Addl.).

A. C. JAIN Commissioner of Income-tax. Delhi-V. New Delhi.

# OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX ANDHRA PRADESH I & II

#### INCOME TAX

### Hyderabad, the 6th March, 1976

No. 132 C.R. No. 2/76(N)—In exercise of the powers conferred by sub-section 2 of section 117 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961), the Commissioner of Incometax, Andhra Pradesh-II, Hyderabad has appointed the following Incometax Inspector to officiate as Incometax Officer, Class-II in the time scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date mentioned against his name and until further orders.

Sl. Name of the No. promotec	Place of posting	Date of Joining
1. Sri C. Venugopal .	Incometax Officer, K-Ward, Vijayawada.	6-1-76

#### 2. He should note:

- (i) that his promotion is purely provisional;
- (ii) that he will be liable for reversion, if, after a review of the vacancies, it is found that his promotion/appointment is in excess of the vacancies available;
- (iii) that he will be on probation for a period of two years in terms of Notification No. 63/F. No. 22/27/59-Ad. VI dated 20-11-1963 from the Government of India, Ministry of Finance, (Department of Revenue), New Delhi. The period of probation may, if found necessary, be extended beyond the above period. He would also be liable for reversion if his performance during the said period is not found to be satisfactory.

He has been posted as Incometax Officer, with effect from the date and in the office noted against his name.

K. RAMA RAO, Commissioner of Incometax.

## OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOMETAX ANDHRA PRADESH III

Hyderabad, the 8th March, 1976.

No. 133: [C. R. No. 2/76 (N)]—In exercise of the powers conferred by sub-section 2 of section 117 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Commissioner of Incometax, Andhra Pradesh-III, Hyderabad has appointed the following Incometax Inspector to officiate as Incometax Officer, Class-II in the time scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date mentioned against his name and until further orders.

Sl. Name of the Proposition	motee Place of posting	Date of joining.
1, Sri C. Bhimsena Rao	Incometax Officer, B-Ward, Cuddapah.	9-12-75

### 2. He should note:

- (i) that his promotion is purely provisional;
- that he will be liable for reversion if, after a review of the vacancies, it is found that his promotion/ appointment is in excess of the vacancies available;
- (iii) that he will be on probation for a period of two years in terms of Notification No. 63/F. No. 22/27/59-Ad. VI dated 20-11-1963 from the Government of India, Ministry of Finance, (Department of Revenue), New Delhi. The period of probation may, if found necessary, be extended beyond the above period. He would also be liable for reversion if his performance during the said period is not found to be satisfactory.

He has been posted as Incometax Officer, with effect from the date and in the office noted against his name.

N. SUBBA RAO, Commissioner of Incometax.

 Shrimati Pushpa Devi, Jain W/o Sri Harchand Mal Jain of Jharia, Dhanbad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 1st April 1976

Ref. No. III-149/Acq/75-76/2531.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. H. No. 265, Plot No. 264 situated at Jharia,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 2-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri Banarasi Lal Agarwalla S/o Late Bhagwan Das Agrawalla & Sri Madan Lal Agrawalla S/o Sri Ramadhar Agrawalla of Jharia, Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land 3K. 10 ch. with building at Jharia, Plot No. 364, II. No. 265 etc. as described in deed No. 9929 dated 2-8-75.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna.

Date: 1-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 1st April 1976

JII-150/Acq/75-76/2530.—Whereas, I, A. Ref. No. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961( (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M. H. No. 117 & 118 situated at Deoghar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-8-75,

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, numely :-

16-46 GI/76

(1) S/Shri Sovendra Lal De, Devendra Lal De, Brojendra Lal De, Rajendra Lal De, Smt. Padma De, Smt. Brojoti De, Smt. Sukla De and Smt. Annapurna Rakshit of Ashu Neogy Lane, Hatkhola, Chandernagar.

(Transferor)

(2) Most Luxmi Devi Modi of Gurgola, Bhagalpur Road, Deoghar Town.

(Transferee)

(3) The Transferor

(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 16 Kathas 7 Dhurs together with two Pucca buildings know as "Kumud Kanan & Retreat" H. No. 29/ 3560(50/3) of Rohini Estate, M. H. No. 117 & 118, W. No. 2 at Deoghar.

> A. K. SINHA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna.

Date: 1-4-1976

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 1st April 1976

Ref. No. III-151/Acq/75-76/2529.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. H. No. 35D (old) 38 (New) situated at Patel Babu Road, Bhogalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Calcutta on 25-8-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Jucome-tax Act, 192 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Bishnu Narain Puri, Ram Narain Puri, Govind Narain Puri of Sri Kanahyalal Puri Of Sonepat, Haryana 147, Indra Bisun Road, Calcutta, Vishakapatnam, Andhra Pradesh.

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash Nanole of Mundichak, PS-Kotwali, Dt. Bhagalpur.

(Transferee)

(3) Dr. Om Prakash in first floor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Land 3 Katha with building thereon at Patel Babu Road, Bhagalpur, H. No. 35D (Old) 38 (New) W. No. 2, G. No. 3 as described in deed No. 1-5001, dated 25-8-75.

A. K. SINHA,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna.

Date: 1-4-1976

Scal:

of Jhumaritelaiya, Dt. Hazaribagh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Dilchand Ram Charan Pahari of Jhumarilelaiya, P.S.-Kodarma Dt. Hazaribagh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
PATNA

Patna, the 1st April 1976

Ref. No. 1II-152/Acq/75-76/2528,—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Khata No. 292, 1151 (New) Plot No. 7347 situated at Jhumaritelaiya,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hazaribagh on 26-8-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trusfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Fixplanation: The terms and expressions used herein as are definned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land 48 dec. at Jhumaritelaiya, Khata No. 292, 1151 (New) Plot No. 7347 as described in deed No. 17601 dated 26-8-75.

A. K. SINHA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Patna.

Date: 1-4-1976

(1) Shrimati Malti Saha w/o Sri Krislo Saha of Giridib, P.S./Dt. Giridih.

(2) Shri Sardar Harjit Singh S/o Sardar Kartar Singh of

Jhumaritelaiya, P.S. Kodarma, Dr. Hazaribagh,

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 209D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 1st April 1976

Ref. No. III-153/Acg/75-76/2527.—Whereas, I, SINHA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 296(P), W No. 6 situated at Jhumaritelaiya, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hazaribagh on 22-8-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land 7 Dec. with building on it in Jhumaritelaiva Municipality, H. No. 296(P), W. No. 6 as per deed No. 17378.

A. K. SINHA.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 1-4-1976

FORM ITNS----

 Shrimati Malti Saha W/o Sri Kristo Kumar Saha of Giridih, P.S./Dt. Giridih.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA

Patna, the 1st April 1976

Ref. No. III-154/Acq/75-76/2526.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

H. No. 296, W. No. 6 situated at Jhumaritelaiya, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hazaribagh on 22-8-75.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shrimati Kaushalya Devi w/o Sardar Kartar Singh of Jhumaritelaiya P.S. Kodarma, Dt. Hazaribagh. (Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION,—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land 7 Dec. with a single storeyed building on it in Jhumaritelaiya Municipality, H. No. 296, W. No. 6, as described in deed No. 17379- dated 22-8-75.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 1-4-1976

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA

Patna, the 1st April 1976

Ref. No. III-155/Acq/75-76/2525.—Whereas, I, A. K. Sinha, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 2602, W. No. 1, situated at Mokama, (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barh on 22-8-75.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:

 Shri Raghunandan Gope S/o Late Shyamu Gope, At Mokama Moladiyar tola P.O. P.S. Mokama Dt. Patna.

(Transferor)

(2) M/s Ram Sumiran Singh At/P.O. Mokama, Dt. Patna, Through, Prop. Sri Ram Sumiram Singh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land 14 Kathas with house at Mokama Dt. Patna W. No. 1 Khata No. 1289 Plot No. 2602 as described in deed dated 22-8-75.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 1-4-1976

\_\_\_\_

### FORM ITNS-

(1) Shrimati Bhanumoti C. Thaker W/o Sri Chandra Kant Thaker. Sri Kapil C. Thaker (Minor) Sri Jugal C. Thaker of Hirapur, Dhanbad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Bishwanath Prasad S/o Sri Uttim Chand, Sri Nirmal Kumar Sri Abhoy Kumar, Sri Nirbhoy Kumar, Sri Bimal Kumar & Sri Raj Kumar all sons of Sri Bishwanath Prasad of Hirapore, Dhanbad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA

Patna, the 3rd April 1976

Ref. No. III-156/Acq.76-77/23.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section exceeding Rs. 25,000/1 and bearing

269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. deed No. IV 189 situated at Dhanbad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 7-8-75,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

4th Share of "Ray Talkies" at Dhanbad as described in deed No. IV 189 dated 7-8-75.

A. K. SINHA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquiistion Range, Bihar, Patna.

Date: 3-4-1976.

Seal;

 Shri Nasik Lal Singh S/o Sri Ramchandra Singh of Ranipurchak, P.S.-Chowk Patna City, Dt. Patna. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> (2) Shrimati Shanti Devi W/o Sri Rajendra Mahto of Bari Patan Devi P.S. Alomgary, Dist. Patna. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Patna, the 3rd April 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Ref. No. III-158/Acq/76-77/25.—Whereas, I, A. K. Sinha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referre dto as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 4901, K. No. 632 situated at Ranipurchak, (and more gully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna City on 13-8-1975,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land area 1.54 acres at Ranipur Chak, P.S. Chouk, Patna City Dt. Patna, Plot No. 4901, Khata No. 632 as described in deed No. 498 dated 13-8-75.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

A. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 3-4-1976.

Seal;

FORM I'INS-

(1) Shri Man Mohan Kapoor S/o Sri Madan Mohan Kapoor, of Gardiner Road, Patna. At Present—Pataliputra Colony, New Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA.

Patna, the 3rd April 1976

Ref. No. III-157/Acq/76-77/24.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

H. No. 438 (Part) situated at Station Road, Patna,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 22-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

17-46GI/76

(2) Sardar Harjit Singh S/o Sardar Budha Singh, At Sewak Bhawah, P.O. Jhauganj, Patna City, Dt. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One building on 1593 sq. ft. at Station Road, Patna, H. No. 438 (Part), M. Plot No. 304 (Part) W. No. 2 as described in deed No. 9623 dated 22-8-75.

A. K. SINHA,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 3-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA.

### Patna, the 3rd April 1976

Ref. No. III-159/Acq./76-77/26.—Whereas, I, A. K. SINHA.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing open land in S. No. 235 No H, No. 14, row 16, B. No. 207, situated at Marufganj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 6-8-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Nut Bihari Mondal, Sri Rasick Bihari Mondal, Sriman Binod Bihari Mondal (Minor), Sriman Achal Bihari Mondal, (Minor) Sriman Chanchal Bihari Mondal (Minor), Kumari Sharmistha Mondal (Minor), Kumari Parbak Mondul (Minor), All sons & D/o Late Rash Bihari Mondal—represented by their mother Smt. Kanak Lata Mondal and Smt. Kanak Lata Mondal, w/o Late Rash Bihari Mondal, At Ichapur, P.S. Nowpara Dt.—24-Parganas, W.B.

(Transferor)

(2) Shri Pawan Kumar Singh S/o Sri Shyam Bahadur Singh A+-Marufganj, P.S.-Malsalami, Patna.

(Transferee)

(3) Shri Shib Nath Bhattacharjec.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Land area 0.335 acres with some structures, shed Godown etc. at Marufganj, Patna, H. No. 14 now 16, Cr. No.—207, M.S. Plot No. 356 as described in deed No. 1-4600 dated 6-8-75.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 3-4-1976.

### (1) Shri Harihar Singh Others.

(Transferor)

(2) Shri Virendra Kumar and Others,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 4th February 1976

Ref. No. 35-V/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. situated at Village, Gurli Tappa,

Distt. Gorakhpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Maharaj-ganj (Distt. Gorakhpur) on 7-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Half portion of agricultural land measuring 95.9 acres, situated in Village-Gurli Tappa Bharatkhand, Pargana-Tilpur, Tehsil-Maharaj-ganj, Distt. Gorakhpur.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 4-2-1976.

S¢al :

FORM ITNS----

(1) Shri Abdul Alim.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

\_\_\_\_\_\_

(2) Shri Shahida Faizan.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 11th February 1976

Ref. No. 113/S/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-K65/425 etc, situated at Moh. Piyari Kalan—Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Varanasi on 4-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of house Nos. C-K 65/425, C-K 65/426, and C-K 65/427, situated at Mohalla Piyari Kalan Dist. Varanasi,

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 11-2-1976

Seal;

FORM ITNS ...

(1) Shrimati Bijhar Devi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 12th February 1976

Ref. No. 114-S/ACQUISITION.—Whereas, 1, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-52/41-C situated at Luxmi Kund Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 19-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitions of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri Sushil Kumar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A house No. D-52/41-C measuring 4452 sq. ft. situated in Luxmi Kund Disit. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated: 12-2-1976.

(1) Smt. Narbeda Joshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Arbind Kumar & Others.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 13th February 1976

Ref. No. 60-A/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 640, situated at Village Municipal Bhitar Distt. Almora (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Almora on 27-8-75,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'sald Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Half portion of house bearing No. 640, including land, situated in Village Municipal Bhitar, Patti—Khas—Parja. Distt. Almora.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

Date: 13-2-1976.

(1) Smt. Munni Joshi,

(Transferer)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 13th February 1976

Ref. No. 61-A/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act,

1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 640, situated at Village Municipal Bhitar Distt, Almora,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Almora on 27-8-1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Arbind Kumar & Others.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Half portion of house bearing No. 640, including land, situated in Village Municipal Bhita, Patti—Has—Parja, Distt. Almora.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 13-2-1976.

(1) Shri Panchu Gopal Mullick.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Laxman Das Verma.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 19th February 1976

Ref. No. 22-L/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-19/20 and S-19/21 situated at Baruna Bridge Road,

No. S-19/20 and S-19/21 situated at Baruna Bridge Road, Distt. Varanasi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta, on 22-8-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any other person interested in the said immov-45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A three storeyed house bearing No. S-19/20, alongwith land bearing No. S-19/21, situated at Baruna Bridge Road, Nadeswar, Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated: 19-2-1976.

Scal:

FORM ITNS----

(1) Smt. Gita Rani Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 23rd February 1976

Ref. No. 31-G/ACQUISITION.—Whereas, I, F. Rahman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-21/120 situated at Kammachha Distt. Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 5-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

18—46GI/76

(2) Shri Gopal Das Khanna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A house property bearing No. B-21/120, situated in Kammachha, Distt, Varanasi.

F. RAHMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated: 23-2-1976.

FORM ITNS...

(1) Shri Sri Ram Misra, 620-C Faithfulganj, Kanpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### Shri M. Khurshid, 2. Iqbal Ahmad, 3. Zamir Ahmad, 4. Rashid, 5. Anwar Jamal, 39/11, Meston Road, Kanpur. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Kanpur, the 30th January 1976

(b) by any other person interested in the said immovable eproperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 404/Acq/Knp/75-76/2583.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the Competent Authority under Section 269B of the

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at as per Schedule.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Kanpur on 1-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of one pucca three storeyed house No. 39/11, situated at Topkhana Bazar adjecent Meston Road, Kanpur, transferred for an appearant consideration of Rs. 70,000/-.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 30-1-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 3rd April 1976

Ref. No. 868/Acq./G.Bad/75-76/40.—Whereas, I, Vijay Bhargava,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ghaziabad on 1-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Manohar Lal Sons of Sri Chandan Lal R/o 19-A, Model Town, Ghaziabad, Distt. Meerut. (Transferor)
- Shri Raj Kishore s/o Jyoti Prasad, 2. Smt. Ram Murti W/o Raj Kishore, Residents of 2737, Kishan Ganj, Teliwara, Delhi-6.
   (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/2 portion of three storcyed residential accommodation bearing Municipal No. 18, area 120 sq. yds. situated at Jagniganj, Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 30,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 3-4-1976.

(1) Dr. Manohar Lal son Shri Chandan Lal, R/o 19-A, Model Town, Ghaziabad.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 3rd April 1976

Ref. No. 869/Acq/G.Bad/75-76/41.—Whereas, I, Vijay Bhargava,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 2-8-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the asoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :--

(2) 1. Shri Nanak Chand, 2. Lalman Das, both Sons of Late Lala Deewan Chand R/o 18, Jagni Ganj, Ghaziabad.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/2 portion of three storeyed residential accommodation bearing Municipal No. 18, area 120 sq. yds. situated at Jagnigani, Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 30,000/-.

> VIJAY BHARGAVA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisiton Ruge, Kanpur.

Date: 3-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th April 1976

Ref. No. 870/Acq./G.Bad/75-7642.—Whereas, I, Vijay Bhargava,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 13-8-75,

Ghaziabad, on 13-8-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Chuard Devi Wife of D.L. Gupta. Resident of 25, Chandrapuri, Ghaziabad, Distt. Meerut.

  (Transferor)
- (1) Smt. Savitri Devi W/o Satya Prakash, 2. Raj Kumar, 3. Pawan Kumar, both Sons of Satya Prakash, 4. Munesh Kumar (Minor) S/o Satya Prakash, through his Mother Smt. Savitri Devi, R/o 43. Kelawalan, Delhi Gato, Ghaziabad.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. 88, measuring 200 sq. yds. situated at Navyug Market, Ghaziabad, Distt. Mecrut, transferred for an apparent consideration of Rs. 66,892/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 5-4-1976.

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th April 1976

Ref. No. 834-A/Acq./Agra/75-76/43.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Agra on 2-8-75
for an apparent
consideration which is less than the fair market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) (i) Shri Hubb Lal; (ii) Chotey Lal; (iii) Jamuna Prasad, sons of Late Kanhaiya Lal, R/o Gopalpuri, Distt. Agra.

(Transferor)

(2) Parshuram Nagar Sahkati Grah Nirman Samiti Ltd. Agra through Ramesh Chand Sharma, Secretary, 66, Saket Colony, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 2 Bigha 2 Biswa comprised in Khet Nos. 233 and 234, Khata No. 44, situated at Gopalpura, Distt. Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 42,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 5-4-1976.

Samiti

#### FORM ITNS-

(i) Shri Hubb Lal, (ii) Chotey Lal; (iii) Jamuna Prasad, sons of Kanhaiya Lal, R/o Gopalpura, Distt. Agra.

(Transferor)

Nirman

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th April 1976

Red. No. 835-A/Acq./Agra/75-76/44.—Whereas, I, VIJAY

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 2-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrucent of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Ltd. Agra, through Shri Ramesh Chand Sharma,

(2) Parshuram Nagar Sahkari Grah

may be made in writing to the undersigned-

Secretary, 66, Saket Colony, Agra.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 2 Bigha 2Biswas comprised in Khet Nos. 337, 338 and 339, Khata No. 44, situated at Gopalpura, Distt. Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 48,000/-.

> VIJAY BHARGAVA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Kanpur

Date: 5-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 5th April 1976

Ref. No. 386-A/Acq./Agra/75-76/45.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedulo

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 2-8-75

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (i) Shri Hubb Lall, (ii) Chotey Lal; (iii) Jamuna Prasad sons of Kanhaiya Lal, R/o Gopalpura, Distt, Agra.
  - (Transferor)
- (2) Parshuram Nagar Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd. Agra, through Ramesh Chand Sharma, Secretary, 66, Saket Colony, Agra.

  (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 1 Bigha 12 Biswa comprised in Ket No. 344, Khata No. 44, situated at Gopalpura, Distt. Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 32,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date: 5-4-1976.

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th April 1976

Ref. No. 837-A/Λcq./Agra575-76.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 2-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

19--46GI/76

 (i) Shri Hubb Lall (ii) Chotey Lal; (iii) Jamuna Prasad s/o Late Kanhaiya Lal, R/o Gopalpura, Distt, Agra.

(Transferor)

(2) Parshuram Nagar Sahkari Grah Nirman Samiti I.td. Agra, through Ramesh Chand Sharma, Secretary, 66, Saket Colony, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 2 Bigha 5 Biswa comprised in Khet Nos. 320, 335 and 336, Khata No. 44, situated at Gopalpura, Distt. Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date . 6-4-76.

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th April 1976

Ref. No. 838-A/Acq./Agra/75-76/47.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Sald Act') have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 2-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in putsuance of Section 269C of the Said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) (i) Shri Hubb Lall (ii) Chotey Lal; (iii) Jamuna Prasad s/o Late Kanhaiya Lal, R/o Gopalpura, Distt. Agra.

(Transferor)

(2) Parshuram Nagar Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd. Agra, through Ramesh Chand Sharma, Secretary, 66, Saket Colony, Agra.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 2 Bigha 5 Biswa comprised in Khet Nos. 340 and 341, Khata No. 44, situated at Gopalpura, Distt. Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-4-76

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th April 1976

Ref. No. 839-A/Acq./Agra/75-76/48.--Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 2-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the Said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(1) (i) Shri Hubb Lall (ii) Chotey Lal; (iii) Jamuna Prasad s/o Late Kanhaiya Lal, R/o Gopalpura, Distt. Agra.

(Transferor)

(2) Parshuram Nagar Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd. Agra, through Ramesh Chand Sharma, Secretary, 66, Saket Colony, Agra.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 2 Bigha 4 Biswa comprised in Khet Nos. 342 and 343, Khata No. 44, situated at Gopalpura, Distt. Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 44,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-4-76

Seal

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,

#### KANPUR

#### Kanpur, the 7th April 1976

Ref. No. 915-A/Acq./M.Nagar/75-76/51.—Whereas, I. VIJAY BHARGAVA.

being the competent authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffar Nagar on 7-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act'. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :-

Shri Chandra Prakash Sangal s/o Shri Indra Pra-kash Sangal R/o H. No. 166, Mohalla Rajputana, Roorkee, Distt. Saharangur.

(Transferor)

(2) M/s. ESS-CEE Industrial Corporation, B-11, Industrial Estate, Muzaffarnagar, through Shri Suresh Chand Gupta s/o Gopi Chand Gupta, R/o H. No. 82, Mohalla No. 23, Jullundur Cantt. (Purjab) present Res. 44, Civil Lines, Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act'. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Factory Building situated at B-11, Industrial Estate, G. T. Road, Muzaffar Nagar, land Area 756.37 sq. yds. transferred for an apparent consideration of Rs. 65,000/- and machinery parts for an apparent consideration of Rs. 18,000/- (Total Rs. 83,000/-).

> VIJAY BHARGAVA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 7-4-1976

(1) Smt. Padma Rani Gupta wife of Shri Ashok Gupta, R/o 12, Admonston Road, Allahabad.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,

#### **KANPUR**

Kanpur, the 3rd April 1976

Ref. No. 867/Acq/G.Bad/75-76.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule, situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annuexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 1-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', of the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'sail Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(2) Shri Vinod Prakash Agrawal son of Shri Kunj Behari Lal, through Sri Subodh Kumar s/o Kunj Behari Lal, R/o KC/70, Kavi Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and experience used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. KA/29, measuring 1422.22 sq. yds. situated at Kavi Nagar, Ghaziabad, Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 52,622/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kenpur

Date: 3-4-1976.

#### FORM ITNS ....

AOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 6th March 1976

Ref. No. ARI/1258-1/Aug-75.—Whereas, I V. R. AMIN, being the Competent Authority under section 269 B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

C.S. Nos. 790(P), 8/788 and 790 at Malbar & Cumballa Hill Div., situated at Warden Rd. Bombay

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 1-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) His Highness Maharaja Martandsinghji of Reva. (Transferor)
- (2) Ramniklal Talakshi Doshi & Others.

  Transferee)
- (3) Occupants.

  [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with the messuages,, tenements and dwelling house with chawls and other structures bearing plot No. "C" standing thereon situated lying and being at Warden Road, near Mahalaxmi Compound, in the City Island, Dist. and Registration sub-Dist. of Bombay containing by admensurement 4233.33 Sq. meters or thereabouts (i.e. 5063 sq. yds or thereabouts) forming part or a portion of a larger piece of land bearing Cadastral Survey Nos. 790(P) 8/788 and 790 of Malabar and Cumbala Hill Division and bounded as Follows that is to say, on or towards the North by Sub-Plot No. B; on or towards the South by the property bearing Cadastral Survey No. 791; on or towards the East party by Sub-Plot No. B and partly by a common access passage and on or towards the West By the property bearing Cadastral Survey No. 788 and delineated on the plan there of hereto annexed and marked thereon as Plot "C".

V. R. AMIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-3-1976

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 7th April 1976

Ref. No. AR-I/1292-1/Aug 75.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and C.S. No. 1431 of lower parel Divn. TPS No. IV Mahim, situated at Final Plot No. 490/491 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-8-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsuction (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Eastern Woollen Mills Ltd.

(Transferor)

- (2) Priyadarshini Mahila Co-op. Hsg. Soc. Ltd. (Transferee)
- (3) Tenants.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Final Plot No. 490/491 of T.P.S. No. IV, Mahim Area, Bombay, area 6950/73 sq. mts. C.S. No. 143! of Lower parel Division.

V. R. AMIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-4-1976

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 7th April 1976

Ref. No. AR-I/1293-2/Sept 75.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 1/57/Malbar & Cumballa Hill Divn. situated at Plot No. 1/57/Gowalia tank Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-8-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Hariram Keshavdas Rohitra & Ors.

(Transferor)

- (2) New Mahavir Co-op, Hsg. Soc. Ltd. (Transferee)
- (3) Members.

  [Person in occupation of the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land with 5 storeyed bldg. and garages on plot No. 1/571 Gowalia Tank Road, bearing C.S. No. 1/571 of Malabar & Cumballa Hill Division.

V. R. AMIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY-2

Bombay-2, the 22nd March 1976

Ref. No. AR-II/2034/3730/75-76.—Whereas, I, M. J. MATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 119-B-1 TPS-V. CS No. 26B,

situated at Santacruz (E),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

20-46GT[76

(1) Ved Prakash Aggarwal.

(Transferor)

- (2) Jai Bansal Cooperative Housing Society Limited.
  (Transferee)
- (3) As per annexure 'A'
  (1) Smt. Savitri Devi K. Kumar, (2) Shri Mahabir Prasad Dalmia, (3) Shri Bajranglal Dalmia, (4) Shri Jugal Kishore Dalmia, (5) Smt. Bhanuben Bachubhai Trivedi, Shri Bachubhai Trivedi, (6) Smt. Dhanlaxmi Natverlal Mehta, Shri Natvarlal Shivlal Mehta, (7) Smt. Shardambal Hariharan, (8) Shri Balkrishna Shetty Shiroor, (9) Shri Zinbai Kurji Popat, (10) Dr. Ramanlal Hathalal Joshi, (11) Shri Vijaykumar Mundra, (12) Shri Girdharilal Dharam Chand Malhotra, (13) Shri Thirupudaimaruthur Pichumony Venkatanarayan, (14) Shri Vishwambarlal Balwankand Gupta. (15) Shri Mcwati Bros. (16) Shri V. P. Aggarwal (Garage).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground together with messuages and tenements standing thereon situated lying and being at Prabhat Colony Santacruz East, Registration District, Bandra District Bombay suburban in the Greater Bombay area bearing Plot No. 119-B-1 (new number 103-A) TPS V Santacruz and bearing City Survey No. 26B and Bombay Municipal Corporation No. H Way No. 6918 St. No. I AA admeasuring 918.81 sq. metres i.e. 1107 sq. yds. and bounded as follows; i.e. to say on or towards the North by Plot No. 119-B-2 of the said Scheme, belonging to the vendor, on or towards the South by 40' Road of the said Scheme on or towards the East partly by Plot No. 127 and partly by Plot No. 128 of the said Scheme, on or towards West by Plot No. 118 of the said Scheme.

M. J. MATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 22-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 26th March 1976

Ref. No. AR-V/(416-A/39)75-76.—Whereas, I, I. M. MEHRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 4, Hissa No. 1A, S. No. 5, H. No. 2A, & 3A, situated at Moghul Sakhi Vibar Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Bombay on 16-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Himat Naginbhai Khetani,
   Shri Pravin Naginbhai Khetani Keshav Kanji Oghadbhai Lane, Ghatkopar, Bombay-77.
   (Transferor)
- (2) Linus D'Souza, 235 Villago Ward, Old Kurla, Bombay-70.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and efflpressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground admeasuring 5830 square yards equal to 4874.46 sq. mtrs. or thereabouts and bearing Survey No. 4, Hissa No. 1A, Survey No. 5 Hissa No. 2A and 3A situate at Moghul Sakhi Vihar Road, Zilla South Salsette in the Registration Sub District and District Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows that is to say on or towards the East by the property bearing Survey No. 4 Hissa No. 2 belonging to Ratilal Sanghi & Co., On or towards the West partly by the property bearing Survey No. 4 Hissa No. 1 belonging to Hindustan Oil Mills and partly by the property bearing Survey No. 4 belonging to Gayadin Algue Metal Refinery, On or towards the North by the property bearing Survey No. 6 belonging to Janbhai Poulu Miskita and On or towards the South by 4 feet Road.

J. M. MEHRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-V, Bombay

Date: 26-3-1976

Seal ·

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th February 1976

Ref. No. Acq.23-I-688(276)/16-6/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 119/1, & 119/2, Plot No. 22 & 23, situated at the Rajya Plot, alliance to Lathi Plot, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot on 16-8-1975, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Hiralal Amratlal Parikh, Mangal Bhavan, Karan Para, Rajkot.

(Transferor)

(2) M/s. Shri Ram Traders, Lathi Plot, Kuvadva Road, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land, bearing Survey No. 119/1 & 119/2, Plot No. 22 & 23, Jiva Raiya Plot, adjacent to Lathi Plot, and measuring in all about 2474 sq. yards and situated at Raikot.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 26-2-1976

Scal:

#### FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Manubhai Jeevanlal Khamar, 26, Narsi Nagar Society, Naranpura, Ahmedabad-13.

(Transferor)

(2) Shri Vasantrai Bhagwanji, C/o. Shakti Oil Mills, Man Mohan Market, Jamnagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1976

Ref. No. Acq. 23-l-683(281)/10-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

City Survey No. 37-F-4, situated at Bedi Road, Opp; Solarium, Jamuagar

(and more fully described in

the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jamnagar on Aug., 1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act' to the following persons, namely:...

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A double storey building standing on land admeasuring 426 sq. metres, bearing City Survey No. 37-F-4, situated as Bedi Road, Opposite Solarium, Jamnagar.

J. KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 5-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1976

Ref. No. Acq. 23-I-680 (282)/5-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 947-B situated Near Gita Chowk, Don Area, Krishna Nagar, Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 25-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealthtax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely:-

(1) Patel Nagindas Ukabhai, 115, M.I.G. Shastri Nagar, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) (1) Virendra Ratilal Vora,
(2) Direndra Ratilal Vora, and
(3) Hasmukh Ratilal Vora,

Panjrapole 2nd Street, Laxmi Niwas, 2nd Floor, Bombay-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

A two-storeyed bungalow constructed land admeasuring 528.83 sq. yards, bearing Plot No. 947-B and situated Near Gita Chowk, Don Area, Krishna Nagar, Bhavnagar.

J. KATHURIA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 5-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I.

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th March 1976

Ref. Acq. 23-1-681 (295)/5-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sanand No. 6296, New City Survey Ward No. 3 situated Near Mahalaxmi Mandir, Vora Bazar, Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Bhavnagar on 25-8-1975

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:--

(1) Harshukumar Virendrarai Desai, Atabhai Road, Plot No. 153, Krishnanagar, Bhavnagar.

(Transferor)

- (2) M/s. Kiran Corporation, Vora Bazar, Bhavnagar through partners-
  - Gunvantbhai Kanjibhai Shah,
     Vasantiben Harakhchand Sheth,
  - (3) Pratibhaben Rasiklal Shah, &(4) Harshubhai Virendrarai Desai.

(Transferce)

- (3) (1) Magal Bharti Hotel,
  - (2) Babubhai Tailor,(3) Prabhudas Soni,
  - (4) Rasiklal K. Shah

(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in said the the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms иnd expressions herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A building known as 'Kiran Vidyashram' bearing new City Survey Ward No. 3, Sanand No. 6296 and situated near Mahalaxmi Mandir, Vora Bazar, Bhavnagar.

> J. KATHURIA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 12-3-1976.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 20th February 1976

Ref. No. Acq. 23-I-763 (273)/1-1/75-76.--Whereas, I, J. Kathuria,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Survey No. 198, Final Plot No. 143 of T.P.S. No. 14 situated at Shahibaug. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) (1) Smt. Vinodaben Harshadrai Adhyaru,

(2) Smt. Parthiv Harshadral Adhyaru,
 (3) Kumari Shrungari Harshadral Adhyaru, 'Kum Kum', Panchvati, C.G. Road, No. 1, Ellis Bridge, Ahmedabad.

(Transferor)

Dr. Jagdish Ramnath Jaju,
 Subhash Nagar, Near Girdhar Nagar,
 Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open land admeasuring 709 sq. yds. bearing Survey No. 198 Final Plot No. 143 of T.P.S. No. 14, situated at Shahibaug, Ahmedabad and as fully described in the sale deed No. 12347 dated 22-8-1975.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

; :

Date: 20-2-1976

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 20th February 1976

Ref. No. Acq. 23-1-763 (274)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria,

being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Survey No. 198, Final Plot No. 143 of T.P.S. No. 14 situated at Shabibaug, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 22-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) (1) Smt. Vinodaben Harshadrai Adhyaru,

(2) Smt. Parthly Harshadral Adhyaru,
(3) Kumari Shrungari Harshadral Adhyaru,
'Kum Kum', Panchyati, C.G. Road, No. 1,
Ellis Bridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Chitraben Jagdish Jaju, 13, Subhash Nagar, Near Girdharnagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 709 sq. yds. bearing Survey No. 198, Final Plot No. 143, of T.P.S. No. 14, situated at Shahibaug, Ahmedabad and as fully described in the sale deed No. 12348, dated 22-8-1975.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 20-2-1976

 Shri Rohinton Dungaji Daruwala, Room No. 5, Grand Hotel Building, Lal Darwaja, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shakti Builders, 174 New Cloth Market, Raipur Gate. Ahmedabad-2.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ahmedabad-380009, the 20th March 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Acq. 23-I-743 (305)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Survey No. 197, 199/2/B T.P.S. No. 19 situated at Memnagar, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
 respect of any income arising from the transfer
 and/or;

# THE SCHEDULE

(b) facilitaiting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957); An open plot of land admeasuring 2794 sq. yards bearing Survey No. 197 and 199/2/B, T.P.S. No. 19 and situated at Memnagar, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 20-3-1976

Seal:

21-46 GI/76

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 20th March 1976

Ref. No. Acq. 23-I-754 (306)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Survey No. 54, 57 & 58 (Part) situated at Sahijpur Bogha, Ahmedahad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-8-1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the 'consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Chimanlal Kuberdas Modi, (2) Smt. Kamlaben Mayjibhai, Kuber Nivas, Raikhad, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Nav Durga Tenaments Association, Opp: S.T. Central Workshop, Naroda Road, Patia, P.O. Sahijpur Bogha, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 6659 sq. yards Survey No. 54, 57 & 58 (Part), situated at Sahijpur Bogha, Ahmedabad.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 20-3-1976

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 1st April 1976

Ref. No. Acq. 23-I-689 (307)/16-6/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 215, Plot No. 1071-73 situated at the Aji Industrial Arca. Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 22-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Comsales Engineering Works, Rajkot, Prop: Shri Damodar Mohanlal Soni, 80 Ft. Road, "Ishwan Ashish", Rajkot,

(Transferor)

(2) M/s. Vacco Electoplates, Rajkot through its main partner: Shri Laljibhai Karamshibhai Vakaria, Bhaktinagar Station, Godown Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

# THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 1500 sq. yards and bearing Survey No. 215, Plot No. 1071-73 and situated at Aji Industrial Area, Rajkot.

J. KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 1-4-1976

Seaf:

#### FORM 1TNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 7th April 1976

Ref. No. Acq. 23-1-765 (317)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Final Plot No. 126, Sub-Plot No. 18 T.P.S. 4 situated at Ganesh Gali, Maninagar Char Rasta, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on August, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Hiralaxmi daughter of Mohanlal Punjiram Modi, Maninagar, Char Rasta, Ahmedabad-8.

(Transferor)

(2) (1) Ambalal Vithaldas,

(2) Vimlaben Ambalal, Maninagar Char Rasta, Ahmedabad-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 486 sq. yards bearing F. Plot No. 126, Sub-Plot No. 18 of T.P.S. No. 4 and situated at Ganesh Gali, Maninagar Char Rasta, Ahmedabad.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 7-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th April 1976

Ref. No. Acq. 23-I-691(319)/16-6/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Survey No. 608-A situated at Parduman Nagar, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot on 8-8-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the air market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely:—

(1) (1) Bipinkumar Gajanan Joshi,

(2) Shirishchandra Gajanan Joshi, Residing near Moti Tanki, Rajkot.

(Transferor)

 M/s. R. P. Shah Sons (A Registered Firm) Danapith, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A building (since dismantled) alongwith land admeasuring 776-2-3 sq. yards bearing Survey No. 608-A, situated near Moti Tanki, Praduman Nagar, Rajkot.

J. KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 9-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 29th March 1976

Ref. No. P.R. No. 314/Acq.23-534/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 389A Hissa No. 1, 2 & 3 paiki situated at Katargam Ashwinikumar Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 20-8-1975,

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section, 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Fulchandbhai Jakisandas Vakharia, Navapura, Karva Road, Surat.
   (Transferor)
- (2) Chandrakant Nathubhai Shab; 9/441, Store Sheri, Wadi Falia, Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 389/A Hissa 1, 2 and 3 paiki, Final Plot No. 79B admeasuring 4213 sq. yds. alongwith wire fancing situated on Ashwinikumar Road, Katargam, Surat as fully described in the Registered sale deed No. 3819 of August, 1975 of Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 29-3-1976.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 29th March 1976

Ref. No. P.R. No. 315Acq.23-594/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property I

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 196 of Ward No. 9, situated at Pagathia Sheri, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 12-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Λct, 1922 (11 of 1922) of the Said Act or the Wealth Tax Λct, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Balvantrai Jakisandas, Karta of his HUF and others, Pagathia Sheri, Wadi Falia, Surat. (Transferor)
- (2) S/Shri
  Ambalal Balvantrai;
  Jaswantlal Balvantrai;
  Navinbhai Balvantrai;
  Arvindlal Balvantrai;
  Jitendra Balvantrai;
  Pagathia Sherl, Wadi Falia, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land with old shed bearing Nondh No. 196 of Ward No. 9 admeasuring in all 281 sq. yds. and situated in Pagathia Sheri, Wadi Falia, Surat as fully described in the registered sale deed No. 2067 of August, 1975 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 29-3-1976.

Seal;

- (1) M/s. Jaipur Investment Company Ltd.
  (Transferor)
- (2) Shri Sripal Bahadur Singh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta, the 11th March 1976

Ref. No. AC-51/Acq. R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 107,

situated at Netaji Subhas Ch. Bose Road, P. S. Tollygunge (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta

on 20-8-75

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 1 bigha 0 cottah 13 chittaks 15 sft. together with two storied building and other structures thereon situated at 107. Netaji Subhas Chandra Bose Road, P. S. Tollygunge, Calcutta more particularly as per deed No. 4927 dated 20-8-1975.

S. S. INAMDAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
CALCUTTA-16

Date:11-3-1976.

(1) M/s. Mani Kant Pvt. Ltd. 15, Mathew Road, Fort Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Shanti Nagar Housing Society Pvt. Ltd.
 Ezra Street, Calcutta.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-V,
CALCUTTA

Calcutta, the 1st April 1976

Ref. No. AC-1/Acq. R-V/Ca1/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2&2/1,

situated at Netaji Subash Road, P. S. Bally, Howrah.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta

on 20-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

22-46 G176

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 11 Bighas 7 Cottahs 3 Chittaks 30 Sft. situated at Premises No. 2 & 2/1, Netaji Subash Road, Lileoah, P. S. Bally, Dist-Howrah more particularly as per deed No. 1-4922 dated 20-8-75 registered in the office of the Registrar of Assurances, Calcutta.

S. S. INAMDAR
Comptent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V
CALCUTTA-16

Date: 1-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V

Calcutta, the 1st April 1976

Ref. No. AC-2/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 2 & 2/1

situated at Netaji Subhas Road, P. S. Balley, Howrah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

**at** Calcutta **o**n 20-8-75

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Mani Kant Pvt Ltd. 15, Mathew Road, Fort Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Shanti Nagar Housing Society Pvt. Ltd.50, Ezra Stree, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece of parcel of land measuring 15 cottabs 14 chittaks 40 sft. situated at premises No. 2 & 2/1 Netaji Subhas Road, Lilloah, P. S. Balley Dist-Howrah more particularly as per deed No. 1-4924 dated 20-8-1975 registered in the office of the Registrar of Assurance, Calcutta.

S. S. INAMDAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Calcutta

Date: 1-4-1976

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd April 1976

Ref. No. AC-3/Acq. R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/~ and bearing

No. 15

situated at Dum Dum Road, P. S. Chitpur, 24-Prs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 11-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sharimati Raj Lakshmi Mullick wife of Sri Bhubaneswar Mullick, Burrabazar, Chitpur, Dist-Hooghly.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Mitra, 14/C/IA, Dum Dum Road, Calcutta-30. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3 bighas 12 cottahs more or less together with building being premises No. 15, Dum Dum Road, P. S. Chitpur, Dist-24-pgs more particularly as per deed No. 1-4686 dated 11-8-75 Registered in the office of the Registrar of Assurances, Calcutta.

S. S. INAMDAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date: 3-4-1976

(1) Shrimati Jyotsna Chatterjee, 141, Lake Road, Cal-29.

(2) Shri Paritosh Mazumdar and Sm. Susama Mazumdar, R.K-1/332 Sindri, Dist.: Dhanbad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-V, **CALCUTTA** 

Calcutta, the 3rd April 1976

Ref. No. AC-4/Acq.R-V/Cal/76-77.-Whereas, I, S. S. INAMDAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aci, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag-9761, Kh. No. 1849, situated at Mouza Chatra P.S. Srirampur Dist-Hooghly

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 18-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 0.0132 acres together with two storied building thereon being Dag No. 9761 Kh. No. 1849 at Mouza Chatra, P.S. Serampore, Dist-Hooghly.

> S. S. INAMDAR. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date: 3-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

ing the contraction of the contr

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd April 1976

Ref. No. ΛC-5/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INΛMDAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter

refered to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag 2686, Kh. No. 425, situated at Mouza Belur, P.S. Bally, Dist-Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Howrah on 13-8-75

for an apparent consideration,

which is less than he fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-Tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Smt. Shanti Devi, 2. Sri Hemant Kr. Ganeriwalla,
 Sri Sushil Kr. Ganeriwall and 4. Sri Sarad Kr. Baneriwalla.

(Transferor)

(2) 1. Sri Surajmal Gupta, 2. Ram Kanwar Singh,
 3. Nawal Kishore Gupta, 4. Smt. Chalti Devi Gupta,
 (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2 bighas 19 cottahs and 3 chittaks together with structures thereon situated at 15 & 15/2, Belur Road, being Dag No. 2686 of Kh. No. 425 at Mouza Belur, P.S. Bally, Dist-Howrah more particularly as per deed No. 3203 dated 13-8-1975.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date: 3-4-1976.

#### FORM ITNS----

\_\_<u>\_\_</u>\_\_

(1) Shri Panchanan Roy.

(Transferor)

=\_\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kali Prasad Gupta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1976

Ref. No. AC-6/Acq.R-V/Cal/76-77.--Whereas, I, S. S. INAMDAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mouza Barrackpore, situated at P.S. Bally, Dist-Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Howrah on 14-8-75

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of tank with the land underneath and bank land measuring 3th share of 5 Bighas 15 cottahs 10 chittaks 8 sft. being Dag No. 2996, 2997, 2999 and 3000 of Kh. No. 1053 situated in Mouza Barrackpore, P. S. Bally, Dist.-Howrah,

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V,
54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date: 6-4-1976

Scal:

(1) Shri Chitta Ranjan Roy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kali Prasad Gupta.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-V,

CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1976

Ref. No. AC-7/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mouza Barrackpore, situated at P.S. Bally, Dist-Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 14-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act'. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269C of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of tank with the land underneath and bank land measuring 4th share of 5 Bighas 15 cottahs 10 chittaks 8 sft. being Dag No. 2996, 2997, 2999 and 3000 of Kh. No. 1053 situated in Mouza Barrackpore, P. S. Bally, Dist-Howrah more particularly as per deed No. 3223 dated 14-8-1975.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date: 6-4-1976

(1) Shri Panchanan Roy.

Kanodia.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1976

Ref. No. AC-8/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mouza Barrackpore, situated at P.S. Bally, Dist-Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 14-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned---

(2) 1. Mohan Lal Takmani, 2. Krishna Kr. Garg,
 3. Bhagwati Prosad Kanodia, 4. Sambhu Charan

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of tank with the land underneath and bank land measuring 3th share of 5 Bighas 18 cottahs 9 chittaks 6 sft. being Dag No. 2993, 2994, 2996 and 2997 of Kh. No. 927 and 1053 situated in Mouza Barrackpore, P.S. Bally, Dist-Howrah.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date : 6-3-1976

Scal:

(1) Shri Panchanan Roy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhabani Charan Nandy.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-V,

CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1976

Ref. No. AC-10/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mouza Barrackpore, situated at P.S. Bally, Dist-Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Howrah on 13-8-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

23-36GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and parcel of tank with the land underneath and bank land measuring 4 bighas 16 cottahs 5 chittaks 3 sft. being Dag No. 2995 of Kh. No. 1097 situated in Mouza Barrackpore, P.S. Bally, Dist-Howrah.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date . 6-4-1976.

Soal:

# FORM ITNS---

(1) Shri Chitta Ranjan Roy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri 1. Mohan Lal Takmani, 2. Krishna Kr. Garg,
 3. Bhagawati Prosad Kanodia & 4. ambha Charan Kanodia.

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-V,

CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1976

Ref. No. AC-9/Acq. R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mouza Barrackpore, situated at P.S. Bally, Dist-Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Howrah on 12-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of tank with the land underneath and bank land measuring ½th share of 5 Bighas 18 cottahs 9 chittaks 6 sft, being Dag No. 2993, 2994, 2996 and 2997, of Kh. No. 927 and 1053 situated in Mouza Barrackpore, P.S. Bally, Dist-Howrah.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Cal-16.

Date: 6-4-1976

(1) Shri Shyam Sunder Goenka, 9. Rowdon Street, Calcutta,

(Transferor)

- (2) Shrimati Puspa Kajaria, 9, Bonfield Lane, Calcutta. (Transferee)
- \*(4) 1. Sm. Sushila Kajaria.
  - 2. Sakun Kajaria.
  - 3. Sm. Prabhawati Kajaria.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 18th March 1976

Ref. No. 323/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 145, situated at Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in all the piece and parcel of land measuring 1 bigha 19 cottahs 13 chittacks 14 sq. ft. together with a two storied building thereon at 145, Netaji Subhas Chandra Bose Road, P.S. Jadavpur, 24-Parganas registered under deed No. 4720 of 1975 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 18-3-1976.

Scal:

(1) Shri Shyam Sunder Goenka, 9, Rowdon Street, Calcutta. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 18th March 1976

Ref. No. 324/Acq. R-III/75-76/Cal.--Whereas, I, L. K. Balasubramanian,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 145, situated at Netaii Subbas Chandra Bose Road, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-8-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---

- (2) Shrimati Puspa Kajaria, 9, Bonfield Lanc, Calcutta.
- (3) 1. Sm. Sushila Kajaria,
  - 2. Sm. Sakun Kajaria.
  - 3. Sm. Prabhawati Kajaria.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in all the piece and parcel of land measuring 1 bigha 19 cottahs 13 chittacks 14 sq. ft. together with a two storied building thereon at 145. Netaji Subhas Chandra Bose Road, P.S. Jadavpur, 24-Parganas registered under deed No. 4719 of 1975 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

> L. K. BALASUBRAMANIAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range III, 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 18-3-1976. Seal:

FORM ITNS.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 18th March 1976

Ref. No. 325/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing

No. 145, situated at Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta, (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 12-8-75

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shyam Sunder Goenka, 9, Rowdon Street, Calcutta,

(Transferor)

- (2) Shrimati Sakun Kajaria, 9. Bonfield Road, Calcutta. (Transferee)
- \*(4) 1. Sm. Sushila Kajaria.
  - 2. Sm. Puspa Kajaria.
  - 3. Sm. Prabhawati Kajaria.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in all the piece and parcel of land measuring 1 bigha 19 cottabs 13 chittacks 14 sq. ft. together with a two storied building thereon at 145, Netaji Subhas Chandra Bose Road, P.S. Jadavour, 24-Parganas registered under deed No. 4717 of 1975 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date; 18-3-1976,

Scal:

FORM ITNS.....

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, **CALCUTTA**

Calcutta, the 18th March 1976

Ref. No. 326/Acq. R-JII /75-76/Cal.--Whereas, I, L. K. Balasubramanian,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 145, situated at Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the porperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:-

Rowdon Street, (1) Shri Shyam Sunder Goenka, 9, Calcutta.

(Transferor)

- (2) Prabhawati Kajaria, 9, Bonfield Road, Calcutta. (Transferce)
- (4) 1. Sm. Sushila Kajaria. 2. Sm. Puspa Kajaria. 3. Sm. Sakun Kajaria.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The expressions terms and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in all the piece and parcel of land measuring 1 bigha 19 cottahs 13 chittacks 14 sq. ft. together with a two storied building thereon at 145, Netaji Subhas Chandra Bose Road, P.S. Jadavpur, 24-Parganas registered under deed No. 4716 of 1975 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range III, Calcutta 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 18-3-1976.

(1) Shrimati Sabita Pathak 40/17B, Moore Avenue, Calcutta-40.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd March 1976

Ref. No. 327/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Halasubramanian

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 40/17B, situated at Moore Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 11-8-75

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property—and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the is ue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Samir Kumar Panja 23/40/1, K. M. Nasker Road, Calcutta-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 3 cottahs 7 chittacks 11 sq. ft. together with 21storeyed building erected thereon situated at 40/17B, Moore Avenue, P. S. Jadavpur, Calcutta-40, Under deed No. 4167 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Alipore, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax

Acquisition Range III,

54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16,

Date: 22-3-1976

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 29th March 1976

Ref. No. 329/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I. L. K. Balasubramanian

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, situated at Gariahat Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore, Calcutta on 14-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri S. K. Sharafat Hossain Bolepur (Nichupati) P.O. Bolepur, Dist. Birbhum.

(Transferor)

(2) 1. Sri Ashis Guha Roy 314, Parnasree Pally, P.S. Behala, 24-Pgs. 2. Sm. Krishna Roy 67/1, S. N. Roy Road, Calcutta 38. 3. Sm. Sukla Chowdhury

25. East Road, Calcutta-32,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 5 cottahs 3 chittacks and 21 sq. ft. situated and being premises No. 1, Gariahat Road, Calcutta under deed No. 4274 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Alipore, Calcutta.

> L. K. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range III. 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 29-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 30th March 1976

Ref. No. 330/Acq.R-III/75-76-Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26/6, situated at Hindusthan Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the Section (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—24—46GI/76

(1) Shri Deborati Ghosh, 14, Hem Chandra Street, Calcutta-14.

(Transferor)

(2) Shri Ganesh Ojha, 26/6, Hindusthan, Park, Calcutta-29.

(Transferee)

- (3) 1. "Shyama" (Cloth Shop)
  - 2. "Dress Co." (Cloth Shop)
  - 3. "Eva Land Tailors" (Cloth Shop)
  - 4, Sri S. C. Jain
  - 5. Union Bank
  - 6, Sri Chobe,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 2.5 cottahs together with three storeyed building erected thereon situated at and being the southern portion of premises No. 26/6, Hindusthan Park, Calcutta as per deed No. 4549 of 1975 registered with Registrar of Assurance, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range-III,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 30-3-76.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 30th March 1976

Ref. No. 331/Acq.R-III/75-76-Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26/6, situated at Hindusthan Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on 4-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Debarati Ghosh, 14, Hem Chandra Street, Calcutta-14. (Transferor)
- (2) Shri Deodip Singh, 26/6, Hindusthan Park, Calcutta-29.

  (Transferee)
- (1) 1. Sri Kayan Kr. Saha
  - 2. Sri Pritam Singh
  - 3. Sri Raini M. Sadwani
  - 4. Sri Nagina Ram Sharma
  - 5. Union Bank
  - 6. Smt. Gayatri Debi.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 2.5 cottahs together with three storeyed building erected thereon situated at and being the southern portion of premises No. 26/6. Hindustan Park, Calcutta as per deed No. 4550 of 1975 Registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 30-3-76.

(1) Shri Sunit Kumar Lahiri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok Kumar Poddar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUITA

Calcutta, the 8th April 1976

Ref. No. TR-127/C-126/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5, situated at Prafulla Sarkar St., Calcutta

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at 5, Govt. Place North, Calcutta on 7-8-75 for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/12th share of land being 10 cottah 15 Ch. at premises No. 5, Prafulia Sarkar St., (formerly 16 Bentinck St. & 35, Sootarkin St.) Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 8-4-76.

FORM 1TNS--

(1) Shri Gouri Choudhuri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Ashok Kumar Poddar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 9th April 1976

Ref. No. TR-128/C-125/Cal-1/75-76,—Whereas, I, S. K. Chakravarty,

being the competent authority under section 269B. of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5, situated at Prafulla Sarkar St., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 6-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per centof such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/12th share in land being 10 cottahs 15 chittacks at No. 5, Prafulla Sarkar St., Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, 3rd Floor, Calcutta-16

Date, 9-4-76.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1976

Ref. No. Ac-1/R-II/Cal/76-77.—Whereas, I, R. V. Lal-mawia,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Kh. Nos. 202, 162 & 346 and Dag Nos. 234, 234/388, 234/389, 331/368, 331/474 & 228, situated at Mouza Rampur, Pargana' Magura, P.S. Maheshtollah, Alipore,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registrar of Assurances, Calcutta on 19-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Chandur Shivandas Advani, s/o Late Shivandas Advani & 2. Smt. Savita Chandur Advani, wife of Chandur Shivandas Advani, both residing at Flat No. 14, in premises No. 10/4, Elgin Rd., Cal. (Transferor)
- Nuruddin M. Abbashoy, 2. Sajjad M. Abbashoy, 3. Mohamedi M. Abbashoy, 4. Feroze M. Abbashoy and 5. Zoeb M. Abbashoy, all sons of Abbashoy, C/o M/s. M. S. Fittings Mfg. Co., 17. Weston Street, Calcutta-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Land measuring 1.49 acres in Mouza Rampur, Pargana Magura P.S. Maheshtallah, Distt. Alipore, of Kh. Nos. 202, 162 & 346, Dag Nos, 234/338, 234/389, 331/368, 331/474 & 228.

R. V. LALMAYIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta,

Date: 8-4-76.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1976

Ref. No. Ac. 2/R-II/Cal/76-77.—Whereas, I, R. V. Lalmawia,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 926, situated at Alipore Road, Calcutta

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registrar of Assurances, Calcutta on 8-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Tara Chand Mohanka, 36, Ezra Street, Calcutta.

  (Transferor)
- (2) Techno Electric & Engineering Co. Pvt. Ltd., P46A, Radhabazar Lane, Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 11-kottahs, 7-chittaks & 5-sq. ft. at 92E, Alipore Rd., Calcutta.

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 8-4-76.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th February 1976

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/315.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nohra No. 12 situated at Sriganganagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 18-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', hereby initiate poceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Santlal
  - (2) Shrl Ram Dayal
  - (3) Shri Hukamchand
  - (4) Shri Tarachand
  - (5) Shri Madanlal Sons of Shri Ramsukhdas alias Ramsarupdas Aggarwal,

R/o Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Amarlal S/o Shri Karamchand Arora, R/o Srigangannagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used

herein as are defined in Chapter XXA of the
'said Act', shall have the same meaning as

given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Nohra No. 12, measuring 22×90 ft. in Industrial Area, Sriganganagar more fully described in conveyance deed registered on 18-8-1975 by Sub-Registrar Sriganganagar.

C. S. JAIN.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 10-2-1976,

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th February 1976

Ref. No. Raj/IAC/(Ac)/316.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Nohra No. 12 situated at Sriganganagar,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sriganganagar on 5-9-1975.

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and 1 bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tansferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Santlal
  - (2) Shri Ram Dayal
  - (3) Shri Hukamchand
  - (4) Shri Tarachand

(5)(Shri Madanial, Sons of Shri Ramsukhadas alias Ramsarupdas Aggarwal, R/o Sriganganagar

(Transferor)

(2) Shrimati Shila Devi w/o Shri Amarlal Arora, R/o Srlganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Nohra No. 12, measuring 20×90 ft. in Industrial Area, Sriganganagar more fully described in conveyance deed registered on 5-9-1975 by the Sub-Registrar, Sriganganagar.

C. S. JAIN,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jaipur

Date : 10-2-1976.

(1) Shri K. Padmanabhan,Chartered Engineer.1B, New Natham Road, Madurai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 2nd April 1976

Ref. No. X/1/63(AUG)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1-B, situated at New Natham Road, Madurai-2, situated at Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Madurai (Doc. No. 2657/75) on August 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

25—46 GI/76

(2) Shri S. E. Varusai Mohamed Ravoothar, 280B. Goodshed Street, Madurai-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 18 cents with buildings thereon at door No. 1B (T.S. No. 4471/1A), New Natham Road Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 2-4-1976.

Scal:

(1) Shri An Jeth Ahamed, 41, Promonade Road, Tiruchirapalli-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Vincent & Co., (P) Ltd., No. 6, Madurai Road, Tiruchirapalli-1. Represented by Shri P. Krishnamoorthy Rao, Director,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6 Madras-6, the 6th April 1976

Ref. No. X/10/7(AUG)/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4

situated at West Veli Street, Madurai,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 1492) on 14-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd of the 2/3rds undivided share in land measuring 1202 sq. ft. with building thereon at door No. 4 (Survey No. 448). West Veli Street, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 6-4-1976.

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 6th April 1976

Ref. No. X/10/8/(AUG)/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4 situated at West Veli Street, Madurai,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 1493/75 on 14-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Shri Zafar Ahamed,
 J. 122/1, Gangaikondar Colony,
 NEYVELI 2, South Arcot Dt.,

(Transferor)

(2) M/s. Vincent & Co., (P) Ltd., No. 6, Madurai Road, Tiruchirapalli-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person increased in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd of the 2/3rds undivided share in land measuring 1202 sq. ft. with building thereon at door No. 4 (Survey No. 468), West Veli Street, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6

Date: 6-4-1976.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras-6, the 6th April 1976

Ref. No. X/10/96(SEPT)/75-76.—Whereas, I. G. RAMA-NATHAN.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4 situated at West Veli Street, Madurai,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 1671/75) on Sept. 1975 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Shawket Ahamed, "Dilkusha", 16-8-238/2, Malakpet, Hydernbad-36.

(Transferor)

(2) M/s. Vincent & Co., (P) Ltd., No. 6, Madurai Road, Tiruchirapalli-1, Represented by Shri P. Krishnamoorthy Rao, Director,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chater.

#### THE SCHEDULE

1/3rd of the 2/3rds undivided share in land measuring 1202 sq. ft. with building thereon at door No. 4 (Survey No. 468), West Veli Street, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 6-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 6th April 1976

Ref No. XVI/1/20(AUG)/75-76,---Whereas, I, G. RAMA-NATHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 12/350 situated at Rajaji Road, Salem-7,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Salem (Doc. No. 3337/75) on August 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent to such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Smt. Vijayalakshmi W/o Shri Gopalakrishna Menon, By Power of Attorney Agent Shri K. Vasudevan Nair, Chennakrishnapuram, Salem-7.

(Transferor)

(2) 1. Shri A. S. Mani.

Shri A. S. Venkataraman,
 Shri A. N. Rajamani,

Shri M. Nanjundan,
 Shri A. V. Sundaresan, Minor A. M. Sivakumar,

Minor M. Srinivasan

by father and guardian Shri A. S. Mani,

Minor R. Balasubramanian,

Minor R. Naranaganesh, Minor R. Suresh,

by father and guardian Shri A. N. Rajamani. Photo House, Mani Studio, 1st Agraharam,

Salem-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the that of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION .: The terms used and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 33464 sq. ft. with buildings thereon at door No. 12/350 (T.S. No. 5, Block 17, Ward 'C'), Chairman Rajagopalachari Road, Sivasamipuram Extension Salem.

G. RAMANATHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 6-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 6th April 1976

Ref No. XVII/2/11(AUG)/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. situated at Pottireddipatti village, Namakkal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erumapatti, Namakkal (Doc. No. 726/75) on 7-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Smt. Salima Bi Ammal, W/o Abdul Ajcez Sahib,
  - (2) Shri Anwar Basha, Pudu Agraharam, Namakkal, Kamal Basha,
  - (3) Shri Thabruz Basha
  - (4) Shri Edappadi, Iqbal,
  - (5) Shri Pudu Agraharam, Namakkal.

(Transferor)

(2) Smt. Kuppulakshmi W/o Varadarajun, Pera Kurichi P.O. Namakkal Taluk,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 ,days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural lands at Pottireddipatti village, Erumaipatti, Namakkal Taluk having the following measurements:

Survey Nos. 304/1 & 304/2-3 Acres and 72 cents with half share in shed and well.

Survey No. 305/1—4 Acres and 94 cents with half share in well, motor, pumpset and trees.

Survey Nos. 304/3 and 4-21 cents with half share in

Survey No. 305/2-2 Acres and 86 cents with half share in trees.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 6-4-1976.

(1) Shri Puttan (alias) Mari Gounder (1), Shri Chinnasamy Gounder, Vakurappampatti village, Arur Tq., Dharmapuri Dt., (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri B. Srinivasan,Raji Vakurappampatti village,Arur taluk, Dharmapuri district.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 7th April 1976

Ref. No. V/15/72(AUG)/75-76,—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN.

being the Competent Authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 209/2 situated at Vakurappampatti village, Dharmapuri Dt.

(and more fully described in the schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Barur (Doc. No. 695/75) on August 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

such apaprant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 19 acres in Survey No. 209/2, Vakurappampatti village, Arur taluk, Dharmapuri district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 7-4-1976.

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 7th April 1976

Ref. No. XVII/3/69(AUG)/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. 636/13 situated at Arasiramani Village Indappadi,

Namakkal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Idappadi (Doc. No. 1172/75) on 29-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Ilability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Veerayammal (1)

W/o Arumuga Gounder,
Periyayi (2),
Mariammal (3) and
Palaniammal (4)
Settlpatti Arasiramani village, Namakkal.

(Transferor)

(2) Shri Nagappa Chettiar (1), Shri Palaniappan and Shri Kandappan (3), Thavantheru, Edappadi, Namakkal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 3,30 share in land measuring 5 acres and 17 cents in R.S. No. 636/13, Arasiramani village, Namakkal.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 7-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 7th April 1976

Ref. No. XXII/1/55(AUG)/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 152/1 situated at Piranur, Tenkasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenkasi (Doc. No. 763/75) on 30-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, by the following person, namely:—

26-46GL/78

(1) Heeralal Nanda,

Shri Yashpal Nanda,

Shri Ranbeer Kumar Nanda and Smt. Neelam Nanda w/o Ranbeer Kumar Nanda by power of attorney agent Heeralal Nanda,

No. 85, Venkatasamy Road, R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

- M/s. Sakti Automatic Saw Mills, Piranur, Tenkasi;
   By partners
  - 1. Shri Abjee Samjee;
  - 2. Shri Dasarath:
  - 3. Shri Babulal and
  - 4. Shri Karamji,

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 1-15 acres with buildings thereon with trees, machinery, etc., in Survey No. 152/1, Piranur village, Tenkasi covered by Doc. No. 763/75.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax.
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 7-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 7th April 1976

Ref. No. XXII/1/56(AUG)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 152/2 situated at Piranur village, Tenkasi

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Tenkasi (Doc. No. 764/75) on 30-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section(1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely:—

- Shri Ranbeer Kumar Nanda, by Power of Attorney Agent Shri Heeralal Nanda.
   Venkatasamy Road, R. S. Puram, Coimbatore. (Transferor)
- (2) M/s. Abice Samjee, Shri Dasarath, Shri Babulal and Shri Karamji, Timber and Saw Mill merchants, Palladam Road, Pollachi taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 1 acro and 10 cents in Survey No. 152/2, Piranur village, Tenkasi with 4 coconut trees and 2 neem trees.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 7-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 7th April 1976

Ref. No. XVII/9/51(AUG)/75-76,---Whereas, I, G. RAMA-NATHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. situated at Sangagiri and Kasturipatti villages, Namakkal

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sankaridurg (Doc. No. 636/75) on 26-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri E. Nesamani Sulochana, Old Edapadi Road, Sangagiri, Namakkal.

(Transferor)

(2) Shri T. Alagappan, Railway contractor, Sangagiri.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural lands bearing the following survey numbers

I. SANGAGIRI VILLAGE :

Survey No. 172/1
Survey No. 172/2
Survey No. 172/4
Survey No. 172/5
Survey No. 216/1
Survey No. 216/2
Survey No. 216/4
Survey No. 216/4
O-71 Acres
O-69 Acres
O-12 Acres
O-12 Acres
O-12 Acres
O-75 Acres
O-75 Acres
Total: 4.06 Acres

II. KASTURIPATTI

6/14 0-26 Acres 6/2 0-22‡ Acres

Total: 0-481 Acres.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 7-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 7th April 1976

Ref. No. XVII/13/71(AUG)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. 367/9 and 368/3A situated at Thenur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumarapalayam (Doc. No. 1241/75) on 27-8-1975 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Chinnathambi and Periasamy,
  Pudupalayam Thenur, Kumarapalayam.
  (Transferor)
- (2) Shri P. Sukkuraj,
  Pudupalayam Thenur, Kumarapalayam.
  (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Half share in land measuring 2 acres and 56 cents in Survey Nos. 367/9 and 368/3A, Thenur village.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 7-4-1976.

FORM ITNS

(1) Shrimati Kamalesh Kumari Devi, D/o Shreeshesa Pratap Smgh Deo.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

9, FOREST PARK, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 27th February 1976

Ref. No. 23/75-76/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, G. B. CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 11-B situated at Suryanagar, Bhubaneswar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhubaneswar on 13.8.1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of an income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shrimati Kama Devi, W/o Ram Kumar Ram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single storeyed building situated at Suryanagar, Bhubaneswar bearing Plot No. 116-B registered on 13.8.75 in the Office of the Sub-Registrar, Bhubaneswar vide sale deed No. 5112.

G. B. CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhubanesway.

Date: 27.2.1976

- (1) Vegesina Ramakrishna Raju, Narasimhapuram (Transferor)
- (2) Uddaraju Parvathavardhanamma, Bhimavaram (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTNAT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th February 1976

Ref. No. Acq. File No. 318 J.No. I(134)WG.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS. No. 69/1 & 69/2, situated at Peda Amiram Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhimavaram on 31-9-1975

(or an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per document no. 1677/75 of the SRO, Bhimavaram registered during the fortnight ended on 31-8-75.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 19-2-1976.

(1) Sri, G. V. V. Rangaramanujam, Late. G. G. Krishna Murthy, Vijayawada. (Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) D. Rangarao, S/o. Late Guruvaiah, Mylavaram. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Kakinada, the 27th February 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Acq. File No. 323 J.No. 129/KR/75-76.—Whereas, I. B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

Door No. 163/New No. 104, situated at Mylavaram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylavaram on 15-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

### THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 882/75 of the SRO, Mylavaram registered during the fortnight ended on 15-8-1975.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 27-2-1976.

(1) Sri Poduri Narasimha Murthy, Warrangal.
(Transferor)

(2) Dr. V. Krishnam Raju, Amalapuram.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 16th March 1976

Ref No. Acq. File No. 327 M.E.No.316.—Whereas, I, B V. SUBBA RAO

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Door No. 60 situated at Ward 5, Kuchimanchivari Street, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amalapuram on 15-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per document no. 2959/75 of the SRO, Amalapuram registered during the fortnigh ended

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 16-3-1976.

(1) The Executive Officer, Sri Laxmi Narasimha Swamy Devastanam, R. Agraharam, GUNTUR.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) I.L.T.D. Company, Guntur.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 2nd April 1976

Ref. No. Acq. File. No. 328 J.No. 190/GTR/75-76.— B. V. SUBBARAO.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 407 situated at Kannavari Total

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Guntur on 15-8-1975,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

27-46 GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per doucument No, 4472/75 of the S.R.O., Guntur registered during the fortnight ended on 15-8-75.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 2-4-1976

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th March 1976

Ref. No. IAC/ACQ.III/SR.III/Oct./433(1)/75-76.—Whereas, I. S. C. PARIJA

being the Competent Authority under

Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. R. 18, Village Masjid, situated at Moth, South Extension Part II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

New Delhi on 18-10-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Shri Kaushal Kumar Bakshi s/o late Shri Rattan Lal, r/o E-110/1, Naraina Colony, New Delhi. (Transferor)
  - (2) Shri Kirpal Mohan Vermani s/o Sh. Fatch Chand Vermani r/o A-73, Malviya Nagar, New Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A free-hold plot of land No. R-18, measuring 377.8 sq. yds. situated in Village Masjid Moth, South Extension Part II, New Delhi and bounded as under —

 East :
 Road 36'

 North :
 Plot No. R-19

 West :
 Service lane

 South :
 Plot No. R-17

S. C. PARIJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 30-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 2nd April 1976

Ref No. IAC/Acq.I/598/75-76.--Whereas I, C. V. GUPTE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 178, situated at Jorbagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on 20-11-1975 for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

(1) Shri Harish Chandra Shankarbhai Amin, s/o Sh. Shankarbhai Jorabhai Amin and Smt. Ranjan Harish Chandra Amin, w/o Sh. Harish Chandra Shankarbhai Amin, both r/o A-22, Grand Paradi, August Kranti Marg, Bombay-36.

(Transferor)

(2) Shri Durga Dass Bahl, s/o Sh. Har Narain Bahl and Devinder Nath Bahl s/o Shri Durga Dass Bahl both, r/o 178, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A double storey residential building with Barsati on land measuring 372 sq. yds of Plot No. 178, Block No. 172, Jor Bagh, New Delhi, in the New Capital of Delhi and bounded as under:—

North: By Building on Plot No. 177, Block No. 172. South: By Building on Plot No. 179, Block No. 172. East: 100' wide main road.
West: 20' wide service road.

C. V. GUPTE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 2-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 1st March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1102/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 255 situated at Azad Market, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Amar Nath s/o Sh. Hari Ram,
  - (2) Smt. Amar Kaur w/o Late Sh. Sukhjit Singh herself and natural guardian of her minor children Satwant Singh. Gurcharan Singh, Balbinder Kaur & Parkash Singh r/o 327 Bagh Kare Khan, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Basant Kumar s/o Sh. Jai Chand r/o 131 Old Gupta Colony, Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Government built shop No. 255 Azad Market, Deim constructed on a plot of land measuring 22.5 Sq. yds and bouded as under:—

North: Liberary Road South: Road East: Shop No. 256 West: Shop No. 254

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 1-3-1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 27th February 1976

Ros. No. IAC/Acq.II/1103/2334/75-76.—Whereas, I. S. N. L. AGARWALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1 of 6454, situated at Katra Beryan, Gali Pipal Wali, Delbi-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shri Navin Chand s/o Sh. Om Parkash r/o H. No. 6454, Katra Beryan, Delhi; 6

(Transferor)

Smt. Gianwati w/o Sh. Ved Parkash
 Sh. Suresh Chand s/o Sh. Shri Ram, r/o 6454,
 Gali Pipal Wali, Katra Beryan, Delhi-6.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

½ share of a double storyed house constructed on land measuring 192 sq. yds situated at No. VI/6454 Katra Beryan Gali Pipal Wali, Delhi-6.

S. N. L. AGARWALA,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 27-2-1976

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 1st March 1976

Ref No. IAC/Acq.II/1104/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. D-18 situated at Satyawati Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Karan Devi w/o Sh. Hari Ram r/o H. No. 7351 Prem Nagar, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash Gupta s/o Shri Shiv Narain Gupta, r/o 682, Bara Tooti, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Free-hold plot of land No. 18 in Block 'D' measuring 150 sq. yds situated at Satya Wati Nagar, Delhi and bounded as under :—

North: Service Lane South: Road East: Plot No. 19/D West: Plot No. 17/D

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 1-3-1976

(1 Shri Kashmira Singh s/o Shri Ganda Singh through General Attorny Sh. Budh Parkash Goyal s/o Shri Kundan Lal Goyal, r/o I/150-152, Nagar, Shahdara, Delhi.

(2) Smt. Sobha Rani w/o Shri Budh Parkash Goyal, r/o

1/150-152, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi-32.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ΛCT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OUTION OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 1st March 1976

Ref. No. 1AC/Acq.II/1104/75-76.—Whereas, I, S. N. L.  $\Lambda$ GARW $\Lambda$ LA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. I/150-152 situated at Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act. 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said · Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property built on two markets plots No. 150 and 152 Block No. I measuring area each plot 50 sq. yds totallying area of the both plots 100 sq. yds situted in the abadi of Vishwash Nagar, Shahdara, Delhi and bounded as under :--

Esast: Road 30 feet West: Plot No. 1/149-151 North: Plot No. 1/148 South: Road

S. N. L. AGARWALA, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 1-3-1976

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 1st March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1106/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-30 situated at Bunglow Road, Adarsh Nagar, Delhi (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi in August, 1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shri Ram Nath s/o Pt. Lal Chand r/o 9/2 Vijay Nagar, Delhi-9 through Sh. Om Parkash s/o Sh. Ram dev r/o 41, Prithvi Raj Road, Adarsh Nagar, Delhi-33.

(Transferor)

(2) Prem Wati w/o Shri Om Parkash s/o 41, Prithvi Raj Road, Adash Nagar, Delhi-33.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Southern portion of plot of land measuring 177.7 sq. yds out of total area of 400 sq. yds of plot of land situated at C-30, Adarsh Nagar, Bunglow Road, Delhi and bounded as under:—

North: Portion remaining South: Road

East: Plot No. 32-C West: Plot No. 28-C

S. N. L. AGARWALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 1-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 1st March 1976

Ref. No. IAC/Acq. II/1107/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing

No. 3C/39 situated at New Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Delhi in August, 1975

:----

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-46—GI/76

- (1) Shri Arun Krishna Mukherjee s/o Shri A. C. Mukherjee, through Miss Renu Mukherjee d/o Sh. A. C. Mukherjee, r/o 3-C/43, New Rohtak Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt, Leela Bhattacharya w/o Shri Brajamadhava Bhattacharya r/o 3-C/39 New Rohtak Road, New Delhi

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication in the Official Gazette or a of this notice period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A single storyed pucca house situated at No. 3-C/39, Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi on land measuring 286.34 sq. yds and bounded as under :-

North: Plot No. 40 South: Road East : Service Road West: Open Govt, Land

> S. N. L. AGARWALA. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 1-3-1976

Scal:

#### FORM ITNS ---

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 1st March 1976

No. IAC/Acq.II/1108/2349/75-76.—Whereas, I, Ref S. N. L. AGARWALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 4076,4077 and 4078 situated at Naya Bazar, Burn Beston Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Deihi in August, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- Smt. Shanti Devi w/c Sh. Sumer Chand r/o 1882, Kucha Chelan, Khari Baoli, Delhi. (Transferor)
- 1. Smt. Krishana Devi w/o Sh. Panna Lal. 2. Shri Surinder Kumar s/o Shri Panna Lal.
- Sin'i Surinder Kuhar s/o Shri Fanna Lai.
   r/o 2228, Kucha Chelan, Daiya Ganj, Delhi.
   Smt Luchhmi Devi w/o Shri Sri Kishan Das
   r/o B-4/20 Model Town, Delhi.
   Shri Sri Chand s/o Shri Hanuman Parshad.
- 5. Smt. Maya Devi w/o Sh. Jagan Pershad, r/o 1052, Phatak Mufti Walan, Tiraha Behram Khan,
- Sh. Subhash Chand s/o Sh. Kidar Nath r/o Kucha Tara Chand, Darya Ganj, Delhi.
   Smt. Kamla Devi w/o Sh. Sheo Chand Rai.
- Smt. Gceta Devi w/o Jagdish Parshad r/o 833, Chandni Mahal, Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION ;--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd share (Undivided) of a property consisting of a three storeyed building bearing Municipal No. 1913 (old) and 4076, 4077 and 4078 (New) Ward No. 3, built on plot No. 130 measuring 232 sq. yds situated at Naya Bazar Burn Baston Road, New Delhi and bounded as under:

North: Property of Sh. Kesri Chaud Mohan Lal South: Shop of M/s Chander Bhan Raj Kumar East: Main Road Naya Bazar West: Gali Tram Wali.

S. N. L. AGARWALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 1-3-1976

(1) Shri Ram Autar Sirgh S/o Sri Rasho Singh, At-Mohanpur, PS/Dt-Begusarai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4 3OF 1961)

\_\_\_\_\_

(2) Shri Satya Narain Singh, Ram Murti Singh, Sone of Dt. Monghyr.

(Transferee)

#### government of india

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 2nd March 1976

Ref. No. 111-148/Acq/75-76/2263,—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/1 and bearing No. as in deed No. 6656 situated at Pathua, PS-Barhia, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lakhisarai on 12-8-75. for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Sri Ram Lakhan Singh, At Wolipur, PS-Barhia

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

## and/or (b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land 15 Bigha 6 Katha 15 Dhur at Pathua, PS-Barhia Dt. Monghyr as described in deed No. 6656 dated 12-8-75.

> A. K. SINHA, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :---

Date: 2-3-1976

Sect :